देशबन्धु

जबलपुर, बुधवार 16 अप्रैल 2025 । वर्ष –69 । अंक –150 पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

■ अपनी बेअदबी ... ■ समय से पहले आई ... 04
■ नाटो का हमला हुआ तो सबसे पहले खाक ... ■ क्यों जरूरी था बिल गेट्स से तलाक ?... 09
■ थोक महंगाई 6 महीने के निचले स्तर पर ■ कच्चा तेल 70 डॉलर के नीचे, फिर भी नहीं... 11
■ बेस्ट फिटनेस में... ■ दिल्ली स्पिन ट्रैक ... 10

आईपीएल में आज

दिल्ली विरूद्ध राजस्थान
दिल्ली
7.30 बजे से

नेशनल हेराल्ड केस में चार्जशीट दाखिल

सोनिया, राहुल, सैम पित्रोदा व सुमन दुबे समेत कई नेताओं के नाम शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर शिकंजा कसते हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपपत्र दायर किया है। जांच एजेंसी की ओर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया है।

आरोपपत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा, सुमन दुबे समेत कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं। इस मामले में विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा, 'अभियोजन पक्ष की वर्तमान शिकायत पर संज्ञान के पहलू पर अगली बार 25 अप्रैल, 2025 को इस अदालत के समक्ष विचार किया जाएगा, जब ईडी और आईओ के विशेष वकील अदालत के अवलोकन के लिए केस डायरी का पेशी भी सुनिश्चित करेंगे।' ईडी की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 44 और 45 के तहत धन शोधन के अपराध के लिए अभियोजन शिकायत दर्ज की गई है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

यह पहली बार है जब कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ किसी मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है।

यह बदले की राजनीति : कांग्रेस

कांग्रेस ने इसे बदले की राजनीति बताया। जयराम रमेश ने लिखा, 'नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करना कानून के शासन का मुखौटा पहने हुए राज्य प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की ओर से बदले की राजनीति और धमकी के अलावा कुछ नहीं है।

आज मंडला से होगी लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित

अगले पांच साल में दुग्ध उत्पादन दो करोड़ लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य: मुख्यमंत्री

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 16 अप्रैल को मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा से लाड़ली बहनों के खाते में राशि का अंतरित की जायेगी। उन्होंने कहा कि राशि अंतरण की तारीख में सदैव एकरूपता लाने के लिए अब राज्य सरकार द्वारा प्रतिमाह 15 तारीख के आसपास यह राशि लाड़ली बहनों के खाते में हस्तांतरित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल (बुधवार) को मंडला जिले से प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनाओं के खाते में 1552.38 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में 13 अप्रैल को राज्य सरकार तथा नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के मध्य सहकारिता अनुबंध हुआ। इससे प्रदेश के पशुपालकों को सीधा लाभ होगा। पशुपालकों द्वारा उत्पादित

लाड़ली बहना योजना की राशि अब प्रतिमाह 15 तारीख के आसपास की जाएगी अंतरित

दूध एवं इससे जुड़े अन्य उत्पाद अब सीधे एनडीडीबी के माध्यम से खरीदे जायेंगे। इससे प्रदेश के पशुपालकों की माली हालत तेजी से सुधरेगी और वे आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह ने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के कुल दुग्ध उत्पादन की तुलना में दुग्ध संकलन बड़े पैमाने पर बढ़ाया जाये। साथ ही प्रदेश के शेष आधे ग्रामों से दूध का संकलन करने की कार्रवाई में भी गति लायें। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा 5 रुपए प्रति लीटर बोनस के रूप में प्रोत्साहन राशि देने सहित डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना का प्रचार-प्रसार एवं मप्र के दूध की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक मार्केटिंग एंव ब्रांडिंग भी की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एनडीबीबी द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति के लिए कॉम्प्रिहेंसिव प्लान म.प्र. सरकार के साथ मिलकर तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल को केन्द्रीय मंत्री से मिले निर्देशों में नये लक्ष्य शामिल कर एनडीडीडी के साथ हुये अनुबंध में आवश्यक संशोधन करने के लिये भी कहा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में अगले 5 साल में 2 करोड़ लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन क्षमता का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें। इस दिशा में एनडीडीबी से भी मार्गदर्शन लें। उन्होंने कहा कि अभी प्रदेश के दुग्ध संघों द्वारा मात्र 10 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध संकलन किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में दूध उत्पादन और संकलन में तेजी से वृद्धि करने के निर्देश दिये।

मंत्री परिषद की बैठक

मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन प्रारंभ करने की सैद्धांतिक स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के किसानों के समन्वित विकास के लिए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशु पालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग में प्रचलित योजनाओं को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश किसान कल्याण मिशन को प्रारंभ करने की सैद्धांतिक अनुमति दी गयी।

चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए 383 करोड़ 22 लाख की राशि स्वीकृत

मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। कृषि उत्पादकता (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर) वर्ष 2002-2003 में 1195 था जो वर्ष 2024 में 2393 हो गया। यह वृद्धि 200 प्रतिशत हो गयी है। फसल उत्पादन (लाख मीट्रिक टन) वर्ष 2002-2003 में 224 एवं वर्ष 2024 में 723 होकर 323 प्रतिशत हो गयी है। कृषि विकास दर (प्रतिशत में) 2002-2003 में 3 प्रतिशत से ब?कर 2024 में 9.8 प्रतिशत हो गयी। 327 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि क्षेत्र का बजट (करोड़ रूपये) वर्ष 2002-2003 में 600 करोड़ एवं वर्ष 2024 में 27050 करोड़ होकर वृद्धि दर 4508 प्रतिशत हुई। मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र का योगदान प्रदेश की जीडीपी में 39 प्रतिशत है।

म.प्र. कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को जलवायु-अनुकूल बनाना, धारणीय कृषि पद्धतियों ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

सार संक्षेप

वक्फ संशोधन एक्ट के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट पहुंची 7 राज्य सरकारें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून पर सुनवाई से पहले सात राज्यों की सरकारें सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं। महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों ने आवेदन दाखिल कर नए कानून का समर्थन किया है। इन राज्यों ने कहा है कि नया कानून पारदर्शी, न्यायपूर्ण और व्यवहारिक है। कानून के खिलाफ दाखिल याचिकाओं का विरोध करते हुए इन सभी राज्यों ने अपना पक्ष भी सुने जाने की मांग कोर्ट से की है।

अच्छी मंशा से लाया गया नया कानून– राजस्थान सरकार ने कहा है कि नया कानून बहुत अच्छी मंशा से लाया गया। विस्तृत चर्चा और संसदीय प्रक्रिया के बाद बना यह कानून सभी वैधानिक चिंताओं का समाधान करता है। जिन लोगों ने इस कानून के खिलाफ याचिका दाखिल की है, वह जमीनी सच्चाइयों से आंखें फेर रहे हैं। पुराने कानून के चलते राज्यों को बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। वह दिक्कतें अब दूर हो गई हैं।

आवेदन में यह भी कहा है कि पुराने कानून की धारा 40 का दुरुपयोग एक चिंता का विषय था। वह धारा वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ बता कर उस पर दावा करने की शक्ति देती थी। अब भू-राजस्व (लैंड रेवेन्यू) के रिकॉर्ड में कोई भी बदलाव से पहले सार्वजनिक सूचना जारी करने की शर्त रखी गई है। इससे संपत्तियों पर मनमाने दावे पर नियंत्रण हो सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को दी नसीहत

महिलाओं के खिलाफ अनुचित टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि न्यायाधीशों को महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में अनुचित टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह बात इलाहाबाद हाईकोर्ट की एक टिप्पणी को लेकर कही।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 17 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश (जिसमें दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को जमानत देते समय की गई टिप्पणी) पर स्वत: संज्ञान सुनवाई करते हुए आपत्ति जताई और यह नसीहत दी।

शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई, जिन्होंने दुष्कर्म के एक आरोपी को जमानत देते समय टिप्पणी की थी कि पीड़िता ने 'खुद ही मुसीबत को आमंत्रित किया और इसके लिए वह जिम्मेदार है।' शीर्ष

हाईकोर्ट ने कहा था, लड़की खुद दुष्कर्म की जिम्मेदार

अदालत ने कहा कि आरोपी को जमानत देते समय की गई टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि न्यायाधीशों को महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में अनुचित टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा, इस उच्च न्यायालय (इलाहाबाद उच्च न्यायालय) में क्या हो रहा है? अब उसी उच्च न्यायालय के एक अन्य न्यायाधीश ने ऐसी बातें कही हैं... हां, जमानत दी जा सकती है। लेकिन यह क्या चर्चा है कि 'उसने खुद ही मुसीबत को आमंत्रित किया आदि'। ऐसी बातें कहते समय खासकर इस तरफ सावधानी बरतनी चाहिए।

इससे पहले, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ऐसी टिप्पणियों में कहा था कि एक बच्ची के स्तनों को पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं है।

नवजात गायब हों तो अस्पताल का लायसेंस रद्द करो : सुको

निचली अदालतों को 6 माह में सुनवाई पूरी करने निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बाल तस्करी को लेकर सख्त आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि अगर अस्पताल से नवजात गायब होते हैं तो अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सभी निचली अदालतों को बाल तस्करी से जुड़े मामलों की सुनवाई छह महीने में पूरी करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर भी उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की। ऐसे अपराध रोकने के लिए राज्यों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि देशभर के हाईकोर्ट में बाल तस्करी के कितने मामले लंबित हैं, इसकी जानकारी दी जाए।

इंदौर लगातार चौथे साल सबसे साफ शहर

नई दिल्ली, देशबन्धु। सफाई के मामले इंदौर लगातार चौथी बार नंबर-1 बन गया है। दूसरे नंबर पर गुजरात का सूरत और तीसरे नंबर महाराष्ट्र का नवी मुंबई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी को बेस्ट गंगा टाउन घोषित किया गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 लीग के तीनों क्वार्टर में भी इंदौर अव्वल रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन सभी शहरों को बधाई, जिन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में शीर्ष स्थान हासिल किया।

10 सबसे साफ शहरों में गुजरात के 4 शहर, भोपाल 7वें और जबलपुर 13वें स्थान पर, बनारस बेस्ट गंगा टाउन

उन्होंने कहा कि अन्य शहरों को भी इसके लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। ताकि वे ज्यादा से ज्यादा कोशिश कर सकें। इस तरह की प्रतिस्पर्धात्मक भावना से स्वच्छ भारत मिशन मजबूत होता है और लाखों लोगों को फायदा मिलता है। वहीं जबलपुर 13वें स्थान पर रहा।

सूची में सबसे गंदा शहर बिहार का पटना रहा, इसमें 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले 47 शहरों को शामिल किया गया था सबसे ज्यादा साफ कैंट एरिया में जालंधर ने बाजी मारी, 100 से कम अर्बन लोकल बॉडी वाले राज्यों में पहला स्थान पर झारखंड रहा।

नहीं रहीं वरिष्ठ साहित्यकार निर्मला जैन

नई दिल्ली। देश की वरिष्ठ साहित्यकार, प्रमुख आलोचक निर्मला जैन का 15 अप्रैल की सुबह 6.00 बजे निधन हो गया। वे 93 वर्ष की थीं और 'दिल्ली शहर दर शहर', 'जमाने में हम' जैसी संस्मरण और आत्मकथा कृतियों के लिये उन्हें अपार प्रसिद्धि मिली। उनके निधन पर साहित्य जगत में गहरा शोक व्याप्त है। अनेक हस्तियों ने स्व. निर्मला के निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग ने वरिष्ठ साहित्यकार निर्मला जैन के निधन पर विभाग में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो.सुधा सिंह ने कहा कि निर्मला जैन आत्मीयता की साक्षात मूर्ति थी। उन्होंने कहा कि हमारे विभाग की पूर्व अध्यापिका, पूर्व विभागाध्यक्ष और हिंदी की प्रमुख आलोचक प्रो.निर्मला जैन के निधन से साहित्यकारों के बीच गहरा शोक है। उन्होंने कहा कि आत्मीयता उनके व्यक्तित्व ही नहीं बल्कि उनके कृतित्व से भी साक्षात झलकती है।

मौसम | **मानसून को लेकर मौसम विभाग ने की भविष्यवाणी**

इस साल देश में औसत से अधिक होगी बारिश

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विभाग ने इस साल होने वाली मानसून की बारिश को लेकर अनुमान जारी किया है। मौसम विभाग की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, इस साल भारत में औसत से 105 फीसदी अधिक मानसूनी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही आईएमडी ने का कहना है कि इस साल भारतीय उपमहाद्वीप में मानसून के दौरान अल नीनो स्थितियां विकसित होने की संभावना नहीं है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने कहा, भारत में चार महीने के मानसून सत्र (जून से सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। राष्ट्रीय मौसम विभाग ने कहा कि उसे मानसूनी बारिश लॉन्ग पीरियड एवरेज के न्यूनतम 105 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसून वर्षा के लिए जिम्मेदार अल नीनो की स्थिति इस बार विकसित होने की संभावना नहीं है। अल नीनो मौसम से जुड़ी एक वैश्विक घटना है, जिसका दक्षिण-पश्चिम मानसून पर गहरा असर पड़ता है। अल नीनों की स्थिति तब बनी है जब प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में समुद्री सतह का तापमान बढ़ जाता है, जिससे दुनिया के कई क्षेत्रों में मौसमी पैटर्न बिगड़ जाते हैं।

भारी गर्मी की दी गई चेतावनी- देश के कई हिस्से पहले से ही भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं और अप्रैल से जून की अवधि में काफी अधिक गर्मी वाले दिन होने की उम्मीद है। इससे बिजली ग्रिड पर दबाव पड़ सकता है और पानी की कमी हो सकती है। भारत में खेती योग्य जमीन का 52 प्रतिशत प्राथमिक वर्षा प्रणाली पर निर्भर करता है। यह देश भर में बिजली उत्पादन के अलावा पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों को फिर से भरने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

इसलिए, मानसून के मौसम में सामान्य वर्षा की भविष्यवाणी देश के लिए एक बड़ी राहत की बात है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश के दिनों की संख्या घट रही है जबकि भारी बारिश की घटनाएं (थोड़े समय में अधिक बारिश) बढ़ रही हैं, जिससे लगातार सूखे और बाढ़ की स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा-असर प्रणाली की परिवर्तनशीलता और बढ़ गई है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर
epaper.deshbandhump.com
वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने फिर चार्ज शीट दाखिल कर दी है।
चुहिया- हां प्रिये-हर चुनाव से पहले ऐसे दबे छिपे मामले सुर्खियां बनने लगते हैं।

देश-विदेश

पाकिस्तान में बैठे आतंकियों में पीएम मोदी के खिलाफ भरी जाती है नफरत : एसपी वैद

जम्मू, (आईएएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने ने पीएम मोदी की सुरक्षा को लेकर सोमवार को आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुरुआत से ही आतंकियों के निशाने पर रहे हैं। उनके खिलाफ पाकिस्तान में लगातार नफरत पैदा की जाती रही है। पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुरुआत से ही आतंकियों के निशाने पर रहे हैं। खासकर पाकिस्तान में बैठे आतंकी हमेशा उन्हें बाधा मानते हैं। पाकिस्तान में कट्टरपंथी बनाने के लिए गुजरात दंगों और बाबरी मस्जिद के विध्वंस की तस्वीरें लोगों को दिखाई जाती हैं।

बंगाल हिंसा पर सीएम की दो टूक

दंगाईयों का इलाज ही डंडा है, लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद हिंसा को लेकर एक बार फिर ममता सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल जल रहा है और मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को शांति दूत कहती हैं। सीएम योगी ने यह भी कहा कि लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं?

सीएम योगी ने मंगलवार को हरदोई में अमर सेनानी राजा नरपति सिंह स्मारक स्थल पर आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि याद कीजिए 2017 के पहले के उत्तर प्रदेश को, हर दूसरे-तीसरे दिन दंगा होता था, इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। बिना डंडे के मानेंगे नहीं। आप देख रहे होंगे कि बंगाल जल रहा है, वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं, दंगाइयों को शांति दूत कहती हैं, लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं, लेकिन सेकुलरिज्म के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगा करने की पूरी छूट दे रखी है। सीएम योगी ने ममता सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद एक सप्ताह से जल रहा है, राज्य सरकार मौन है, इस प्रकार की अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए और मैं वहां के न्यायालय को इस बात के लिए धन्यवाद दूंगा कि जिन्होंने वहां पर केंद्रीय बलों की तैनाती करके अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है।

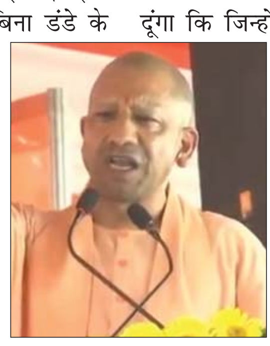

उन्होंने विपक्षी दलों की चुप्पी पर कहा कि सब लोग मौन हैं, मुर्शिदाबाद दंगों पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मौन हैं, टीएमसी मौन है, वे धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं, बांग्लादेश के अंदर जो हुआ था, उसका समर्थन कर रहे हैं, अगर उन्हें बांग्लादेश अच्छा लगता है, तो उन्हें बांग्लादेश जाना चाहिए, क्यों भारत की धरती पर बोझ बने हुए हैं? सीएम योगी ने जिक्र किया कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आभारी हैं, जिन्होंने वक्फ कानून को लाकर गरीबों की जमीनों पर डकैती पर लगाम लगाने का काम किया है, अब जो जमीन वापस आएगी, उस पर अस्पताल, गरीबों के लिए घर, ऊंची इमारतें, स्कूल और विश्वविद्यालय बनाए जाएंगे। निवेश के लिए भूमि बैंक बनाया जाएगा। लेकिन, किसी को भी जमीन पर कब्जा करने और गुंडागर्दी करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इसलिए ये लोग चिंतित हैं क्योंकि जमीन के नाम पर लूट बंद होने वाली है।

उन्होंने वक्फ कानून का विरोध करने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि वे सभी परेशान हैं कि अब उनके गुर्गे खाली हो जाएंगे, जो पहले जनता को

नासा ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश के बाद भारतीय मूल की डीईआई प्रमुख नीला राजेंद्र को किया बर्खास्त

वॉशिंगटन, (आईएएनएस)। भारतीय मूल की नीला राजेंद्र, जो नासा में विविधता, समानता और समावेश (डीईआई) के कामों की प्रमुख थीं, को उनके पद से हटा दिया गया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के तहत उठाया गया है, जिसमें सभी संघीय एजेंसियों में डीईआई कार्यक्रमों को समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। राजेंद्र की बर्खास्तगी ऐसे समय में हुई है जब नासा के भीतर कई प्रयास किए गए थे कि उन्हें किसी नए पद के साथ बनाए रखा जाए।

मार्च में नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) ने उन्हें टीम उत्कृष्टता और कर्मचारी सफलता का कार्यालय नामक एक नए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था। यह कदम व्यापक रूप से इस प्रयास के रूप में देखा गया कि उन्हें ट्रंप के आदेश के प्रभाव से बचाया जा सके। हालांकि, भले ही उनका पद बदला गया हो, लेकिन उनके कार्य जैसे कि कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों का संचालन और ब्लैक एक्सीलेंस स्ट्रेटेजिक टीम जैसे समूहों का प्रबंधन - लगभग वही रहे। ट्रंप प्रशासन द्वारा डीईआई कार्यक्रमों पर सख्ती बढ़ाने के बाद अंततः उन्हें पद से हटा दिया गया। जेपीएल के भीतर पिछले सप्ताह भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में राजेंद्र की विदाई की पुष्टि की गई। जेपीएल की निदेशक लॉरी लेशिन द्वारा भेजे गए मेल में कहा गया, नीला राजेंद्र अब जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में कार्यरत नहीं हैं। उन्होंने संगठन पर जो स्थायी प्रभाव डाला है, उसके लिए हम अत्यंत आभारी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। नीला राजेंद्र नासा में अपने वर्षों के कार्यकाल के दौरान विविधता और समावेशन बढ़ाने की कई पहलों में अग्रणी रही हैं। उन्होंने अंतरिक्ष कार्यबल 2030 जैसे अभियान का नेतृत्व किया था, जिसका उद्देश्य नासा के कार्यबल में महिलाओं और वंचित समुदायों की भागीदारी बढ़ाना था। उनकी बर्खास्तगी ट्रंप प्रशासन की उस व्यापक नीति का हिस्सा है जिसके तहत संघीय एजेंसियों से सैकड़ों डीईआई से जुड़े पद समाप्त किए जा चुके हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, ये कार्यक्रम सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करते हैं,

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर
सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र.0005 / अ- 6 / वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार पंजीकृत बटवारानामा के आधार पर नामांतरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 28/4/2025 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिए गए हों या वैद्य प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्रं.	रकबा	विधमान अभिलेख में अंकित धारक/धारकों के नाम/पिता/माता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
08	कंदेली	8/28	38955 वर्गफुट	श्रीमति सुरेश कुमारी जोजे हरिशंकर प्रताप सिंह,कुंवर मनजीत सिंह, कुंवर रंजीत सिंह पिस.हरिशंकर प्रताप सिंह सा. कंदेली	1. श्रीमति सुरेश कुमारी पत्नि स्व. हरिशंकर प्रताप सिंह, 2.मनजीत सिंह आ. स्व.हरिशंकर प्रतापसिंह 3. रंजीत सिंह आ. स्व.हरिशंकर प्रताप सिंह निवासी होटल प्रताप के पास सिविल लाइन शंकराचार्य वार्ड कंदेली

आज दिनांक- 11/4/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

75.6 करोड़ की कोकीन जब्त

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दुबई से आए एक भारतीय नागरिक को नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर उसके पास से 7.56 किलोग्राम कोकीन जब्त की जिसका मूल्य 75.6 करोड़ रुपए आंका गया है। एजेंसी ने एक वक्तव्य में मंगलवार को बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अभियान में विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई सोमवार को की गयी कार्रवाई में यह सफलता मिली।

सूडान के विस्थापित शिविर पर हमलों में 300 से अधिक नागरिक मारे गए : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र, (आईएएनएस)। सूडान के अकालग्रस्त जमजम विस्थापित कैंप पर हुए हमले में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से दी।

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार को इस घटना की जानकारी देते हुए कहा कि सूडान में उत्तर दारफुर के अल-फशेर में शुक्रवार और शनिवार को जमजम और अबू शौक विस्थापन कैंपों और शहर के आसपास और इनके अंदर हुई गंभीर हिंसा से बड़े पैमाने पर लोगों की मौत हुई है। ओसीएचए ने लोकल सूत्रों के हवाले से बताया कि मृतकों के शुरुआती आंकड़े आए हैं उनसे पता चलता है कि इन हमलों में 10 संयुक्त राष्ट्र के समन्वय कार्यालय के 10 कार्यकर्ताओं सहित 300 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। यह ओसीएचए कार्यकर्ता रिलीफ इंटरनेशनल एनजीओ के जमजम कैंप में चल रहे केंद्रों में बचा हुआ एक मात्र स्वास्थ्य केंद्र था। यह लोग इसी स्वास्थ्य केंद्र में काम रहे थे।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने इस मामले की जानकारी देते हुए कहा कि इन हमलों में कम से कम 23 बच्चे मारे गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हत्याओं की निंदा की, उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को कहा, सूडान में हमारे मानवीय और स्थानीय सहयोगी क्लेमेंटाइन एनक्वेटा-सलामी ने भी इस हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा की है और इस हिंसा को तुरंत खत्म करने व आम लोगों और मानवीय कार्यकर्ताओं की सुरक्षा करने की अपील की है।

इन हमलों के दोषियों पर कानूनी कार्रवाई जरूर की जाएगी। यह विशाल जमजम कैंप देश के आर्थिक केंद्र उत्तरी दार्फुर राज्य के दक्षिणी अल-फशेर से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने कहा कि जमजम शिविर से कम से कम 16,000 लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें से कई लोग एल फशेर और पश्चिम में तावीला की ओर पलायन कर रहे हैं। हालांकि, ओसीएचए ने कहा कि स्थानीय सहयोगियों ने बताया कि लगातार हिंसा और विस्थापित लोगों की बढ़ती आमद के कारण एल फशेर में मानवीय और

सुरक्षा स्थिति तेजी से बिगड़ रही है। आईओएम ने कहा कि उत्तरी दारफुर के उम कददाह शहर में एल फशेर के पूर्व में, स्थानीय स्रोतों ने हाल ही में हुई लड़ाई में 50 से अधिक लोगों के मारे जाने और 900 घरों के नष्ट होने की सूचना दी है। एजेंसी ने अनुमान लगाया कि गुरुवार से इस क्षेत्र से लगभग 19,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। ओसीएचए ने कहा कि जमजम और एल फशेर में निवासियों और विस्थापित

कार्यालय नगरपालिका परिषद शहडोल, जिला शहडोल (म.प्र.)

Office of the Municipal Council Shahdol, Distt. Shahdol (M.P.)
D.D. Complex, Near Tagore Park Shahdol, Distt. Shahdol -484001
Email:cmoshahdol@mpurban.gov.in Ph.No. 07652-245175 (0), 241015(F)

क्रमांक /राजस्व/ न.पा.श./1461/2025 शहडोल, दिनांक 11/04/2025

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सार्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संपत्तिकर नामांतरण हेतु कार्यालय में निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुये है-

क्र.	क्रेता/हस्तांतरिती का नाम/पिता/पति	विक्रेता/हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड नं.	खसरा क्र.	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल	नामांतरण का आधार
1	ममता कुशवाहा/ दयाशंकर कुशवाहा	दिलीप जिगवानी/ अर्जुनदास जिगवानी	25	CORE HOUSE NO. 653	बलपुरवा	414 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
2	सुनीता सोनी/ जगमोहन सोनी	बद्री प्रसाद सोनार/ नत्थू लाल सोनार	38	416	सोहागपुर	4400 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका
3	मोहम्मद रहीस पिता मुन्ना खान उर्फ रज्जाक	सायरा बेगम/ मुन्ना खान	38	495	सोहागपुर	800 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका
4	रूकमणी हंसपाल / स्व. जियाराम हंसपाल	सुशीला देवी एवं तुलसा देवी	21	389	सोहागपुर	1500 ft2	राजस्व अभिलेख न्यायालय आदेश वापसी सहमति पत्र आधार कार्ड
5	मो. मकसूद / अब्दुल रहमान	रमेश बर्मन पिता फूलचंद	28	52/102	सौखी	436 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका
6	कैलाश प्रसाद गुप्ता / रामविशाल	खेलन बाई	28	52/12	सौखी	2000 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
7	शिव कुमार पटेल/ तीरथ प्रसाद पटेल	केशव चौधरी/ रमेश चौधरी	24	183	बलपुरवा	2450 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
8	रवि दिसनदासानी	सतीश आहूजा	20	145/10/1/1/1 1/1/1/1/1/1/1	शहडोल	252 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
9	परमवीर सिंह दुआ/ गूलवीर सिंह दुआ	गुरवीर सिंह दुआ	26	13/1/1 एवं 13/3/1	सोहागपुर	430 ft2 1937 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका मृत्यु प्रमाण पत्र
10	महेश कुमार रावलानी/ नव्या रावलानी	स्व. अर्जुन दास रावलानी	20	150/67/1/2/1ए व 150/67/1/2/2	शहडोल	645 ft2 2583 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका
11	मुकेश कुमार रावलानी/ साक्षी रावलानी	स्व. अर्जुन दास रावलानी	20	150/6/6	शहडोल	1292 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका
12	महेश कुमार रावलानी/ नव्या रावलानी	स्व. अर्जुन दास रावलानी	20	155/1/11/2	शहडोल	645 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
13	मिथलेश द्विवेदी/ शांत द्विवेदी	शांत द्विवेदी	25	1002186124	सोहागपुर	970 ft2	राजस्व अभिलेख सम्पत्ति कर रसीद मृत्यु प्रमाण-पत्र
14	विनय सालोमन	कलेश्वर सालोमन	24	166	बलपुरवा	3229 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका
15	राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल पिता विश्राम प्रसाद जायसवाल	राकेश कुमार गुप्ता/ रामसेवक	29	2/1/1	सौखी	1722 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
16	राजेन्द्र कुमार/नरेश कुमार/ राजकुमार/मधु/उषा	भैयालाल मिश्रा	23	2/1/1	सोहागपुर	969 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका

अतः उक्त आवेदनों में जिस किसी को भी आपत्ति हो वह कार्यालय में 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त आपत्तियों में विचार नही किया जावेगा।

(अक्षत बुंदेला) मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद शहडोल

कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, रीवा मण्डल रीवा
संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति क्र. 01/2025-26

क्रमांक 332/ ग्रा. यां. से. / 2025 रीवा, दिनांक 11/04/2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से **Cover-3** (तीन लिफाफा पद्धति) राशि रू.1.00 से अधिक एवं **Cover-2** (दो लिफाफा पद्धति) राशि रू. 1.00 करोड़ तक के आधार पर ऑनलाईन प्रतिशत दर निविदा प्रपत्र एपेडिक्स 2.10 अनुसार निविदायें लोक निर्माण विभाग की केंन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	ग्रा.यां.से. संभागीय कार्यालय	सिस्टम आई. डी. नम्बर	कार्य का प्रकार	कार्यों की संख्या	निर्माण कार्यों की अनुमानित लागत (लाख)	एस.ओ.आर.
1	रीवा क्र.2 रीवा	2025_RES _416029	जवा बरहुला मेन रोड रीवा डभौरा में अग्निहोत्री दुकान से पंचायत भवन तक।	01	49.34	11/04/2022 द्वितीय
2	रीवा क्र.2 रीवा	2025_RES _416031	हनुमना नाउन खुर्द नाउन खुर्द से मोरहना पहुँच मार्ग लम्बाई 1.00 कि.मी. जी.एस.बी. मार्ग।	01	29.86	11/04/2022 द्वितीय
3	रीवा क्र.2 रीवा	2025_RES _416032	हनुमना खूटा बिदौलिहान मेन रोड उचेहरा से शान्तिधाम तक लम्बाई 1.00 कि.मी. जी. एस.बी. मार्ग।	01	29.86	11/04/2022 द्वितीय
4	रीवा क्र.2 रीवा	2025_RES _416033	हनुमना ढावा तिवरियान मुख्य सड़क ढावा तिवरियान से पटहारू टोला लम्बाई 1.00 कि.मी. जी.एस.बी. मार्ग।	01	29.86	11/04/2022 द्वितीय
5	रीवा क्र.1 रीवा	2025_RES _416034	परशुराम आश्रम इटौरा में पी.सी.सी. सड़क आर.सी.सी. नाली निर्माण एवं पेवर ब्लाक चबूतरा शेड निर्माण	01	63.37	11/04/2022 द्वितीय
6	रीवा क्र.1 रीवा	2025_RES _416035	सिरमौर सुकवार मऊ-सुकवार मोड़ से प्रधानमंत्री सड़क तक लम्बाई 700 मी. डामरीकरण मार्ग।	01	29.07	11/04/2022 द्वितीय
7	सतना	2025_RES _416036	फलाहारी तालाब ग्राम पंचायत नयागॉव का विस्तार ब्लाक मझगवाँ जिला सतना।	01	163.75	11/04/2022 द्वितीय
8	सिंगरौली	2025_RES _416037	ग्राम पंचायत खम्हरिया में छोटानी के घर के पास भगवान डाड़ नाला पर पुलिया निर्माण ।	01	123.46	11/04/2022 द्वितीय
9	सिंगरौली	2025_RES _416038	ग्राम पंचायत ओखरावल में प्रधानमंत्री से आंगनवाड़ी भवन होते हुये बैगा मोहल्ला तक मिट्टी मुरूम सड़क निर्माण।	01	79.36	11/04/2022 द्वितीय
10	सिंगरौली	2025_RES _416039	ग्राम पंचायत ओखरावल में प्रधानमंत्री से भादे होते गहिडार पहुंच मार्ग पी.सी.सी. का निर्माण 2.5 कि.मी.।	01	60.08	11/04/2022 द्वितीय
11	सिंगरौली	2025_RES _416040	पी.सी.सी. रोड निर्माण डी.ए.व्ही. सूर्य बिहार से जगराम सिंह के घर तक एवं नाली निर्माण ग्राम पंचायत मझौली।	01	119.52	11/04/2022 द्वितीय
12	सिंगरौली	2025_RES _416041	पी.सी.सी. रोड निर्माण मायाराम बैस के घर से पी.एच.सी. तियरा तक एवं नाली निर्माण ग्राम पंचायत तियरा ।	01	119.52	11/04/2022 द्वितीय
			कुल योग :-		847.71	

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 15/04/2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 30/04/2025 समय 17.30 बजे शाम तक क्रय एवं निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी। संशोधन संबंधी सूचनाएं केवल वेबसाईट पर ही अपलोड की जावेगी। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र विड जमा करें। वेबसाईट में किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

अधीक्षण यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, रीवा मण्डल रीवा

G-11561/25 स्वच्छता ही सेवा

प्रथम पृष्ठ का शेष....

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर
आम इश्तहार

रा.प्र.क्र. 3755/अ-6/2025-26
जबलपुर, दिनांक ....

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मायाबाई पत्नि स्व. वीरेन्द्र प्रताप सिंह निवासी 450 पूर्वी करिया पाथर आचार्य विनोबा भावे वार्ड के द्वारा मौजा जबलपुर प्लॉट नं. 167/2 स्थित भूमि खसरा नंबर 118 में से रकवा 371 वर्गफुट भूमि पर फौती नामांतरण की मृत्यु दिनांक 29/04/2024 को हो जाने के कारण वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 17/4/25 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक : 2/04/25
पेशी दिनांक : 17/04/25

तहसीलदार, अधारताल जबलपुर

र.नं.- 129

फौती
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/0017/अ-6/2024-2025

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक निशा जैन अन्य/ स्व. अरविन्द कुमार जैन नि. 1432 चैतन्य विला आशीर्वाद बारात घर के पास ने निर्मित रकवा 201.8 व.फु. विक्रय पत्र/ हक त्याग वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 27/11/2014 मृत्यु दिनांक 19.08.2023 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र .... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/ पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार ब्लाक नं. .... प्लाट नं. ... निर्मित रकवा/ रकवा 201.8 व.फु./अवि. हिस्सा ..../ग्राम करौंदी प.ह.नं. .... खसरा नं. 39/1 रकवा 201.8 व.फु./हे. महेन्द्र रामनरेश पुरुषोत्तम विद्या अर्चना पिता स्व. जीवनलाल बगैरह के नाम दर्ज हैं।

अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 21/04/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 3/4/20256 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 03/04/2025
पेशी दिनांक 21/04/2025

तहसीलदार, रांझी, जबलपुर

र.नं.- 128

फौती
न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्रं/2067/अ-6/2024-2025

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश प्रसाद गुप्ता अन्य पिता स्व. हरीश चन्द्र गुप्ता निवासी- 2481 न्यू कंचनपुर गांधी नगर सुभाष चन्द्र बोस वार्ड ने निर्मित रकवा 1320 व.फु. विक्रय पत्र/ वारसान हक/ दिनांक 01/05/1978 मृत्यु दिनांक 01.02.2014, 30.03.2020 को हो जाने के कारण वारसान हक उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र .... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार ब्लाक नं. .... प्लाट नं. ... निर्मित रकवा/ रकवा 1320 व.फु./अवि. हिस्सा ..../ग्राम भडपुरा प.ह.नं. 22 खसरा नं. 287/2/3 रकवा 1320 व.फु./हे. हरीश चन्द्र गुप्ता वल्द स्व. माता प्रसाद गुप्ता नि. न्यू कंचनपुर गांधी नगर अधारताल, जबलपुर के नाम दर्ज हैं।

अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 22/04/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 8/4/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 08/04/2025
पेशी दिनांक 22/04/2025

तहसीलदार, रांझी, जबलपुर

र.नं.- 130

कार्यालय नगरपालिका परिषद शहडोल, जिला शहडोल (म.प्र.)

Office of the Municipal Council Shahdol, Distt. Shahdol (M.P.)
D.D. Complex, Near Tagore Park Shahdol, Distt. Shahdol -484001
Email:cmoshahdol@mpurban.gov.in Ph.No. 07652-245175 (0), 241015(F)

क्रमांक /राजस्व/ न.पा.श./1463/2025 शहडोल, दिनांक 11/04/2025

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सार्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संपत्तिकर नामांतरण हेतु कार्यालय में निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुये है-

क्र.	क्रेता/हस्तांतरिती का नाम/पिता/पति	विक्रेता/हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड नं.	खसरा क्र.	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल	नामांतरण का आधार
1	प्रकाश चंद गुप्ता स्व. राम खेलावन गुप्ता	स्व. राम खेलावन गुप्ता	12	58/1	सोहागपुर	960 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
2	मुकेश कुमार गुप्ता	स्व. राम खेलावन गुप्ता	12	58/1	सोहागपुर	960 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका
3	दीपक कुमार गुप्ता	राम खेलावन गुप्ता	12	58/1	सोहागपुर	960 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण पत्र ऋणपुस्तिका
4	अरूण प्रकाश गुप्ता पियुष गुप्ता	स्व. श्री गंगा प्रसाद गुप्ता	12	1914/ 4/8/1	सोहागपुर	960 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण-पत्र ऋणपुस्तिका
5	सुभाष गुप्ता सुमित गुप्ता	राम गोपाल गुप्ता	12	88/6	सोहागपुर	960 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका मृत्यु प्रमाण पत्र
6	पिंकी गुप्ता सुमित गुप्ता	राम गोपाल गुप्ता	12	88/6	सोहागपुर	960 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण-पत्र ऋणपुस्तिका
7	विमल कुमार केवट	रामदास केवट	29	113	सोहागपुर	600 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका मृत्यु प्रमाण पत्र
8	वासुमति परस्ते भूपत सिंह	ओमप्रकाश पाण्डेय रामप्रताप पाण्डेय	25	22/4	सोहागपुर	3028 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
9	रमेश चतुर्वेदी	स्व. उमा प्रसाद चतुर्वेदी	20	10020 78726	सोहागपुर	2000 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
10	अशोक कुमार कोरी	स्व. सुखलाल कोरी	29	4/14	सोहागपुर	4111 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका मृत्यु प्रमाण पत्र
11	रमेश बर्मन/राजकुमार बर्मन	कला बर्मन/ रमेश बर्मन	29	10021 85080	सोहागपुर	1216 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा रजिस्ट्री मृत्यु प्रमाण पत्र
12	श्रीमती मालती सोनी राजकिशोर सोनी	चरका यादव चुनवा यादव	37	275/1/1	सोहागपुर	1750 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
13	सीमा गुप्ता / चन्द्र गुप्ता	ज्ञानप्रभा रघुवंशी एलिजाबेथ	8	1733/1/2 1731/1/2	सोहागपुर	1399 ft2 1614 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा रजिस्ट्री
14	प्रतिभा शुक्ला / राजेश शुक्ला	तुलसा मिश्रा/ सूरज मिश्रा	21	1/151	सोहागपुर	2152 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा ऋणपुस्तिका
15	मूलचंद जायसवाल/ स्व. राधेलाल जायवाल	गुल्लु बाई जायसवाल	35	35/118	सोहागपुर	800 ft2	राजस्व अभिलेख खसरा मृत्यु प्रमाण-पत्र ऋणपुस्तिका

अतः उक्त आवेदनों में जिस किसी को भी आपत्ति हो वह कार्यालय में 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त आपत्तियों में विचार नही किया जावेगा।

(अक्षत बुंदेला) मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद शहडोल

मध्यप्रदेश कृषक....

को अपनाना, जैव विविधता और परम्परागत कृषि ज्ञान संरक्षण, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है। फसल बीमा का कवरेज 50 प्रतिशत तक करना, संकर तथा उन्नत बीजों का विस्तार आधे क्षेत्रफल तक करना, प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता सौर ऊर्जा पम्प अनुदान पर उपलब्ध कराये जाना, नये प्र-संस्करण क्षेत्रों की स्थापना, विपणन नेटवर्क का विस्तार और प्रदेश की बाहर की मंडियों तक पहुंच बढ़ाना, मत्स्य बीज के मामलें में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना, कोल्ड चेन और नेटवर्क विकास के जरिये किसानों को मत्स्य संपदा के लिए मिलने वाले मूल्य को डे? गुना करना, उच्च उत्पादकता मछली का पालन 10288 मीट्रिक टन किया जाना, मत्स्य पालन के लिए 1.47 लाख किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराये जायेंगे। संगठित क्षेत्र में दुग्ध संकलन को 50 लाख लीटर प्रतिदिन किया जायेगा। पशुधन उत्पादकता में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी। बेसहारा गौ-वंश की देखभाल के लिए प्रदेशव्यापी नेटवर्क तैयार करना, जिससे सड़कों पर उनकी उपस्थिति शून्य हो सकेगी। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की साधारण सभा के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। मिशन क्रियान्वयन की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। मिशन क्रियान्वयन जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में किया जायेगा। चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए राशि 383 करोड़ 22 लाख रूपये की स्वीकृति मंत्रि-परिषद द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत चिकित्सा महाविद्यालय, सतना से संबंद्ध नवीन चिकित्सालय के निर्माण के लिए राशि 383 करोड़ 22 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में नवीन पदों की स्वीकृति मंत्रि-परिषद द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एवं नियोनेटोलॉजी विभाग में नियमित स्थापना के कुल 12 नवीन पदों का सृजन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

In The Court of XXI Civil Judge, Class-II, District Court, Jabalpur
Presiding Officer:
फरहान मसूद कुरैशी

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/ 0000001/2025)

चन्द्रिका प्रसाद चौधरी ....वादी
Vs
प्रभाकर राव ....प्रतिवादी

Process Id-/2025
पेशी दि.:-14/05/2025

प्रेषिती-(1) प्रभाकर राव पिता स्व. रामचन्द्र राव पता- मकान नंबर 2527, नेपियर टाउन, जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी चन्द्रिका प्रसाद चौधरी ने आपके विरूद्ध सिविल सूट ए दावा वास्ते घोषणा विरोधी आधिपत्य के आधार पर मालिक स्वामी घोषित कराने हेतु के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 09 अप्रैल 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ दावा वास्ते घोषणा विरोधी आधिपत्य के आधार पर मालिक स्वामी घोषित कराने हेतु की छायाप्रति संलग्न

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(फरहान मसूद कुरैशी)
21वें व्यवहार न्यायाधीश,(कनिष्ठ खण्ड)
जबलपुर (म.प्र.)

र.नं. 132

देश-प्रदेश

उवाच

वनवासी मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा : डॉ. यादव

भोपाल,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन के शुभारंभ सत्र में सम्बोधित करते हुए कहा कि मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए भोपाल में विभागों से समन्वय कर काम किया जाएगा। वनवासी भाई-बहनों तथा सभी वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजदूर भाई-बहनों के 224 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान करवा दिया है। रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी शीघ्र करवा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रदान किया गया बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स अवार्ड

भोपाल,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को एसीईएस अवार्ड-2025 के अंतर्गत बेस्ट स्टेट फॉर प्रमोशन ऑफ स्पोर्ट्स का अवार्ड प्रदान किया गया। खेल पत्रिका स्पोर्ट्स स्टार की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को यह पुरस्कार पत्रिका के संपादक वी.वी. राजशेखर राव तथा नेशनल हेड सतीश मेंडन ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहन के लिए ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक प्रयास किए जा रहे हैं। सभी विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक स्टेडियम स्थापित करने के लिए कार्य जारी है। महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में स्पोर्ट्स टीचर्स को महत्वपूर्ण दायित्व देने की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है।

स्पोर्ट्स स्टार के संपादक वी.वी. राजशेखर राव ने बताया कि प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध कराई गई अधोसंरचना, प्रशिक्षण व्यवस्था और परम्परागत खेलों को प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए कार्यों तथा आवश्यकता के अनुरूप खेल नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से ही प्रदेश को ओलम्पिक, पैरा ओलम्पिक, एशियन गेम्स और राष्ट्रीय खेलों में अनेक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं।

प्रदेश में लगेंगे किसान मेले: मुख्यमंत्री

किसानों को कृषि और सम्बद्ध कार्यों के लिए मिलेगा मार्गदर्शन

कृषि उपकरणों की लगेगी प्रदर्शनी

मंदसौर में 3 मई को लगेगा कृषि मेला

मुख्यमंत्री से की भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट

भोपाल ,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी संभागों में इस वर्ष किसान मेले आयोजित होंगे जिसमें किसानों को कृषि, खाद्य प्र-संस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित विभिन्न कार्य पद्धतियों और नए अनुसंधान की जानकारी दी जाएगी। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से संबंधित मार्गदर्शन दिया जाएगा। कृषि कार्यों से जु? आधुनिक उपकरणों को प्रदर्शित भी किया जाएगा। आगामी 3 मई को मंदसौर में किसान मेले का आयोजन जा रहा है। संभाग स्तरीय किसान मेलों के बाद अक्टूबर माह में एक वृहद राज्य स्तरीय किसान मेला भी आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर भारतीय किसान संघ ने प्रदेश में किसानों को 5 रुपए के शुल्क पर विद्युत कनेक्शन और फसलों पर बोनस राशि प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने का अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में एक वर्ष में दस लाख सौर ऊर्जा पम्प प्रदान करने का लक्ष्य है। यह कार्य अभियान के रूप में चलेगा। एक हॉर्स पॉवर से दस हॉर्स पॉवर तक सोलर पम्प स्थापना के लिए किसान को राशि जमा करवाकर निर्धारित अवधि में कनेक्शन दिए जाएंगे। प्रदेश में किसान खुद बिजली बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मजरों टोलों के निवासी जनजातीय वर्ग के लोगों को इस कार्य में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में गत तीन दिन में सोलर पम्प स्थापना के लिए लगभग 17 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

सुझावों पर करेंगे अमल-मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि कृषक प्रतिनिधियों के सुझावों पर राज्य सरकार अमल करेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश में गठित एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) को सक्रिय करने,किसानों द्वारा नरवाई जलाने को निरूत्साहित करने और रासायनिक खाद के उपयोग को कम करने के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में ब?ी परियोजनाओं के लिए किसानों की भूमि लेने पर बदले में भूमि देने के प्रावधान, किसान को हिस्सेदार और मालिक बनाकर उनका हित सुनिश्चित करने, दूध पर बोनस, कम पानी से सिंचाई से मक्का उत्पादन को प्रोत्साहित करने, गौशालाओं के अंतर्गत आधुनिक तकनीक से संचालन, उच्च शिक्षा में कृषि विषय के अध्ययन और जिलों में पर्याप्त पशु चिकित्सकों की व्यवस्था के संबंध में चर्चा हुई।

बैठक में कमल सिंह आंजना,चंद्रकांत गौर, राम भरोसे बासोतिया, श्रीमती गिरजा ठाकुर, राजेन्द्र पालीवाल आदि शामिल थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय कुमार शुक्ला, कृषि सचिव एम सेलवेंद्रन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज

इस बार, बिहार में बदलाव निश्चित: खड़गे

-खरगे-राहुल से मिले तेजस्वी यादव

-दो दिन बाद फिर पटना में होगी बैठक

नई दिल्ली,देशबन्धु। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और इसको लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गठबंधन की मजबूती तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा की। खरगे ने बैठक के बाद कहा कि इस बार बिहार में बदलाव निश्चित है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस तथा राजद नेताओं की बैठक हुई और दो दिन बाद फिर पटना में बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में प्रदेश के स्तर के नेताओं के साथ राजद नेताओं की बैठक होने की बात कही जा रही है जिसमें राजनीतिक माहौल तथा जीतने वाली सीटों के आकलन को लेकर चर्चा हो सकती है।

श्री यादव ने सुबह पटना से दिल्ली पहुंचते ही सीधे श्री खरगे के आवास 10 राजाजी मार्ग का रुख किया। इस मौके पर श्री खरगे तथा श्री गांधी के अलावा कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार, राजद के राज्यसभा सदस्य मनोज झा तथा सांसद संजय यादव आदि नेता मौजूद थे।

बैठक के बाद श्री खरगे ने कहा, इस बार, बिहार में बदलाव निश्चित है। आज हमने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाक़ात कर, महागठबंधन की मजबूती पर चर्चा की। आने वाले चुनाव में बिहार की जनता को हम एक सशक्त, सकारात्मक, न्यायप्रिय तथा कल्याणकारी विकल्प देंगे। भाजपा और उसके अवसरवादी ठगबंधन से बिहार को मुक्ति मिलेगी। युवा, किसान, मज़दूर, महिलाएँ, समाज के पिछड़े, अति पिछड़े व अन्य सभी वर्ग के लोग महागठबंधन की सरकार चाहते हैं। बाद में श्री अल्लावरु ने कहा, आज हमारी बैठक की शुरुआत थी और अब 17 अप्रैल को पटना में दूसरी बैठक होगी। उस बैठक में सारे दलों से मिलकर, एक आम सहमति बनाकर और मजबूत रणनीति के साथ हम आगे बढ़ेंगे।

बिहार में इंडिया गठबंधन की बनेगी सरकार: तेजस्वी

बैठक के बाद राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में 'महागठबंधन' के घटक दल बातचीत करके मुख्यमंत्री पद के चेहरे के बारे में फैसला कर लेंगे। उन्होंने यह दावा भी किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारतीय जनता पार्टी ने 'हाईजैक' कर (बंधक बना) लिया है और इस बार राज्य में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन की सरकार बनेगी।

सर्वसम्मति से पार्टी अध्यक्ष चुने गए हेमंत

जेएमएम में हेमंत युग की शुरुआत

रांची, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत स्टेडियम में पार्टी के 13वें केंद्रीय महाधिवेशन में करीब चार हजार प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से उन्हें पार्टी का नया प्रमुख चुना गया। पूरे 38 वर्ष तक पार्टी के अध्यक्ष रहे शिबू सोरेन उर्फ गुरुजी अब पार्टी के संस्थापक संरक्षक होंगे। हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधानसभा सीट की विधायक कल्पना सोरेन जेएमएम की केंद्रीय समिति की सक्रिय सदस्य बनाई गई हैं। केंद्रीय समिति में कुल 289 लोगों को शामिल किया गया है। हेमंत सोरेन वर्ष 2015 में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए थे। महाधिवेशन में पार्टी ने अपने संविधान में संशोधन पारित कर कार्यकारी अध्यक्ष का पद विलोपित कर दिया है। इसके बाद 38 साल तक पार्टी के अध्यक्ष रहे शिबू सोरेन ने स्वयं हेमंत सोरेन को नया अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने ध्वनिमत से सहमति दी। शिबू सोरेन पिछले कुछ वर्षों से अस्वस्थ चल रहे हैं। उनके पुत्र हेमंत सोरेन उन्हें उनके आवास से खुद व्हीलचेयर पर लेकर महाधिवेशन स्थल पर पहुंचे। एक दशक से व्यावहारिक तौर पर पार्टी की कमान हेमंत सोरेन के हाथ में ही है।

1972 में बनी थी पार्टी

उनके नेतृत्व में महागठबंधन (झामुमो, कांग्रेस, राजद और भाकपा माले) ने वर्ष 2019 और 2024 के विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज कर झारखंड में सरकार बनाई। अब वह औपचारिक तौर पर पार्टी के प्रमुख बन गए हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना 1972 में हुई थी और पार्टी का पहला महाधिवेशन 1983 में धनबाद में आयोजित हुआ था।

अपने अधिकार बढ़ाने के लिए बिल लाएगी स्टालिन सरकार

तमिलनाडु सरकार ने तीन सदस्यीय कमेटी बनाई

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य के अधिकारों को बढ़ाने के लिए मंगलवार को एक उच्च स्तरीकय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस कुरियन जोसेफ करेंगे। इस समिति को उन मामलों को फिर से स्टेट लिस्ट में लाने की सिफारिश करने का भी काम सौंपा है, जो पहले राज्य सरकार देखती थी, लेकिन अब केंद्र और राज्य सरकार दोनों के अधीन है। समिति में पूर्व अधिकारी अशोक शेट्टी और एमयू नागराजन भी शामिल होंगे। इस समिति की अंतरिम रिपोर्ट जनवरी 2026 तक और अंतिम रिपोर्ट 2028 तक पेश की जानी है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने विधानसभा में कहा कि इसका मकसद तमिलनाडु सहित सभी राज्यों के अधिकारों की रक्षा करना और केंद्र सरकार के साथ बेहतर संबंध बनाना है।

विधानसभा से विपक्ष का वॉकआउट

सीएम स्टालिन के संबोधन के दौरान विपक्ष ने विधानसभा से वॉकआउट किया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री दोहरी भाषा बोल रहे हैं। एआईडीएमके विधायक आरबी उदयकुमार ने कहा कि सीएम के 110वें भाषण के बाद भी स्पीकर ने हमें बोलने का मौका नहीं दिया, जो लोकतंत्र के खिलाफ है।

दो हार्डकोर माओवादी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

लातेहार। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के दो हार्डकोर नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड के लातेहार जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों में अमरजीत बिरजिया और मिथिलेश कोरबा शामिल हैं। दोनों पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रहने वाले हैं।

मालगाड़ी के 3 डिब्बे क्षतिग्रस्त

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी में सोमवार सुबह एक मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह हादसा बेलगावी रेलवे स्टेशन से मात्र आधा किलोमीटर की दूरी पर हुआ, जब मालगाड़ी बेलगावी से हुबली की ओर जा रही थी। उसी समय यह घटना हुई। बताया जा रहा है कि चलती हुई ट्रेन के तीन डिब्बे अचानक पटरी से उतर गए।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भूखण्ड लीज नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमाक जूनियर एच.आई.जी. 38 श्रीमती आशा माथुर पति/पिता श्री कमलेश कुमार माथुर के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 29.03.2014 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन क्रमाक जूनियर एच.आई जी.-38 श्रीमती आशा माथुर पति / पिता श्री कमलेश कुमार माथुर ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 07.04.2025 के माध्यम से श्रीमति अंशु मिश्रा पति/पिता श्री योगेश मिश्रा को विक्रय किया है। श्रीमति अंशु मिश्रा पति/पिता श्री योगेश मिश्रा द्वारा उक्त भवन कमांक जूनियर एच.आई.जी.-38 उनके नाम लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु दस्तावेज/ आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण / नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत हस्तांतरण / नामाकरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/दावा मान्य नहीं होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यू आनंद नगर जबलपुर में भवन क्रमांक आर.-27 श्री मिर्जा मोहम्मद हामिद बेग पिता श्री मिर्जा अहमद बेग के नाम आवंटित है. जिसका विक्रय विलेख दिनांक 03.10.2019 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री मिर्जा मोहम्मद हामिद बेग पिता श्री मिर्जा अहमद बेग ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 20.09.2024 के माध्यम से श्री साजिद हुसेन सिद्दीकी पिता श्री शराफत हुसेन सिद्दीकी को विक्रय किया है। श्री साजिद हुसेन सिद्दीकी पिता श्री शराफत हुसेन सिद्दीकी द्वारा उक्त भवन अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/ भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो ता इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार द्वारा अधिकृत होकर एवं निर्देशानुसार खासो आम को सूचित करता हूँ कि श्रीमति सरला पाण्डेय पति दशरथ प्रसाद पाण्डेय पता-एल.आई.जी. धनवंतरी नगर जबलपुर वालों की सम्पत्ति मौजा पुरवा नं.बं.162 प.ह.नं. ओल्ड 28/33 नया 7, रा.नि.मं. नया पुरवा तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर, महाराणा प्रताप वार्ड 16 मुख्य मार्ग से अंदर महावीर नगर, जबलपुर खसरा नं. 210/2/11 कुल रकवा 0.403 हेक्टे. में से क्रय रकवा 220 वर्गफुट (20.44 वर्गमीटर) की एक दुकान मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कर, निकट भविष्य में उक्त प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री होने जा रही है। अतएव उपरोक्त सम्पत्ति के बावत कोई पारिवारिक दावा, व्यक्ति, फर्म, वित्तीय संस्था शासकीय या अर्धशासकीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय मूल दस्तावेजों के सूचना प्रकाशन दिनांक से सात दिनों के अंदर मेरे कार्यालय कार्यालयीन समय पर आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि के उपरांत कोई दावा, आपत्ति मान्य नहीं होगी।

दिनांक 15.04.2025

आनंद नेमा (अधिवक्ता)
1736/180-ए गेट नं.4
राईट टाउन, जबलपुर
मो.नं. 7509325546, 6260669633

र.नं. 134

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

नाम परिवर्तन

मैं प्रियंका विश्वकर्मा जन्मतिथी 05/11/1989 वर्ष पति सौरभ विश्वकर्मा निवासी 220, गढ़ा रोड, कमला नेहरू नगर वार्ड, चेतराम की मढ़िया, जबलपुर म.प्र. को शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि - यह कि मैं उपरोक्त पते की निवासी हूँ। यह कि मुझ शपथकर्ती की समस्त अंक सूचियों में मेरा नाम मेहेर भानू प्रियंका दर्ज हैं। यह कि मुझे शपथकर्ता के पेन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र बैंक खाते, ड्रायविंग लायसैंस में मेरा नाम प्रियंका विश्वकर्मा दर्ज हैं। यह कि प्रियंका विश्वकर्मा एवं मेहेर भानू प्रियंका दोनो नाम मुझ शपथकर्ता के है, तथा दोनो नामो की मैं एक ही महिला हूँ। अत: आगे से सभी सरकारी एवं गैर सरकारी दस्तावेजो में मुझे प्रियंका विश्वकर्मा के नाम से जाना एवं पहचाना जावे उपरोक्त जानकारी हेतु यह शपथ-पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ।

प्रियंका विश्वकर्मा

TIMES

CHANGE OF NAME & DOB

I, PARIHAR SAVITRI LOKSINGH is legally MOTHER of Army No-15722482Y Rank- Sigmn Name-PARIHAR RAMPALSINGH LOKSINGH Unit- CIF HQ (K) SIG REGT (Corps of Signal) Home Address Vil- B1\124 SUR SAGAR NIKOL CO OP HOUSING SOCIETY Post- NIKOL Teh- AHMEDABAD Dist- AHMEDABAD State-GUJARAT Pin- 382350., I, have changed my name PARIHAR SAVITRI LOKSINGH to PARIHAR SATADEVI LOKAMSINH and date of birth 17/04/1963 to 01/01/1953 Vide Affidavit No. before Notary, Jabalpur M.P.

INCORRECT NAME
PARIHAR SAVITRI LOKSINGH
INCORRECT DOB - 17/04/1963
CORRECT NAME
PARIHAR SATADEVI LOKAMSINH
CORRECT DOB - 01/01/1953

नाम परिवर्तन सूचना

मैं हरिगोविंद पिता श्री रघुनाथ उम्र 39 वर्ष सा. म.नं. 47 माता मोहल्ला मरसघाना तह. पिपरिया जिला होशंगाबाद म.प्र. का निवासी हूं। मेरा पुत्र अयांश रघुवंशी (AYANSH RAGHUWANSHI) का जन्म दिनांक 25/01/2022 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पनागर में हुआ था। जिनकी माता का नाम अलका रघुवंशी (ALKA RAGHUWANSHI) एवं पिता का नाम हरिगोविंद (HARIGOVIND) है। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र पर भूलवश पिता का नाम हरगोविंद रघुवंशी दर्ज हो गया जो कि गलत है। जबकि सही नाम हरिगोविंद है। जो कि सही व सत्य है तथा दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। जिसे सुधार करें किसी प्रकार की असत्य जानकारी/ कथन का मैं स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।

हरिगोविंद पिता रघुनाथ
तह. पिपरिया होशंगाबाद म.प्र.

र.नं. 135

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

प्रकरण क्रमांक/0022/अ-6/2025-26

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि ...

जारी दिनांक- 09/04/2025
पेशी दिनांक- 20/04/2025

अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर जबलपुर

र.नं. 122

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील अधारताल, जिला जबलपुर

रा.प्र.क्रं/ /अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक 18/03/2025

आम इश्तहार

...

जारी दिनांक-18/03/2025
पेशी दिनांक-03/04/2025

अतिरिक्त तहसीलदार अधारताल जबलपुर

र.नं. 125

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गोरखपुर जबलपुर

प्रकरण क्रमांक/0073/अ-6/2025-26

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि ...

जारी दिनांक- 15/04/2025
पेशी दिनांक- 29/04/2025

अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोरखपुर जबलपुर

र.नं. 123

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्रं.-07 अधारताल जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 09
2025-2026 दिनांक 15/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि ...

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

र.नं. 133

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्रं.-07 अधारताल जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 08
2025-2026 दिनांक 15/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि ...

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

र.नं. 133

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/
दिनांक 15/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ...

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

र.नं. 133

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर

आम इश्तहार

...

जारी दिनांक : 15/04/25
पेशी दिनांक : 30/04/25

तहसीलदार, अधारताल जबलपुर

र.नं.- 137

(विक्रय पत्र) न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर

आम इश्तहार

...

जारी दिनांक : 15/04/25
पेशी दिनांक : 29/04/25

तहसीलदार, अधारताल जबलपुर

र.नं.- 136

न्यायालय नायब तहसीलदार अधारताल जबलपुर

आम इश्तहार

...

जारी दिनांक 9.4.25
पेशी दिनांक 21.4.25

नायब तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

र.नं. 124

न्यायालय नायब तहसीलदार अधारताल जबलपुर

आम इश्तहार

...

जारी दिनांक 11.4.25
पेशी दिनांक 21.4.25

नायब तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर

र.नं. 127

कार्यालय संभागीय अधिकारी सभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.-/स. अधि./सं.क्र. 5/2025-26/02 दिनांक 15/04/2025

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, ...

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5,नगर निगम जबलपुर

र.नं. 131

कार्यालय संभागीय अधिकारी सभाग क्रमांक 05, नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.-/स. अधि./सं.क्र. 5/2025-26/01 दिनांक 15/04/2025

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, ...

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5,नगर निगम जबलपुर

र.नं. 131

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र.- सं.क्र.11/19-20/
दिनांक 15/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ...

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

र.नं. 133

जबलपुर, बुधवार 16 अप्रैल 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्या हम बहुसंख्यक तानाशाही के दौर में प्रवेश कर चुके हैं ?

महज तीन साल पुरानी बात है जब बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय प्रमुख ने अपने अधीन समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र में छात्रों को गाय के गोबर के उपले बनाने का प्रशिक्षण देने के लिये कार्यशाला आयोजित की और खुद ही उसका वीडियो वायरल किया। इससे घटना से कुछ ही दिनों पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वाधिक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से एक हंसराज कॉलेज में महर्षि दयानन्द सरस्वती के नाम पर गौ संवर्धन एवं अनुसंधान केंद्र खोलने की खबर आई थी और इससे भी कुछ बरस पहले मध्यप्रदेश में एक संघनिष्ठ कुलपति ने शहर के बाहर बनने वाले विश्वविद्यालय के नये परिसर में गौशाला स्थापित करने का निर्णय कर लिया था। उन्होंने महापरिषद और प्रबंध समिति की मंजूरी के बिना गौशाला के संचालन के लिए अख़बारों में निविदा विज्ञप्ति तक जारी कर दी थी, ये बात और है कि उस फ़ैसले पर अमल नहीं किया जा सका।

ये बातें याद इसलिये आईं कि सोशल मीडिया पर फिर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक महिला किसी कक्षा की दीवार पर गोबर लीप रही है। बताया गया कि ये मोहतरमा दिल्ली के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्य प्रत्यूष वत्सला हैं। वे संस्थान परिसर में गाय पालती हैं और अभी हनुमान जयंती पर कॉलेज में सुंदरकांड का पाठ भी उन्होंने करवाया। इतना ही नहीं, नवरात्र के दौरान वे कॉलेज में दुर्गा स्थापना भी करवाती हैं। किसी उच्च शिक्षा संस्थान में धार्मिक कर्मकांड का यह अकेला मामला नहीं है। हाल ही में उत्तर प्रदेश के एक विश्वविद्यालय में, नये विभागाध्यक्ष ने पदभार ग्रहण करने से पहले पूजा-पाठ करवाया। दूसरी तरफ तमिलनाडु के राज्यपाल ने संविधान और अपने पद की गरिमा के खिलाफ़ जाकर मदुरै के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों से जय श्रीराम का नारा लगवा दिया।

इन घटनाओं के बरक्स मेरठ, भागलपुर और शिमला में जो हुआ, उसे देखा जाना चाहिये। मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग द्वारा पिछले दिनों ईद मिलन समारोह आयोजित किया जाना था। इसका पता चलते ही एक छात्र नेता ने धमकी दी कि शिक्षा के मंदिर में किसी तरह के भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाना चाहिये और अगर विश्वविद्यालय परिसर में ईद मिलन का कार्यक्रम आयोजित होता है तो फिर वह खुद विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर हनुमान चालीसा का पाठ करेगा। इस धमकी का नतीजा यह हुआ कि ईद मिलन का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। भागलपुर के टीएनबी कॉलेज में शिक्षक संघ ने ईद मिलन समारोह का आयोजन किया तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आपत्ति जताई और कहा कि नवदुर्गा के समय कॉलेज प्रशासन ने गरबा के लिये जगह नहीं दी थी, इसलिये कॉलेज में ईद मिलन भी नहीं होना चाहिये।

शिमला के एक निजी स्कूल में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के छात्रों के लिए ईद मनाने का कार्यक्रम तय किया था और इसके लिये छात्रों को कुर्ता-पायजामा, टोपी पहनकर आने और टिफिन में सेवइयां लाने को कहा गया था। स्कूल प्रशासन के इस निर्देश पर हिंदू संगठनों ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने इसे हिंदू संस्कृति के खिलाफ़ साजिश बताया और कहा कि यह भारत के संविधान के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के विरुद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्कूल ने अपना निर्देश वापस नहीं लिया गया तो स्कूल का घेराव किया जायेगा और कानूनी कार्रवाई भी की जायेगी। मजबूर स्कूल प्रबंधन ने ईद मनाने का कार्यक्रम को रद्द कर दिया। हालांकि उसने साफ़ किया कि यह आयोजन केवल सांस्कृतिक विविधता को समझाने और छात्रों को विभिन्न त्योहारों से परिचित कराने के उद्देश्य से किया जा रहा था।

क्या यह हास्यास्पद नहीं है कि किसी शैक्षणिक परिसर में पूजा-पाठ, यज्ञ-हवन होने, धार्मिक ग्रंथों का पाठ करने, दुर्गोत्सव और गणेशोत्सव मनाने जैसे क्रियाकलाप हों तब किसी को याद नहीं आता कि कोई एक नहीं, बल्कि सारे ही शिक्षा संस्थान, शिक्षा के मंदिर हैं। संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा छात्रों से जय श्रीराम के नारे लगवाने पर किसी को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का ख्याल नहीं आता। लेकिन अगर कोई आयोजन दूसरे धर्म से जुड़ा हो और उससे सांप्रदायिक सद्‌भाव बढ़ता हो तो बहुसंख्यकों को तुरंत अपना धर्म खतरे में नज़र आने लगता है। क्या इसके मायने ये हैं कि बहुसंख्यक मनमानी करें तो जायज है और अल्पसंख्यक अगर अपनी खुशियां भी बांटना चाहे तो बेजा हरकत! और क्या बच्चों को सर्वधर्म समभाव की सीख देना भी गुनाह हो गया है!

इन सब बातों से सवाल उठता है कि हमारे देश में लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता अभी भी ज़िंदा हैं या हम बहुसंख्यक तानाशाही के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। अभी तक हमने दुनिया के कई मुल्कों में में और थोड़ी-बहुत अपने यहां भी, सत्ता की तानाशाही देखी है लेकिन अब समाज में इस प्रवृत्ति को पनपते देखना दुखद है।

अपनी बेअदबी आमंत्रित करने वाले मोदी पहले प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनके साथ किसी भी विपक्ष शासित राज्य के मुख्यमंत्री के रिश्ते सामान्य नहीं है। प्रधानमंत्री और विपक्षी मुख्यमंत्रियों के बीच टकराव के चलते कई बार दोनों तरफ से सामान्य शिष्टाचार भी नहीं निभाया जाता है। पिछले 10 वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं जब प्रधानमंत्री की ओर बुलाई गई मुख्यमंत्रियों की बैठक का विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने बहिष्कार किया है। ऐसा भी कई बार हुआ है कि जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए तो वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की और प्रधानमंत्री के साथ सरकारी कार्यक्रम से भी दूरी बना कर रखी। हाल ही में प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा के दौरान भी ऐसा ही हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी महीने की 6 तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे थे, जहां राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन न तो उनकी अगवानी करने पहुंचे और न ही उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ पम्बन रेलवे ब्रिज के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत की। इसकी प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाषा के सवाल पर मुख्यमंत्री स्टालिन का अशोभनीय मजाक उड़ाया, जिससे केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति, त्रिभाषा फॉर्मूला, परिसीमन जैसे मुद्दों पर जारी टकराव नए स्तर पर पहुंच गया।

मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया। उन्होंने मुख्यमंत्री का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा और कहा कि उनके पास तमिलनाडु के नेताओं के पत्र आते हैं लेकिन उन पर दस्तखत तमिल में नहीं होते हैं। मोदी ने तंज करते हुए कहा कि 'तमिल गौरव' बना रहे, इसके लिए कम से कम तमिल में दस्तखत करना तो शुरू करें।

सवाल है कि क्या देश के प्रधानमंत्री को ऐसी बातें करनी शोभा देती हैं? वे खुद भाषाई आधार पर बने एक राज्य से आते हैं लेकिन क्या गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए गुजराती भाषा का गौरव बढ़ाने के लिए उन्होंने कभी गुजराती में दस्तखत किए? प्रधानमंत्री ने स्टालिन को चिढ़ाने के लिए उन्हें मेडिकल की पढ़ाई तमिल में कराने की कटाक्ष भरी नसीहत भी दी। सवाल है कि सारे देश में हिंदी को प्रमुखता दिलाने में लगी मोदी सरकार मेडिकल और इंजीनियरिंग का एक भी बैच हिंदी में पढ़ाकर निकाल सकती है?

बहरहाल, यह पहला मौका नहीं था जब प्रधानमंत्री किसी विपक्ष शासित राज्य के दौरे पर गए और वहां के मुख्यमंत्री ने उनकी अगवानी नहीं की या उनके सरकारी कार्यक्रम से अपने को दूर रखा। हाल के वर्षों में ऐसे कई मौके आए हैं। साल 2022 में तेलंगाना में दो बार ऐसा हुआ जब प्रधानमंत्री के दौरे से तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने को दूर रखा। उसी साल प्रधानमंत्री दो बार महाराष्ट्र के दौरे पर गए लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उनकी अगवानी नहीं की।

अनिल जैन

> मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रधानमंत्री की अगवानी नहीं करने और उनके साथ सरकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने को निश्चित ही उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री ने जो किया उसे भी सही नहीं ठहराया जाएगा। उन्होंने राज्य के लोगों की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए भाषा के सवाल पर स्टालिन का मजाक उड़ाया।

उसी साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री पंजाब के बठिंडा पहुंचे थे तो वहां भी उनकी अगवानी के लिए सूबे के तत्कालीन मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी मौजूद नहीं थे। उससे पहले पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही हुआ था, जब प्रधानमंत्री चक्रवाती तूफान का जायजा लेने बंगाल पहुंचे थे तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनके साथ समीक्षा बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। मोदी से उनके संबंधों की यह तल्खी साल 2002 में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में भी देखी गई थी। ममता बनर्जी के भाषण के दौरान प्रधानमंत्री की मौजूदगी में 'जय श्रीराम' के नारे लगे थे, जिससे नाराज होकर वे अपना भाषण पूरा किए बगैर ही कार्यक्रम छोड़ कर चली गई थीं। इसी तरह 2021 में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान प्रधानमंत्री ने कई मुख्यमंत्रियों को फोन किया था। उसी सिलसिले में उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टेलीफोन किया था तो उसके बाद मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा था कि प्रधानमंत्री सिर्फ अपने मन की बात करते हैं, बेहतर होता कि वे काम की बात करते और काम की बात सुनते। यही शिकायत करते हुए छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी कहा था कि प्रधानमंत्री के साथ मुख्यमंत्रियों की जो बैठकें होती हैं, उनमें सिर्फ वन-वे होता है। प्रधानमंत्री सिर्फ अपनी बात कहते हैं, मुख्यमंत्रियों की बात का कोई जवाब नहीं मिलता। इन सब वाकयों के और पीछे जाएं तो साल 2015 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री को 'कायर' और 'मनोरोगी' तक कह दिया था।

ये कुछ प्रतिनिधि घटनाएं हैं जिनसे प्रधानमंत्री पद की प्रतिष्ठा और सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार को लेकर कुछ गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सवाल है कि आखिर पिछले दस सालों में ऐसा क्या हुआ है कि पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण चारों दिशाओं में विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्री देश के प्रधानमंत्री के प्रति ऐसी उपेक्षा या बेअदबी भरा बर्ताव करते आ रहे हैं? केंद्र और राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारें पहले भी रही हैं, लेकिन किसी प्रधानमंत्री के साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

तो सवाल यह उठता है कि अभी जो हो रहा है, क्या उसे भाजपा विरोधी पार्टियों की राजनीतिक असहिष्णुता या दुराग्रह मानकर खारिज किया जा सकता है या इसके कुछ गंभीर कारण हैं, जिनकी पड़ताल और निराकरण होना चाहिए? असल में प्रधानमंत्री के प्रति देश के अलग-अलग राज्यों में उभर रही इस किस्म की प्रवृत्ति को गंभीरता से समझने की जरूरत है।

सबसे पहले इस तथ्य को रेखांकित करने की जरूरत है कि प्रधानमंत्री के प्रति बेअदबी की लगभग सारी घटनाएं मोदी के साथ ही हुई हैं। उससे पहले राजनीतिक विरोध के बावजूद सामान्य शिष्टाचार था और उसका सार्वजनिक प्रदर्शन भी होता था। हालांकि बेअदबी के बीज पड़ने शुरू हो गए थे, जो नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद फल के रूप में दिखने लगे।

विरोधी दलों और उनके नेताओं के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की अपमानजनक बातें शुरू में जरूर अटपटी लगी थीं। चूंकि भाजपा और मोदी ने काफी बड़ी जीत हासिल की थी, इसलिए विपक्षी नेताओं ने यह सोचकर बर्दाश्त किया कि जीत की खुमारी उतर जाने पर प्रधानमंत्री राजनीतिक विमर्श में सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार और भाषायी शालीनता का पालन करने लगेंगे, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ और लगने लगा कि यही मोदी की स्वाभाविक राजनीतिक शैली है और वे बदलने वाले नहीं हैं, तब विपक्षी नेताओं के सब्र का बांध टूटा और उसमें राजनीतिक शालीनता और मर्यादा बहती गई।

देश में शायद ही कोई ऐसा विपक्षी मुख्यमंत्री या नेता होगा, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से अपमानजनक बातें या गाली-गलौज नहीं की होगी। मोदी उन्हें चोर, भ्रष्ट, परिवारवादी, लुटेरा, नक्सली, आतंकवादियों का समर्थक और देशद्रोही तक करार देने में संकोच नहीं करते हैं। इस सिलसिले में वे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्रियों और विपक्ष की महिला नेताओं को भी नहीं बख्शते और उनके लिए बेहद अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। मोदी ने यह सिलसिला सिर्फ चुनावी सभाओं तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि संसद में, संसद के बाहर विभिन्न मंचों पर और विदेशों में भी वे विपक्षी नेताओं पर निजी हमले करने से नहीं चूकते। फिर विपक्ष शासित राज्यों के प्रति उनकी सरकार के भेदभावपूर्ण व्यवहार और राज्यपालों की बेजा हरकतों ने भी केंद्र और राज्यों के बीच खटास पैदा की है। केंद्र सरकार की मनमानियों और विपक्षी नेताओं के प्रति अपमानजनक बर्ताव का नतीजा है कि आज केंद्र-राज्य संबंध किसी भी समय के मुकाबले सबसे बदतर स्थिति में हैं। प्रधानमंत्री ने तमाम विपक्षी दलों को अपने और देश के दुश्मन के तौर पर प्रचारित कर उन्हें खत्म करने का खुला ऐलान किया है। वे हर जगह डबल इंजन की सरकार का ऐसा प्रचार करते हैं, जैसे विपक्ष की सारी सरकारें जनविरोधी, देश विरोधी और विकास विरोधी हैं। प्रधानमंत्री की इस राजनीति ने विपक्षी पार्टियों को सोचने के लिए मजबूर किया। इसलिए आज अगर प्रधानमंत्री पद की गरिमा पैंदे में बैठ रही है और उनकी बेअदबी हो रही है तो इसके लिए प्रधानमंत्री का अंदाज-ए-हुकूमत और अंदाज-ए-सियासत ही जिम्मेदार है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

समय से पहले आई खूबसूरती से क्यों भयभीत हैं पहाड़ के लोग

■ **संजीव शर्मा**

हिमाचल प्रदेश या पूरे हिमालय क्षेत्र में सौंदर्य के प्रतीक से इन दिनों क्यों भयभीत है लोग? क्यों उन्हें यह सुंदरता रास नहीं आ रही? खूबसूरती से क्यों नाखुश है पर्वतीय इलाकों के रहवासी और प्राकृतिक सौंदर्य के उपासक क्यों नहीं चाहते असमय प्रकृति की नेमत? ये ऐसे कुछ सवाल हैं जिनके जवाब हमें केवल पर्वतीय इलाकों के जानकार ही दे सकते हैं। आखिर, कोई तो बात होगी जिसके फलस्वरूप यहां के लोगों को प्राकृतिक सुंदरता रास नहीं आ रही?

हम बात कर रहे हैं कि पर्वतीय राज्यों के एक सुंदर वरदान की जिसका नाम है – बुरांश। बुरांश का पेड़ और इसके फूल हिमाचल सहित देश के तमाम पर्वतीय राज्यों के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक संस्कारों से जुड़े हैं। बुरांश न केवल खूबसूरत है बल्कि सेहत की अनेक नेमतों से परिपूर्ण भी है। यह अर्थव्यवस्था का भी एक अनिवार्य हिस्सा है। बुरांश के महत्व को इस बात से समझा जा सकता है कि आईआईटी मंडी और इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नालॉजी (आईसीजीईबी) के शोधकर्ताओं ने बुरांश की पंखुड़ियों में मौजूद फाइटोकेमिकल्स की पहचान की है जो कोविड-19 वायरस को रोक सकते हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि बुरांश के फूल में एंटीवायरल के गुण होते हैं, जो सार्स-सीओवी 2 से संक्रमित कोशिकाओं के इलाज में मदद कर सकते हैं। कुछ शोधों में यह भी पाया गया है कि बुरांश के रस का सेवन दिल और लिवर के लिए फ़ायदेमंद हो सकता है। लेकिन हिमालय को मिला प्रकृति का यही उपहार यहां खतरे का संकेत दे रहा है। पिछले कुछ सालों से यह फूल समय से पहले खिलने लगा है और यही पर्वतीय लोगों के साथ-साथ वैज्ञानिकों के लिए भी चिंता का सबब है। बुरांश का समय से पहले खिलना बर्फबारी कम होने का संकेत है और कम वर्षा का भी। शिमला या इस जैसे तमाम पर्यटन स्थलों का सौंदर्य और आर्थिक प्रगति वहां होने वाले हिमपात पर निर्भर है। बीते कुछ सालों में न केवल शिमला सहित अधिकतर पर्वतीय इलाकों की सर्दी कम हुई है बल्कि बर्फबारी के दिन भी कम होते जा रहे हैं। पहले शिमला शहर में ही जमकर बर्फ गिरती थी लेकिन अब बर्फबारी कुफरी, ठियोग और नारकंडा की ओर खिसकते जा रही है। इससे पर्यटन पर भी असर पड़ रहा है। इस समस्या को विकराल बनाने में पहाड़ों का सीना चीरकर दौड़ रहे हज़ारों वाहनों ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस सबसे, मौसम बदल रहा है और इसलिए बुरांश भी समय से पहले खिलने लगा है। 'डाउन टू अर्थ' पत्रिका में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक तापमान, वर्षा और बर्फ़बारी में आए बदलावों के प्रति बुरांश की संवेदनशीलता और प्रतिक्रियाओं ने चिंता बढ़ा दी है। फूलों के खिलने के समय में बदलाव के लिए काफ़ी हद तक बढ़ते हुए वैश्विक तापमान को ज़िम्मेदार माना जा रहा है। इसके फलस्वरूप बदल रहे मौसम के तेवरों का नुकसान बुरांश के फूलों को उठाना पड़ रहा है। मसलन बारिश की कमी के कारण इनमें रसीलेपन का अभाव हो जाता है। बुरांश के फूलों के फूलने की प्रक्रिया को समझे तो सामान्य रूप से जनवरी से फरवरी माह में वे कलियों के रूप में रहते हैं। चूंकि उस समय तापमान बहुत कम होता है और बहुत कम तापमान में कलियां खराब न हो जाए, इसके लिए प्राकृतिक तौर पर पंखुड़ियां सुरक्षा घेरे के रूप में कलियों को बाहर से ढंके रहती हैं। वे तभी हटती हैं, जब तापमान 20 से 25 डिग्री पर पहुंच जाता है। अनुकूल तापमान पाकर पेड़ का आंतरिक सूचना तंत्र (डीएनए) कोशिकाओं को संकेत भेजता है और फूलों के फूलने की प्रक्रिया के लिए हार्मोन्स सक्रिय हो जाते हैं।

> अगर पहाड़ों का सौंदर्य, तापमान, वर्षीय, बर्फ, बुरांश और प्राकृतिक चक्र बनाए रखना है तो प्रकृति का संरक्षण करना होगा, अंधाधुंध फैलते कांक्रीट के जंगल की रफ्तार थामनी होगी और पहाड़ों को रौंदती मोटर गाड़ियों की संख्या को नियंत्रित करना होगा वरना पहाड़ और मैदान में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

यदि समय से पहले ही तापमान अधिक हो जाता है तो फूल के विकास पर असर पड़ता है और उसके रंग-रूप से लेकर आर्थिक और स्वास्थ्यप्रद गुणों पर भी असर पड़ता है। इसके अलावा, अगर ये फूल समय से पहले यानी सर्दियों के अंत में ही खिलने लगते हैं तो उस समय मधुमक्खियां या परागण करने वाले कीड़े सक्रिय नहीं होते इसलिए परागण पूरी तरह नहीं हो पाता, जिससे पौधों के बीज या फल विकसित नहीं हो पाते। तापमान में उतार-चढ़ाव से पहले से खिले फूल मुरझा जाते हैं या मर जाते हैं। बुरांश के फूलों के जल्दी खिलने का असर पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ता है।

दरअसल, बुरांश के फूलों पर कई पक्षी, कीड़े और अन्य जीव आश्रित होते हैं। यदि फूल समय से पहले या अनियमित रूप से खिलते हैं, तो यह खाद्य श्रृंखला गड़बड़ा जाती है। बुरांश के फूलों का उपयोग रस और शरबत आदि बनाने में होता है। अनियमित फूलों की वजह से इनमें रस कम बनता है और किसानों और स्थानीय लोगों की कमाई भी प्रभावित होती है। यही लोगों की चिंता का कारण है।

अब अगर पहाड़ों का सौंदर्य, तापमान, वर्षीय, बर्फ, बुरांश और प्राकृतिक चक्र बनाए रखना है तो प्रकृति का संरक्षण करना होगा, अंधाधुंध फैलते कांक्रीट के जंगल की रफ्तार थामनी होगी और पहाड़ों को रौंदती मोटर गाड़ियों की संख्या को नियंत्रित करना होगा वरना पहाड़ और मैदान में कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

(लेथक प्रसार भारती, भोपाल में क्षेत्रीय समाचार संपादक हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

आरक्षण आयोग की आवश्यकता

'विगत तीन-चार दशकों से जो आरक्षण नीति चली आ रही है, उसमें समय की वास्तविकताओं के साथ जो संशोधन होने चाहिए थे, उन्हें लागू करने से हमारे सत्ताधीश कतराते रहे हैं। इसमें बहुत सारे मुद्दे हैं। सबसे पहले तो इस वास्तविकता का संज्ञान लेना आवश्यक है कि देश में विकास योजनाओं के कारण बड़े पैमाने पर लगातार विस्थापन हो रहा है। एक समय था जब बड़े बांधों और कारखानों के लिए विस्थापन हुआ, जिससे प्रभावित होने वाली जनसंख्या मुख्यत- आदिवासियों की थी। चूंकि नेहरू युग में जनता के मन में एक विश्वास था इसलिए लोगों ने खुशी-खुशी अपनी जमीनें दे दीं, किंतु जिन नौकरशाहों पर मुआवजा और पुनर्वास की जिम्मेदारी थी, उसे उन्होंने ठीक से नहींनिभाया। आज भी ऐसे विस्थापित आदिवासी मिल जाएंगे जो 55-60 साल से खानाबदोश की जिंदगी जी रहे हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि एक चतुर, संपन्न तबके ने इन विकास योजनाओं का लाभ अपने लिए लेने में कोई कसर बाकी नहीं रखी।'

(देशबन्धु में 05 मई 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/05/blog-post_6.html

पावन प्रसंग

विनम्रता निर्बलता नहीं सफलता की प्रशस्ति का मार्ग

जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा। इसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी। कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता, संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए। अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे। निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है। जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैं। संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं। इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकालने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारूपन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहता है वही सफल होता है। मनुष्य को अपनी हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किसी भी परिस्थितियों से जूझने एवं टकराने की क्षमता रखता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ न हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है कि पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है।

– **संजीव ठाकुर**

आपके पत्र

जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

2025 बीजिंग इंडिया रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन भारत की ग्रामीण महिलाओं को असमान रूप से प्रभावित कर रहा है। सीमित संसाधनों, पारंपरिक सामाजिक भूमिकाओं और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों के चलते वे जलवायु जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। गर्मी, सूखा, और चरम मौसम उनके प्रजनन स्वास्थ्य, कृषि आधारित आजीविका, और नौकरी के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। आदिवासी और दलित महिलाओं को जाति आधारित बहिष्कार के कारण दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि प्रभावी जलवायु अनुकूलन के लिए लैंगिक-उत्तरदायी नीतियों, लिंग-विभाजित डेटा संग्रह, स्वास्थ्य अवसंरचना के सशक्तीकरण, और महिला नेतृत्व वाले स्थानीय निर्णय तंत्रों की आवश्यकता है। महिलाओं को न केवल पीड़ित के रूप में, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में भी पहचाना जाना चाहिए। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में लैंगिक दृष्टिकोण को मुख्यधारा में लाना न केवल सामाजिक न्याय को मजबूत करता है, बल्कि एसडीजी-13 (जलवायु कार्रवाई) और एसडीजी-5 (लैंगिक समानता) के लक्ष्यों को भी साधता है।

भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं, लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है- तो सबसे पहले और सबसे ज़्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है, बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज़ का एक और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33प्रतिशत की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच- ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है, या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं- जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है। जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज़्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात 'अम्फान' के दौरान, सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया, और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है।

प्रियंका सौरभ

अवैध शराब परोसने वालों पर नकेल कसने की तैयारी

आबकारी विभाग अलर्ट, कोताही बरतने वालों पर गिरेगी गाज

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर में अब अवैध रूप से मदिरा का काम करने वालों की खैर नही है। इसके लिये आबकारी विभाग ने अपने मैदानी अमले को दिशा-निर्देश जारी कर दिये हैं। जो लोग इस तरह के अवैधानिक कार्य करते पाये जाते हैं उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने कहा गया है। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारी या कर्मियों को जवाबदेह बनाया जायेगा और उनके खिलाफ भी कड़ा एक्शन लिया जा सकता है।

देशबन्धु खबर

गौरतलब है कि जबलपुर में आबकारी विभाग के नये मुखिया संजीव कुमार दुबे ने पिछले दिनों ही कमान संभाली थी। पहले चरण में श्री दुबे की अगुवाई में सभी मदिरा दुकानों को मौजूदा वित्तीय साल के लिये निविदा प्रक्रिया से आवंटित करने का काम किया गया। इसमें सुनिश्चित किया गया कि शासन को इसमें किसी भी तरह के राजस्व हानि की संभावना न होने पाये। शासन की मंशा के अनुरूप जबलपुर में आबकारी विभाग ने दुकानों को आवंटित किया।

ठेकेदारों ने अपनी व्यथा सुनाई

दूसरे चरण में अब विभाग के मैदानी अमले में और कसावट लाने की कवायद शुरू कर दी गई है। इसके लिये उन लोगों से मंत्रणा की गई जिन्हें इस साल मदिरा संचालन का ठेका मिला है। सूत्रों के अनुसार इसमें ज्यादातर ठेकेदारों ने एक सुर में कहा कि सबसे पहले अवैध रूप से मदिरा का कारोबार करने वालों पर प्रभावी रूप से लगाम कसी जाये। नगर और ग्रामीण अंचल में अवैध शराब में लगे माफिया की कमर तोड़ने की गुहार ठेकेदारों ने लगाई। कुछ ठेकेदारों ने यह भी बताया कि कई जगह तो पुलिस के साये में अवैध शराब का कारोबार फल फूल रहा है। इस पर खास ध्यान दिया जाना चाहिये।

निर्धारित दरों पर बिक्री करें

वहीं दूसरी ओर आबकारी विभाग के आला अधिकारियों ने ठेकेदारों से कहा है कि तय कीमतों पर ही मदिरा की बिक्री करें, इससे अधिक पैसे लेने पर विभाग कार्रवाई करेगा। सूत्रों के अनुसार इस संबंध में सभी ठेकेदारों ने भरोसा दिलाया कि शासन के दिशा निर्देश के अनुरूप ही मदिरा दुकानों से बिक्री की जायेगी, इसके लिये जरूरी उपाय किये जा रहे हैं। इसकी बिंदुवार जानकारी विभाग के अधिकारियों को दी गई। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने जोर देते हुये कहा कि एक मुश्त पेटी के रूप में शराब की बिक्री न की जाये। इसकी शिकायत नहीं मिलनी चाहिये।

मुखबिर तंत्र को मजबूत बनाने पर जोर

आबकारी विभाग के आला अधिकारियों ने अपनी अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मियों से दो टूक कहा है कि प्राथमिकता के रूप में अपने मुखबिर तंत्र को मजबूत किया जाये। इन्हें वहां सक्रिय किया जाये, जो संभावित अवैध शराब बिक्री के लिये क्षेत्र माने जाते हैं। इनकी पताशाजी के तुरंत बाद अवैध शराब बिक्री करने वालों पर शिकंजा कसा जाये। वैधानिक कार्रवाई के अंतर्गत जेल भी भेजने का काम आरोपियों को किया जायेगा। इसके लिये आबकारी एक्ट में मौजूद धाराओं के अंतर्गत एक्शन लिया जाना चाहिये, इसके लिये कानून के जानकारों से समय-समय पर सलाह भी ली जा सकती है।

विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली संबंधी शिकायतों के निराकरण के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया जैसे कि ट्विटर, फेसबुक, ईमेल, स्मार्ट बिजली एप, वेबसाइट एवं वाट्सएप के माध्यम से उपभोक्ताओं द्वारा दर्ज की गई बिजली आपूर्ति, बिजली बिल, एक्सीडेंटल इमरजेंसी, मीटर, ऑनलाइन बिल पेमेंट, नए सर्विस कनेक्शन और डिसकनेक्शन संबंधित सभी शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा रहा है।

कंपनी प्रबंधन के निर्देशानुसार उपभोक्ता सेवाओं को लेकर पूरी तन्मयता से कार्य किए जा रहे हैं । इसमें विद्युत संबंधी सभी शिकायतों को विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों से प्राप्त कर समय पर समाधान करना सम्मिलित है ।

उपमहाप्रबंधक केन्द्रीकृत निदान कॉल सेन्टर (1912) के द्वारा बताया गया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2024 -25 में 24 जिलों के उपभोक्ताओं द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया के

99 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण

माध्यम से कुल 47,707 शिकायतें दर्ज की गई एवं लगभग सभी शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान उपभोक्ता संतुष्टि के साथ किया गया 7 उपमहाप्रबंधक ने यह भी कहा की न सिर्फ सोशल मीडिया माध्यमों से प्राप्त शिकायतें अपितु टोल फ्री नंबर 1912 से भी 24 गुणा 7 विद्युत सम्बन्धित शिकायतों को दर्ज किया जाता है, जिसके अंतर्गत लगभग 24,40,000 शिकायतों को दर्ज किया गया है एवं इनकी समीक्षा कर 99 प्रतिशत शिकायतों का 1912 केंद्रीयकृत कॉल सेंटर द्वारा सफलतापूर्वक समाधान किया किया जा चुका है।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण के प्रति कंपनी की नीति जीरो टॉलरेंस की है, ताकि उपभोक्ताओं की संतुष्टि का स्तर अधिकतम बना रहे ।

सेन्ट मेरीस स्कूल में ज्ञानवर्धक कार्यक्रम

जबलपुर,देशबन्धु। सेन्ट मेरीस हायर सेकेंडरी स्कूल ने छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रसिद्ध करियर कोच, पब्लिक स्पीकर और हैंडराइटिंग विश्लेषक तनजीत छाबड़ा के साथ एक ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरूआत आदरणीय उपाध्यक्ष रेव्ह फादर शाजी पी जोशुआ द्वारा अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट कर की गई। स्कूल की प्राचार्या मिनाती एस.चार्ल्स ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए करियर मार्गदर्शन और व्यक्तिगत विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सेशन के आयोजन को महत्वपूर्ण तथा उपयोगी बताया इसके बाद तनजीत छाबड़ा ने मंच संभाला। करियर प्लानिंग और व्यक्तित्व को समझने में हैंडरराइटिंग की भूमिका पर बहुमूल्य अंतर्राष्ट्रीय साझा करते हुए एक आकर्षक व्याख्यान दिया उन्होंने उपस्थित अभिभावकों को आज के युग से सामंजस्य बनाते हुए किस तरह बच्चों का पालन पोषण किया जाए, इस पर विशेष टिप्स दी सत्र का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

आज विद्युत आपूर्ति नहीं होगी

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी पश्चिम संभाग के कार्यपालन अभियंता एसके सिन्हा ने बताया कि ट्रांसफारर्मर एवं अन्य रख रखाव कार्य के कारण 16 अप्रैल आज सुबह 8 से 12 बजे तक हाथीताल फीडर के अंर्तगत आने वाले हाउसिंग बोर्ड कार्यालय मरघटाई, सेठीनगर,ककरैय्या तलैया, नेशनल कॉलोनी भारतीय खाद्य निगम फुड गोदाम हाथीताल कॉलोनी के आस पास के क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति नहीं होगी।

उपरोक्त शटडाउन की अवधि समयानुसार घटायी या बढ़ाई जाने की भी संभावना है। बिजली उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए विद्युत प्रबंधन ने खेद जताया है।

पमरे में मनाया गया बाबा साहेब का 135 वां जन्म दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को मनाई जाती है. इसी कड़ी में संपूर्ण पश्चिम मध्य रेलवे में भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 135वां जन्म दिवस मनाया गया. मुख्य समारोह पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में 15 अप्रैल 2025 को आयोजित किया गया.

इस अवसर पर पश्चिम मध्य रेल अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री ने डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया एवं दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किये. साथ ही वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी नीरज कुमार, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रभात, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कुशाल सिंह, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, प्रमुख मुख्य विद्युत् इंजीनियर मुकेश, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी प्रवीण खोराना, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एम. विजय कुमार, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निर्देशक डॉ. श्याम सुन्दर एवं उपमहाप्रबंधक श्री अनुराग पाण्डेय सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं रेल कर्मचारियों ने भी डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किये.

श्रीमती सुजाता इंगले एवं अन्य द्वारा बौद्ध वंदना प्रस्तुत की गई तदोपरांत मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) एस. डी. पाटीदार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी/कल्याण अभय कुमार गुप्ता द्वारा किया गया।

कठौंदा प्लांट को निजी हाथों में फिर से देने को लेकर ननिज में बवाल

विपक्ष ने नगर सरकार और अधिकारियों को लिया निशाने पर

जबलपुर, देशबन्धु। ननिज में कठौंदा कचरा प्लांट को निजी हाथों में देने को लेकर बवाल शुरू हो गया है। इस मामले को लेकर विपक्ष और नगर सरकार आमने सामने हैं। जहां कांग्रेस पार्षद दल किसी भी कीमत में कचरा संयत्र को निजी हाथों को सौपे जाने का हर स्तर पर विरोध करने की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है, वहीं अभी नगर सरकार इस मामले में पीछे हटने को तैयार नही है। जवाबदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि कुछ भी कहने से बच रहे हैं। लेकिन जिस तरह की स्थिति देखी जा रही है, उससे लग रहा है कि फिर से कचरा संयत्र निजी हाथों में जा सकता है।

मामले पर एक नजर- नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा एवं उपनेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी ने बताया कि जबलपुर नगर निगम का कचरा संग्रहण और उसका निष्पादन करने के लिये कठौंदा स्थित निगम जमीन पर कचरे से बिजली उत्पन्न करने वाला प्लांट स्थापित किया गया, जिसका संचालन एस्सेल ग्रुप की कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

कुछ वर्ष बाद एस्सेल ग्रुप द्वारा निगम भूमि को गिरवी रख कर बैंक से लोन लिया जो राशि वर्तमान में 178 करोड़ रूपये चुकाना है तथा लगभग 100 करोड़ रूपये से ज्यादा निगम में राशि अदा करना है। लोन की राशि न चुकाये जाने के कारण बैंक अब प्लांट को अपने कब्जे में लेकर किसी अन्य कम्पनी को सौंपकर अपने बकाया राशि की पूर्ति करने का मन बना लिया है।

आम नागरिकों की आफत

यह एक बड़ी विडंबना है किसी नागरिक के भवन की सम्पत्ति कर की राशि जमा न करने पर कुर्की जैसी कार्यवाही की जाती है। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा का कहना है कि निगम प्रशासन पहले बड़े बकायादार जिनकी राशि 100 करोड़ रूपये वसूली जाना है, पहले उनसे वसूली जावे इसके पश्चात् नागरिकों के सम्पत्ति पर कुर्की जैसी कार्यवाही की जावे। इसी बात को लेकर कठौंदा प्लांट के परिसर के पास कांग्रेस पार्षद दल एवं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन किया, एवं ई.ओ.डब्ल्यू. में शिकायत दर्ज कराकर कार्यवाही करने की मांग की गई है।

इनकी रही उपस्थिति

प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उपनेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी, पार्षद श्रीमती मुकीमा याकूब अंसारी, पार्षद सत्येन्द्र चौबे, पार्षद वकील अहमद अंसारी, पार्षद कलीम खान, पार्षद प्रमोद पटेल, पूर्व पार्षद जतिन राज, सांसद प्रतिनिधि ताहिर अली, पंकज अग्रहरी, मोनू बाजपेई, सोनू कुकरेले, करण ठाकुर, बसंत ठाकुर, राज विश्वकर्मा, मकसूद अंसारी, राजेन्द्र चौधरी, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एमपी पावर की कैरम, वालीबाल और एथलेटिक्स टीम घोषित

जबलपुर, देशबन्धु। 46 वीं अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल कैरम, वालीबाल व एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 19 अप्रैल तक कोल्हापुर में किया गया है। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली एमपी पावर टीम की घोषणा कर दी गई। कैरम प्रतियोगिता में एमपी पावर की पुरूष व महिला टीम भाग ले रही हैं।

एमपी पावर की पुरूष कैरम टीम में अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अंकित सुखदेव व विनीत पाल, भोपाल के सोहेल खान, बड़नगर के गोपाल चौहान, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी के अमित कुमार बामने व जबलपुर के हरीश नायक को शामिल किया गया है। प्रमोद गढ़पाले टीम के मैनेजर व कोच होंगे।

एमपी पावर की महिला कैरम टीम में इंदौर की अंकिता माहेश्वरी, खंडवा की प्रियंका गुर्जर, भोपाल की वर्षा निमजे व जबलपुर की सुरभि अग्निहोत्री को शामिल किया गया है। नीरज दुबे टीम के मैनेजर व संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की वंदना भारती कोच होंगी।

एमपी पावर की पुरूष वालीबाल टीम में यश गुप्ता, नरसिंहपुर के अभिनव चौकसे, रीवा के अभिषेक गौरव सोनी, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी के मकरध्वज व राहुल सलोदे, सिलपरा के विद्यासागर द्विवेदी व जबलपुर के प्रतीक शर्मा, आदर्श तिवारी, अवधेश पटेल, प्रशांत सिंह भदौरिया, दीपक साहू व दीपक रजक को शामिल किया गया है। यश गुप्ता टीम के कप्तान होंगे। जबलपुर के अजय उशेकवार टीम के मैनेजर व जीएस राजपूत कोच होंगे।

एमपी पावर की एथलेटिक्स टीम में इंदौर के विजय तिवारी, अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के सुभाष पारते, हेमंत कुमार वर्मा, संजय लाल बैगा, अजय सिंह मरावी, ग्वालियर के अशोक कुमार केवट, छिंदवाड़ा के लवकेश उइके, सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी के धर्मेन्द्र खेर व घनश्याम उइके, खरगोन के भूरिया ओसरी, श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया के अख?िलेश सिंह व जबलपुर के धर्मेन्द्र सिंह को शामिल किया गया है। जबलपुर के अशोक चौहान टीम के मैनेजर व महेश यादव कोच होंगे। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव राजीव गुप्ता ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए एमपी पावर टीम को अपनी शुभकामना दी है।

सड़क और फुटपाथ के बीच खाली जगह से हो रहीं दुर्घटनाएं

जबलपुर,देशबन्धु। निगम की लापरवाह पूर्ण कार्यवाही की अनेक कड़ियों में एक और कड़ी जुड़ गई है, जो सिर्फ़ और सिर्फ़ लापरवाही ही है। निगम के कार्यों का एकमात्र लक्ष्य होता है, किसी तरह पूरा दिखा दो।

हम बात कर रहे हैं, कैरेव्स से पुल नंबर दो के बीच सड़क की जिसमे कैंटीन डिपो से की तरफ़ से पुल नंबर दो तक का सड़क वाले हिस्से मे और उससे लगे फुटपाथ के बीच एक फुट से ज्यादा खाली जगह है, तथा सड़क भी कहीं एक फुट तो कही एक फुट से ज़्यादा ऊंची है तथा फुटपाथ भी डेढ़ फुट ऊंचा होने की वजह से दो पहिया वाहन उसमे फंसकर असुंतलित होकर गिर रहे हैं।

समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी की गति सुस्त

जबलपुर,देशबन्धु। जिले में इस बार समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी की गति सुस्त दिख रही है। जबकि खरीदी के लिए इस बार 42 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है। बताया जाता है कि अभी तक 1300 स्लॉट बुक हुए हैं। इस बार गेंहू उपार्जन के लिए 51 खरीदी केन्द्र बनाए गये हैं, जिनमें से अभी तक सिर्फ 7 केन्द्रों में ही गेंहू खरीदी शुरू हो पाई है। इन 7 केन्द्रों में खरीदी के चलते कुल आंकड़ा अभी तक 13685 क्विंटल ही हो पाया है। इस बार समर्थन मूल्य 2475 के साथ बोनस 125 रूपये मिलाकर कुल 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से किसानों से गेंहू की उपज खरीदी जा रही है। पिछले वर्ष गेंहू के उपार्जन के लिए 52 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। देखा जाये तो बीते वर्ष के मुकाबले इस बार गेंहू उपार्जन के लिए कम किसानों ने पंजीयन कराया है। जानकारों की माने तो इस बार बाजार में गेंहू के दाम ऊंचे होने से भी समर्थन मूल्य की खरीदी पर असर दिख रहा है। सूत्रों की माने तो बिचौलिये और मुनाफाखोर विशेषकर छोटे किसानों से नगद फसल खरीद की लालच देकर समर्थन मूल्य से कम भाव पर उपज खरीद रहे हैं। हालाकि कुछ किसान यह भी बता रहे हैं कि कहीं-कहीं भाव समर्थन मूल्य से अधिक भी मिल रहे हैं। हो सकता है कि खुले बाजार में ऊंचे भाव के चलते खरीदी का आंकड़ा इस बार कम न हो जाए। हालाकि इस बार पंजीयन भी बीते वर्ष के मुकाबले कम हुए हैं।

मंडला ने नरसिंहपुर को 28 रनों से हराया

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर संभाग में क्रिकेट संचालन के लिए गठित समिति के तत्वावधान में स्थानीय नीमखेड़ा मैदान पर खेली जा रही सीनियर अंतर जिला टी 20 प्रतियोगिता के खेले गये मैच में मंडला ने नरसिंहपुर को 28 रनों से हरा दिया।

टॉस जीतकर मंडला ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 181 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसमें प्रखर पांडे के 59 गेंद में 68 रन तथा यश कोस्टा के 34 गेंद में 46 रन शामिल है।

नरसिंहपुर की ओर से विदित ने दो प्रियांश, करन और मयंक ने एक-एक विकेट प्राप्त किया।

इसके जवाब में नरसिंहपुर की पूरी टीम 153 बनाकर आउट हो गई। ब्रायन नोनवार ने 50 गेंद पर तेज तर्रार 86 रनों की पारी खेली तथा अथर्व शीर्ष चौधरी ने 18 गेंद में 23 रन बनाए मगर यह दोनों बल्लेबाज अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। मंडला की ओर से मध्यम तेज गेंदबाज देवराज यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 26 रन देकर 5 विकेट, ऋषभ भंडारी ने दो तथा प्रभात, बसंत और अनुज ने एक-एक विकेट प्राप्त किया। कल प्रात: 7.30 से जबलपुर और मंडला के बीच पहला सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा।

नाला-नालियों, की नियमित रूप से कराई हो रही सफाई

जबलपुर, देशबन्धु। वर्षा ॠतु में जप्लावन से नागरिकों को राहत प्रदान करने की दिशा में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' एवं निगमायुक्त प्रीति यादव के निर्देशानुसार नाला नालियों एवं कंजरवेंसियों की सफाई के लिए तैयार कार्य योजना के अनुरूप नियमित रूप से मानव संशाधनों के साथ-साथ मशीनरी संशाधनों को भी लगाकर सफाई कराई जा रही है। बडे नालों में मशीनरी संशाधनों को उतारकर वहाँ की सफाई भी तेजी से कराई जा रही है ताकि वर्षा जल की निकासी सुगमतापूर्वक हो सके।

उपायुक्त संभव अयाची एवं स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल के निर्देशानुसार नगर निगम शहर के बड़ नालों की सफाई कार्य वर्षा पूर्व चालू कर दिया गया है। स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जयसवाल ने बताया कि निगमायुक्त प्रीति यादव द्वारा वर्ष पूर्व बडे नालों की सफाई कार्य को गंभीरता से किए जाने हेतु पूर्व में ही बैठक लेकर प्लानिंग तैयार करने हेतु मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग वाहन शाखा को दिये थे जिसके बाद नगर निगम और प्राइवेट मशीने मिलकर 5 नग 200 हिटाची मशीने, 05 नग 100 हिटाची मशीने और 2 नग 70 हिटाची मशीने लगाकर सफाई कार्य करवाया जा रहा है।

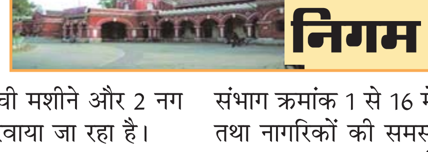

शहर के बड़े नाले ओमती नाला, मोतीनाला, उरदाना नाला, खंदारी नाला के साथ-साथ छोटे, मझले एवं समस्त नालों में सफाई कार्य वर्षा पूर्व पूर्ण करवा लिए जाएगे, जिससें आम जानता को जल प्लावन जैसी स्थिति का सामना नहीं करना पडेगा।

जनसुनवाई में प्राप्त हुए 12 प्रकरण- निगमायुक्त प्रीति यादव के निर्देशानुसार अपर आयुक्त आर.पी. मिश्रा एवं सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने जनसुनवाई कक्ष में आज दिनांक 15 अप्रैल 2025 को प्रात: 11:00 बजे से 01:00 बजे तक नागरिकों की समस्याएँ सुनी। इस दौरान भवन शाखा की 1, अतिक्रमण की 1, जलप्रदाय की 2, स्वास्थ्य की 4, स्थापना की 1, भवन/कॉलोनी सेल की 1 एवं 2 लोककर्म विभाग से संबंधित कुल 12 जनसमस्याएँ प्राप्त हुई, जिसका निराकरण सुनवाई के दौरान ही किया गया।

अपर अयुक्त आर.पी. मिश्रा एवं सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने बताया कि सभी प्राप्त शिकायतें संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द निराकरण हेतु प्रेषित की गयी हैं।

उन्होंने बताया कि नगर निगम के संभाग क्रमांक 1 से 16 में भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया तथा नागरिकों की समस्याएँ सुनी गई और उनका निराकरण भी कराया गया। जनसुनवाई के दौरान सभी विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

स्थगित विशेष (बजट) बैठक अब 21 अप्रैल को- निगमाध्यक्ष रिकुंज विज ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिक निगम, जबलपुर की स्थगित विशेष बजट बैठक 16 अप्रैल 2025 दिन बुधवार को होनी थी, अपरिहार्य कारणोंवश स्थगित की गयी है। स्थगित विशेष (बजट) बैठक अब 21 अप्रैल 2025 दिन सोमवार समय प्रात: 11 बजे से निगम परिसर स्थित पं. भवानी प्रसाद तिवारी सभा कक्ष में आयोजित की गयी है।

मोक्ष मार्ग जटिल है पर कुटिल नहीं : समयसागर महाराज

जबलपुर, देशबन्धु। आचार्यश्री समयसागर महाराज ने आचार्यश्री विद्यासागर सभा भवन में अपने प्रवचन के माध्यम से कहा कि कर्म सिध्दांत के अनुसार प्रत्येक जीव अपने परिणामों के द्वारा मोह, राग, द्वेष में रूपी भाव करके प्रति क्षण कर्मों का एकत्रीकरण करता है, उसके फलस्वरुप जीव को इसी जन्म में सुख, दुख भोगना पड़ता है। शक्ति की अपेक्षा से कर्म में विशेषता आती है। एक छोटा सा बालक है उसके द्वारा भी कर्म किए जा रहा है, उसमें सरलता देखने को मिलती है वह नादान है कुछ भी नहींजानता इसलिए उस शिशु की उपमा श्रमण से की जाती है, श्रमण की वृत्ति भी उस शिशु के समान होती. सरल होती है, श्रमण के हृदय में सरलता नहीं हो तो बहुत कठिन हो जायेगा।

गुरुदेव ने कहा था मोक्ष मार्ग जटिल तो है पर कुटिल नहीं, मोस मार्ग में यदि कुटिलताई आयेगी तो वह मोक्ष मार्ग से बहुत दूर चला जायेगा। आर्जव धर्म की उपासना करने वाला भी वास्तव में श्रमण माना जाता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के तैलचित्र के समक्ष कैलाशचंदजैन, राजेश किराना एवं संरक्षिणी सभा के चक्रेश मोदी, नीरज, जितेन्द्र एवंआनंद सिंघई ने दीप प्रज्जवलित किया। सागर से पधारे मुनिश्री क्षमासागर के गृहस्थ जीवन के भाई अरुण जैन आचार्य श्री को श्रीफल भेंट किया। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य सी: बाबूलाल ऊनवाला परिवार के आशीष, अमित, अतुल को मिलाए संचालन अमित पड़रिया ने किया।

मानेगांव रांझी में मनाया गया स्थापना दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। डी डी धाम संकट मोचन दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर मानेगांव रांझी में मनाया गया 14 अप्रैल दिन सोमवार को मंदिर की स्थापना दिवस का 11वा वर्ष इस कार्यक्रम में सुबह हनुमान जी का श्रृंगार पूजन अर्चन मंदिर आचार्य पंडित धीरज कृष्ण शास्त्री एवं मंदिर पुजारी सोमनाथ शुक्ला द्वारा किया गया हनुमान जी कीआरती के पश्चात सुबह 11: 00 से सुंदरकांड एवं भजन कीर्तन का आयोजन मंदिर संस्थापक आयोजन समाजसेवी सुधीर सोनू दुबे एवं मंदिर समिति के नीरज शुक्ला, निर्मल शर्मा, रमेश सिंह, प्रमोद वर्मा, जितेंद्र कुमार , वीरेन्द्र श्रीवास, उमेश गुप्ता, जसवंत वर्मन एवं महिला समिति की सुधा दुबे, प्रीति शुक्ला, सुमन शर्मा, सुनीता सिंह, शोभा तिवारी, करुणा, बीना, माया शर्मा, रुकमणि राय, संगीता सिंह, मधु वर्मा, खुशबू गुप्ता द्वारा मंदिर कार्यक्रम में सभी के सहयोग से सफलतापूर्वक किया गया उसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें मानेगांव रांझी क्षेत्र के लोगों द्वारा विशाल भंडारे का प्रसाद हजारों की संख्या में ग्रहण किया गया इसके पश्चात शाम 7 बजे मंदिर में भगवान गणेश जी,रामजी, हनुमान जी भोले शंकर भगवान जी एवं माता रानी की महाआरती किया इसके बाद माता की चौकी गायक ललित दास एवं उनकी टीम द्वारा किया गया चौकी में हनुमान जी की झांकी, श्री कृष्ण जी की झांकी एवं काली माता की झांकी द्वारा श्रद्धालुओं ने भक्ति में लाभ लिया आचार्य धीरज कृष्ण शास्त्री द्वारा बताया गया इस मंदिर में आकर पूजन एवं दर्शन मात्र से ही भक्तों ने विगत कई वर्षों उनकी मनोकामनाएं पूरी हो रही है और लोगों को लाभ मिल रहा है और यह रांझी मानेगांव क्षेत्र का सिद्ध मंदिर है इस कार्यक्रम में आलोक मिश्रा,आलोक चंसोरिया,चिंटू चौकसे, उमेश यादव, राजेश चौबे, हरि सिंह ठाकुर, चंद्रकांत मिश्रा,राजेश श्रीवास, सुरेश पटेल, राकेश चक्रवर्ती एवं सैकड़ो की संख्या में भक्तों ने महाआरती किया एवं माता की चौकी का श्रवण किया।

श्री शिव समाराधन महायज्ञ 1 मई से

अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास इंद्रेश उपाध्याय करेंगे श्रीमद् भागवत कथा का वाचन

जबलपुर, देशबन्धु। मां नर्मदा प्रदूषण मुक्ति आंदोलन के चतुर्थ अधिवेशन के संदर्भ में पाटन तहसील के पवई धाम में 1 से 7 मई तक श्री शिव समाराधन महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। स्वामी महेन्द्रानंद महाराज जी ने बताया कि महायज्ञ के दौरान श्रीमद् भागवत कथा का भी आयोजन होगा। वृंदावन धाम से पधारे अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय कथा का वाचन करेंगे। प्रतिदिन प्रात: 8 से 11 बजे तक श्री शिव समाराधन महायज्ञ हवन एवं दोपहर 3 से 6 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा होगी।

विधायक अजय विश्नोई, बलराम सिंह यादव, पं. हरकृष्ण पचौरी, सर्वेश पटेल, पं. श्याम मनोहर पचौरी, विष्णु शंकर पटेल, नवनीत माहेश्वरी, राम विनय करसोलिया, पं. देवदत्त पचौरी, ओमनारायण पचौरी, सचिन गुरु, गौरीशंकर तिवारी, ब्रजेश बादल, आनंद मोहन पलहा, मनोज पटेल, रविमोहन श्रोत्री आदि ने श्रद्धालुओं से अधिक से संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

साकेतवासी नृसिंह पीठाधीश्वर जगत गुरू डॉ स्वामी श्यामदेवाचार्य जी महाराज का चतुर्थ पुण्य स्मरण समारोह

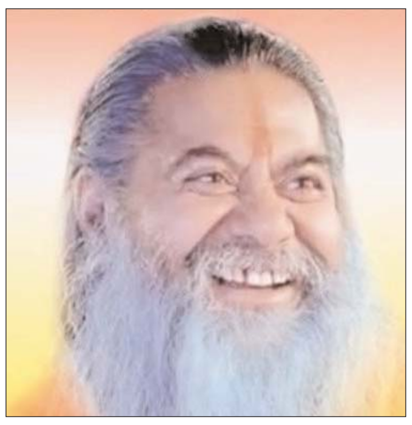

जबलपुर, देशबन्धु। साकेत वासी परम पूज्य श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी श्रीश्याम देवाचार्य जी महाराज का चतुर्थ पुण्य स्मरण दिवस श्री नृसिंह मंदिर शास्त्रीब्रिज में गुरुवार 17 अप्रैल को श्री रामरंगी द्वाराचार्य नृसिंह पीठाधीश्वर जगद्गुरु पूज्य डॉ स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज के पावन सानिध्य में प्रात: 9 से 10 तक श्री पादुका पूजन अर्चन किया जाएगा तत्पश्चात श्रद्धांजलि/भावांजलि कार्यक्रम एवं पूज्य संतों का उद्बोधन होगा ।

उसके उपरांत भगवान श्री रामजी का प्राकट्योत्सव शोभायात्रा में सम्मिलित रहे विशिष्ट सहयोगी श्री राममंदिर एवं नगर की विभिन्न धार्मिक, सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाओं के पदाधिकारियों/ सदस्यों का सम्मान तथा शोभायात्रा में बाल स्वरूप में श्रीराम एवं हनुमान जी की मनमोहक जीवंत झांकी के रूप में सम्मिलित बाल कलाकारों को पारितोषिक वितरण किया जाएगा , तथा दोपहर 12.00 बजे से प्रसाद भंडारा आयोजित है।

सभी स्नेहीजनों से सदगुरुदेव भगवान के चतुर्थ पुण्य स्मरण कार्यक्रम में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित कर अपने जीवन को धन्य करने का आग्रह श्री नृसिंह मंदिर ट्रस्ट,गीताधाम परिवार,श्री सनातन धर्म महासभा,एवं नगर की समस्त धार्मिक संस्थाओं ने श्रद्धालुओं से उपस्थिति का आग्रह किया है।

महाभारत कथा कृति का विमोचन एवं धर्मक्षेत्र नृत्य नाटिका का मंचन 19 को

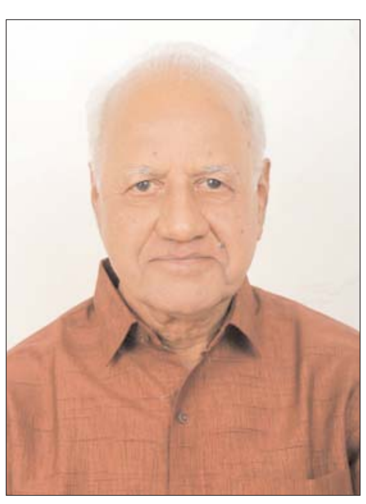

जबलपुर, देशबन्धु। पाथेय, मनीषा एवं सुप्रभातम संस्था के तत्वावधान में वरिष्ठ लेखक, अधिवक्ता डॉ. कृष्णकुमार दुबे द्वारा सृजित महाभारत कथा- इतिहास के झरोखे से का विमोचन एवं कामना नायक द्वारा निर्देशित धर्मक्षेत्र नृत्य नाटिका का मंचन 19 अप्रैल 2025 को सायं 7 बजे से शहीद स्मारक सभागार में आयोजित है। संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. गौतम पूर्व कुलपति होंगे। अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे करेंगे। विशिष्ट अतिथि दिनेश गर्ग, जगदीश दीक्षित एवं पुरूषोत्तम तिवारी होंगे। सुशांत दुबे,अभय जैन, मनीषा चौबे, आलोक पाठक ने साहित्य एवं कला अनुरागियों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

भीमराव अम्बेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई

जबलपुर, देशबन्धु। मदार टेकरी ठक्करग्राम वार्ड स्थित प्रतिमा स्थल डॉ.बाबासाहब भीमराव अंबेडकर भारत रत्न, प्रथम कानून मंत्री, संविधान निर्माता को पुष्पमाला अर्पित कर पुष्पांजलि अर्पित की जिसमें पूर्व कैबिनेट मंत्री भाजपा पूर्व विधायक अंचल सोनकर, पार्षद राम सोनकर एमआईसी, तिलक मंडल अध्यक्ष ऋषि सोनकर, विकास चौधरी, शरद लोधी, राजेश शास्त्री, सनी चौधरी, हरि साहू,विजय अहिरवार, कमलेश गुप्ता, सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता राधेश्याम सतनामी ने किया, पार्षद राम सोनकर ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा,संगठन और संघर्ष जैसे शब्दों को वास्तविक करने का समय है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी उपस्थित रहीं।

- बोधिसत्व डॉ. बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर संयुक्त जयंती महोत्सव समिति द्वारा भीमराव आम्बेडकर की 134 वीं जयंती धूमधाम एवं ओजस्वी वक्ताओं की उपस्थिति में मनाई गई। इस अवसर पर धावडें, मनीष पुनवटकर, सुनीता पाटिल, सुनीता शेण्डे, पारमी, सहारे, स्मिता ओहला एवं समिति के सदस्गण उपस्थित रहे।

- आदिवासी सेवा कल्याण महासंघ द्वारा भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया इस अवसर पर शंकर लाल गोटिया, शैलेष सिंह लोधी, राजेन्द्र गोटिया, संगीता मेडम, आरती मरावी, निरंजना पाटिल आदि उपस्थित रहे।

दैनिक राशिफल

बुधवार 16 अप्रैल 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1946 हिजरी 1445। वैशाख कृष्ण पक्ष की तृतीया नक्षत्र-अनुराधा।

मेष
आपको उग्र स्वभाव पर संयम रखने की सलाह दी जाती है। आज आप मानसिकरूप से थकान का अनुभव करेंगे।

वृषभ
आज आप किसी भी कार्य को दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास के साथ करेंगे। उसमें सफलता भी प्राप्त भी करेंगे। पिता की ओर से आपको लाभ हो सकता है।

मिथुन
दिन की शुरुआत से ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। भाग्यवृद्धि के अवसर आएंगे। तेजी से बदलते हुए विचार

'क- 270-268
आपको उलझपूर्ण स्थिति में रखेंगे।

कर्क
आज मन में थोड़ी हताशा रह सकती है। परिवार में सदस्यों के साथ गलतफहमी या मनमुटाव होगा। इगो से किसी की भावनाओं को चोट पहुंचेगी।

सिंह
आत्मविश्वास तथा त्वरित निर्णय लेकर काम में आगे बढ़ सकेंगे। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी, व्यवहार में उग्रता तथा किसी के साथ इगो का टकराव होने की संभावना है।

कन्या
शारीरिक और मानसिक चिंता में रहेंगे। इगो के कारण किसी के साथ झगड़ा हो सकता है। आकस्मिक धन खर्च होगा। दांपत्यजीवन में परेशानी आ सकती है।

तुला
गृहस्थ जीवन में सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। आय वृद्धि का योग है। ऑफिस, व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूल वातावरण रहेगा।

वृश्चिक
आपके सभी काम सरलता से पूरे होंगे। गृहस्थजीवन में आनंद और संतोष का अनुभव होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

धनु
आज कोई भी खतरनाक कदम आपको कठिनाई में डाल सकता है। किसी भी काम को करने में उमंग-उत्साह का अभाव रहेगा। शारीरिक तथा मानसिक रूप से चिंता में रहेंगे।

मकर
आज आपके लिए नकारात्मक विचारों से दूर रहने और खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। अचानक धन खर्च होगा। चिकित्सा के पीछे खर्च होने की संभावना है।

कुंभ
प्रेम, रोमांस, यात्रा, पर्यटन और मनोरंजन आपके आज के दिन का एक हिस्सा बनकर रहेंगे। परिजनों और मित्रों के साथ भोजन करने जाने का अवसर आएगा।

म. 146-337

1,5,7,8,10,52,74,85,58,07,70,11

स्काउट सदस्यों ने रेल यात्रियों की बुझाई प्यास

जबलपुर,देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल राज्य मुख्यालय भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा कार्यक्रम के नेतृत्व में वरि.उप मुख्य सतर्कता अधिकारी नीरज कुमार (राज्य मुख्य आयुक्त स्काउट), उप मुख्य सतर्कता अधिकारी/इंजी. सौरव कुमार (राज्य सचिव),जी. के नंदनवार (सहा राज्य सचिव) एवं मंडल रेल प्रबंधक, कमल तलरेजा, अपर मंडल रेल प्रबंधक सुनील टेलर (मुख्य जिला आयुक्त स्काउट), वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुबोध विश्वकर्मा (जिला आयुक्त स्काउट), संजय शर्मा (स्टेशन निर्देशक) जबलपुर मंडल के रेलवे स्टेशन पर स्काउट गाइड सदस्य के द्वारा यात्रियों को ट्रेनों में पानी पिलाने का कार्य किया जा रहा है। ट्रेनों में अधिक भीड़ होने के कारण यात्रियों से स्काउट गाइड द्वारा खिड़कियों से पानी पिलाने का कार्य किया जा रहा है यह जल सेवा अभियान मंडल के कटनी, सतना स्टेशन में भी किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर या स्मार्ट ठगी? - उपभोक्ताओं को सॉफ्टवेयर के जरिए लगाया जा रहा चूना

जबलपुर, देशबन्धु। स्मार्ट मीटरों की कार्यप्रणाली एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। लगातार सामने आ रही उपभोक्ता सर्विस क्रमांक 1811012126 की शिकायतें इस ओर इशारा कर रही हैं कि बिजली कंपनियाँ हल्लकसॉफ्टवेयर के जरिए मीटर रीडिंग में हेराफेरी कर उपभोक्ताओं से मनमाना वसूली कर रही हैं।

मार्च 2025 बिल जमा करने की 9 अप्रैल के बिजली बिल में उजागर हुए एक ताज़ा मामले में उपभोक्ता के मीटर की रीडिंग बिल में 385 यूनिट दर्शाई गई, जबकि बिल तिथि पर वास्तविक मीटर रीडिंग मात्र 182.2 यूनिट थी। वर्तमान में मीटर 244. यूनिट दर्शा रहा है। यह स्पष्ट करता है कि उपभोक्ता को लगभग दुगनी यूनिट का बिल थमाया गया है। यह वही तथाकथित स्मार्ट मीटर हैं, जिनकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। अब यह साफ हो चुका है कि इन स्मार्ट मीटरों के पीछे काम कर रहे सॉफ्टवेयर में गड़बड़ियाँ हैं, जिनका उपयोग कर पिछले 2,3 वर्षों से बिजली कंपनी रिकॉर्ड राजस्व वसूली का दावा कर रही है।

शीघ्र निपटाये जायें पेंशन प्रकरण

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि जबलपुर जिले में पेंशन कार्यालय में सेवा पुस्तिकाओं के अनुमोदन होने के पश्चात भी पेंशन अधिकारी एवं सहायक पेंशन अधिकारी द्वारा अनावश्यक पेंशन प्रकरण लटकाये जाते हैं तथा ऐन-केन-प्रकारेण प्रकरणों में आपत्ति लगा कर कर्मचारियों को आपत्ति का भय बता कर अनावश्यक मानसिक परेशान किया जाता है। प्रकरणों को समय-सीमा में ना निपटाना एवं अनावश्यक आपत्ति लगाना सीधे-सीधे पेंशन कार्यालय में भ्रष्टाचार का द्योतक है भ्रष्टाचार यहीं तक सीमित नहीं है पीपीओ जारी होने के बाद वेरिफिकेशन के नाम पर संबंधित प्रभारी द्वारा भी पेंशनधारी से राशि वसूली जाती है, जो कि पूरी तरह से पेंशन अधिकारी के संज्ञान में है और उन्हीं के शय से यह खेल चल रहा है।

सारी प्रक्रिया ऑनलाईन हो चुकी है फिर भी सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को पेंशन कार्यालय के अनावश्यक चक्कर

कर्मचारी जगत

लगवाये जाते हैं।

जिससे कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में रोष व्याप्त है, कलेक्टर से संगठन मांग करता है कि मामले को दृष्टिगत रखते हुये पेंषन कार्यालय में चल रही अनियमिताओं पर रोक लगाते हुये पेंषन प्रकरणों का शीघ्र निपटाये जाने हेतु निर्देष जारी किये जायें।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष.रॉबर्ट मार्टिन, ज़ियाउर्रहीम, हेमंत ठाकरे, फिलिप अन्थोनी, संतोष श्रीवास्तव, राजेश सहारिया, मनमोहन चौधरी, रऊफ खान, एनोस विक्टर, सुरेन्द्र चैधरी, उमेश सिंह ठाकुर, संतोष चौरसिया, विनोद सिंह, राजकुमार यादव, सुधीर अवधिया, धनराज पिल्ले, अशोक कोष्टिा, सुनील झारिया, मकसूद अहमद कादरी, गोपीषाह, रामकुमार कतिया, आषा राम झारिया, मनीष मिश्रा, सुधीर पावेल, राजेन्द्र सिंह, रामदयाल उइके, अफरोज खान, देवेन्द्र पटेल, रवि जैन नेत राम, नीरज मरावी, वीरेन्द्र श्रीवास, विनय रामजे, आशीष कोरी आदि ने कलेक्टर से मांग की है ।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्‌गति दे भगवान

श्रीमती निर्मला चौरसिया- महानद्दा खालसा कॉलेज रोड निवासी देवी चरण चौरसिया की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला चौरसिया (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती ममता सोनी- हनुमानताल शुक्रवारी बजरिया निवासी राकेश सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती ममता सोनी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुसुम चौधरी- आईटीआई माढ़ोताल निवासी सुरेश चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम चौधरी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री शानेंद्र कुमार कुड़ापे- पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी केएस कुड़ापे के पुत्र शानेंद्र कुमार कुड़ापे (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आकाश राजपूत- नटवाबा की पहाड़ी झामनदास चौक रोड निवासी पूरन सिंह राजपूत के पुत्र श्री आकाश राजपूत (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दिनेश कुमार मौर्य- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी दिनेश कुमार मौर्य का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चंदा बंशकार- प्रेमसागर निवासी श्री चंदा बंशकार (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती तारा शर्मा- नारायण नगर गुलौआ गढ़ा निवासी हरि शंकर शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती तारा शर्मा (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जानकी बाई मल्लाह- राजीव नगर चुंगी नाका आईटीआई माढ़ोताल निवासी ईश्वरदीन मल्लाह की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी बाई मल्लाह (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शांति बाई चौधरी- करमेता निवासी केशर प्रसाद चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई चौधरी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उर्मिला चौधरी- बाबा टोला निवासी बसंत लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला चौधरी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पुष्पा देवी- चग्गर फार्म तिलहरी निवासी संतोष कुमार की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा देवी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

साम्प्रदायिक भावना को भड़काने वाली पोस्ट करने वालों में करें सख्त कार्यवाही

समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक ने दिये निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। सोशल मीडिया पर विशेष निगाह रखें, आपत्तिजनक पोस्ट जिसके द्वारा भी डाली जाती है, उसे तत्काल नोटिस दिया जाये। साम्प्रदायिक भावना को भ?काने वाली पोस्ट डालने वाली व्यक्त्यिों के खिलाफ तत्काल वैधानिक कार्यवाही की जाये। कार्यवाही में पूरी तरह से निष्पक्षता एवं पारदर्शिता होनी चाहिये,। यह बात पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने कंट्रोल रूप में आयोजित समीक्षा बैठक में कहीं।

समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक उपाध्याय ने थानावार लंबित हत्या एवं हत्या के प्रयास, लूट, झपटमारी, नकबजनी एवं एस.सी.एस.टी. एक्ट, धोखाध?ी तथा महिला सम्बंधी अपराधों की विस्तार से समीक्षा की गयी। उन्होने लंबित अपराधों कें निराकरण के सम्बंध मे आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । गम्भीर अपराध फरार आरोपियों पर ईनाम उद्घोषित करायें तथा पतासाजी कर शीघ्र आरोपी की गिरफ्तारी करने के संबंध में निर्देष जारी किये। अपहृत अवयस्क बालक व बालिकाओं की हर संभव प्रयास कर दस्तयाबी करने तथा लंबित स्थाई वारंटी की प्रथक-प्रथक फाइल तैयार कर तामील के आदेष जारी किये। उन्होंने ने सी.एम. हैल्प लाईन, वरिष्ठ कार्यालयों तथा जनसुनवाई, की शिकायतों की समीक्षा करते हुये आदेशित किया कि लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण करें, इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाये।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात श्रीमती सोनाली दुबे सहित समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारी तथा चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

मोटर साइकिल सवार भाईयों को कार ने मारी टक्कर
एक की मौत,दूसरा गंभीर

जबलपुर,देशबन्धु। कार चालक ने तेज रफतार व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोटर साइकिल सवार भाईयों को टक्कर मार दी। इस घटना में मोटर साइकिल सवार एक भाई की मौत हो गयी तथा दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर प्रकरण को विवेचना में लिया है।

गोसलपुर पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गाँधी ग्राम बुढागर निवासी आनंद उर्फ नंदू कोल उम्र 26 अपने भाई दिलीप कोल उम्र 32 साल के साथ मोटर साइकिल से शादी में शामिल होने ग्राम धमकी गये हुए थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद दोनों मोटरसाइकिल में सवार होकर वापस घर लौट रहे थे। रात सवा नौ बजे बुढागर बाईपास चौराहा आदर्श ढाबा के सामने रोड पार करते समय जबलपुर की तरफ से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीएफ 4518 का चालक तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया। जिसके कारण दोनों भाई सड़क में गिरकर घायल हो गय। इस घटना में दिलीप को सिर में गंभीर चोटे आई थी। दोनों को उपचार के लिए सिहोरा अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद दिलीप को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया था। पुलिस के अनुसार घटना के बाद कार चालक वाहन लेकर कटनी की तरफ भाग गया था। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ धारा 281, 125 ए, 106 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी कार चालक के संबंध में पतासाजी करने में जुटी हुई है।

बेटे के सामने वृद्ध पिता को बस ने रौंदा,मौत
लगुन में जाने सड़क किनारे खड़े होकर कर रहे थे इंतजार

जबलपुर,देशबन्धु। बेटे तथा साथियों के साथ वृद्ध लगुन में जाने के लिए सड़क किनारे खड़े होकर बस का इंतजार कर रहा था। तभी तेज रफतार में आई बस ने बेटे के सामने वृद्ध पिता को रौंद दिया। गंभीर रूप से घायल वृद्ध को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद वृद्ध को मृत घोषित कर दिया।

पाटन थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम धनेटा निवासी दरयाव सिंह लोधी उम्र 60 साल,अपने बेटे खिलन सिंह लोधी उम्र 40 साल तथा गनपत सिह, गोपाल सिंह, गोविंद सिंह के लुगन कार्यक्रम में ग्राम पिपरिया जाने के रात लगभग 9 बजे बस स्टेण्ड पहुंचे थे। सभी सड़क किनारे खड़े होकर बस आने का इंतजार कर रहे थे। तभी बस क्रमांक एमपी 66 पी 0380 के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दरयाव सिंह को रौंदते हुए चला गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी चालक बस लेकर फरार हो गया था। घटना में वृद्ध को सिर,दोनों हाथ पैर तथा पेट में गंभीर चोटें आई थी। जिन्हें रक्त रंजित अवस्था में उपचार के लिए पाटन अस्पताल ले जाया गया है। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद वृद्ध को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया था। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने अनुसार अभी तक आरोपी चालक की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है तथा उसके संबंध में पतासाजी जारी है।

ससुराल पक्ष द्वारा परेशान करने पर युवक ने लगाई फांसी,मौत

जबलपुर,देशबन्धु। युवक ने एक साल पहले प्रेम विवाह किया था। पत्नी ने लगभग 22 दिन पहले बेटी को जन्म दिया था। तभी से पत्नी अपने बच्चे के साथ मायके में थी। युवक गत दिवस पत्नी के मिलने ससुराल गया गया। इस दौरान ससुराल पक्ष द्वारा परेशान किये जाने पर युवक ने घर लौटकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को विवेचना में लिया है।

एसडीओपी सिहोरा पारूल शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार सकरी मोहल्ला निवासी श्रीमती शिवानी उर्फ पूर्णिमा गुप्ता उम्र 35 साल ने खिलौता थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसके बेटे सत्यम गुप्ता उम्र 19 साल ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। महिला ने बताया कि उसके बेटे ने एक साल पूर्व दिनारी खमरिया निवासी अनुराधा गौंड से प्रेम विवाह किया था। अनुराधा ने विगत 22 मार्च को सिहोरा स्थित अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया था। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद वह बच्ची के साथ अपने मायके चली गयी थी।

एक साल पहले किया था प्रेम विवाह

उसका बेटा सोमवार की दोपहर लगभग तीन बजे पत्नी व बेटी से मिलने ससुराल गया था। बेटा घर लौटा तो वह शराब के नशे में था। उसने अपनी मॉ को बताया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे परेशान किया है। बेटे द्वारा खाना मांगने पर मॉ किचन में चली गयी।

इस दौरान बेटे ने पाईम से साडी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। मॉ ने बेटे को फंदे से निकालकर उपचार के लिए अस्पताल ले गयी। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक युवक की आयु 21 साल से कम होने के बावजूद भी उसका विवाह करवाया गया था। पुलिस इस संबंध में भी जांच कर रही है और निर्धारित से कम उम्र में विवाह करवाने वालों के खिलाफ विधि अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

फर्जी जाति प्रमाण-पत्र से नौकरी पाने वालों पर कार्यवाही नहीं
हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

जबलपुर,देशबन्धु। आदेश के बावजूद भी फर्जी जाति प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी प्राप्त करने वालों के कोई कार्यवाही नहीं की गयी। जिसे खिलाफ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने आवेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका पर अगली सुनवाई 6 सप्ताह बाद निर्धारित की गयी है।

सतना निवासी राजेश कुमार गौतम की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि अनावेदक श्याम लाल,सुंदर लाल,प्यारे लाल,राम प्रकाश तथा राम चरण बिरसिंहपुर तहसील में स्थित शासकीय मिडिल स्कूल में शिक्षा कर्मी तृतीय वर्ग 3 में पद पर पदस्थ है। पांच शिक्षाकर्मी केवट समुदाय है,जो ओबीसी वर्ग में आता है। स्कूल शिक्षा के दौरान सभी ने ओबीसी वर्ग की स्कॉलरशिप भी प्राप्त की थी। इसके बाद उन्होने एसटी वर्ग का जाति प्रमाण-पत्र बनाकर नौकरी हासिल की थी। सूचना के अधिकार के तहत सभी दस्तावेज प्राप्त कर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने जांच के आदेष जारी किये थे। जांच में पेश किये गये जाति प्रमाण-पत्र फर्जी पाये गये थे। सचिव स्कूल शिक्षा विभाग ने कार्यवाही के लिए जिला कलेक्टर व डीईओ को निर्देश दिये थे। आदेष के बावजूद भी कार्यवाही नहीं किये जाने के कारण उक्त याचिका दायर की गयी है। याचिका में सचिव सामान्य प्रशासन विभाग,कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक,जिला शिक्षा अधिकारी,थाना प्रभारी बिरसिंहपुर तथा पांच शिक्षा कर्मी को अनावेदक बनाया गया था। युगल पीठ ने सुनवाई के बाद सभी अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता संतोष कुमार पाठक ने पैरवी की।

मप्र सहित 18 हाईकोर्ट के जजों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक नहीं की
देश के 75 प्रतिशत हाई कोर्ट जजों की संपत्ति का खुलासा करने पर निर्णय नहीं

जबलपुर,देशबन्धु। मध्य प्रदेश सहित 18 हाईकोर्ट के जजों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक नहीं की है। देश के 75 प्रतिशत हाई कोर्ट जजों की संपत्ति का खुलासा करने पर अब तक निर्णय नहीं लिया गया है। इसे लेकर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच जबलपुर ने राष्ट्रपति को पत्र भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है।

मंच के अध्यक्ष डॉ पीजी नाजपांडे ने बताया कि पत्र में इस बात पर बल दिया गया है कि संपत्ति सार्वजनिक करने से पारदर्शिता आयेगी। संसद की विधि संबंधी समिति ने अगस्त 2023 में अनुशंसा की थी कि न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति का खुलासा करना चाहिए। लिहाजा इस अनुशंसा को विचारार्थ लिया जाना चाहिये। पत्र में कहा गया है कि अब तक देश के 24 में से सिर्फ छह हाईकोर्ट के जजों ने अपनी संपत्ति का खुलासा वेबसाइट पर किया है। जबकि 75 प्रतिशत जजों ने इस सिलसिले में कदम नहीं उठाया है। दरअसल, हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट जजों के लिए बनाई गई सेवा शर्त नियम में उनके द्वारा संपत्ति घोषित करने का प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अपने जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने का निर्णय लिया था। जिसके बाद 33 में से 30 जजों ने अपनी संपत्ति का खुलासा कर दिया था। इसके बाद भी हाईकोर्ट के जजों ने प्रेरणा नहीं ली। इसलिए आलम यह है कि देश के विभिन्न हाईकोर्ट में पदस्थ 762 में से सिर्फ 95 जजों की ही संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक हो सका है।

आपराधिक प्रकरण में संज्ञान लेकर दर्ज कर प्रकरण
अधीनस्थ अदालत को हाईकोर्ट के निर्देश

जबलपर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने शहडोल की ट्रायल कोर्ट निर्देशित किया है कि आपराधिक प्रकरण में अपराध पर संज्ञान लेकर शिकायत दर्ज करें। जस्टिस विशाल धगट की एकलपीठ ने इसके लिए 45 दिन की मोहलत दी है। शहडोल निवासी सेवानिवृत्त कर्मी केके सिंह की ओर से याचिका दायर कर बताया गया कि शहडोल की ट्रायल कोर्ट में परिवाद दायर किया गया है। उस मामले में गवाहों के बयान हो गए हैं, अब केवल ट्रायल कोर्ट को संज्ञान लेकर आदेश पारित करना हैं। ट्रायल कोर्ट अनावेदकों को बार-बार मोहलत प्रदान कर रही है, इसलिये हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

वादग्रस्त संपत्ति पर उभयपक्ष यथास्थिति कायम रखें
अदालत का अंतरिम आदेश

जबलपर,देशबन्धु। जिला न्यायाधीश प्रवेंद्र कुमार सिंह की अदालत ने वादग्रस्त संपत्ति पर यथास्थिति कायम रखने का अंतरिम आदेश पारित किया है। इसी के साथ मामले की अगली सुनवाई 25 अप्रैल को नियत कर दी है। वादी जीवन बीमा मंडल कार्यालय जबलपुर के समीप निवासरत लक्ष्मी बाई, मालती ठाकुर व जितेंद्र सिंह ठाकुर की ओर से रमन विश्वकर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पूर्व में यथास्थिति का आदेश पारित किया गया था। जिसके बाद प्रतिवादीगण से अपना जवाब पेश किया। लेकिन त्रुटिवश उस आदेश पत्रिका में आदेश समाप्त होना लिखा गया था। इस वजह से दूसरा पक्ष निर्माण करने लगा है। जि कारण तकनीकी सुधार अपेक्षित है। नियमानुसार जब तक विवाद का पूर्ण समाधान नहीं हो जाता, उभय पक्षों को यथास्थिति कायम रखने निर्देशित किया जाना चाहिये। अदालत ने तर्क से सहमत होकर राहतकारी अंतरिम आदेश पारित कर दिया।

पीएससी की मुख्य परीक्षा पर रोक बरकरार

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सेवा परीक्षा 2025 की मुख्य परीक्षा आयोजित करने पर पिछली सुनवाई के दौरान लगाई रोक को बरकरार रखा है। विगत 2 अप्रैल को चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने कहा था कि अदालत की अनुमति बिना मुख्य परीक्षा आयोजित नहीं करें। पूर्व आदेश के पालन में पीएससी की ओर से मंगलवार को बंद लिफाफे में प्रारंभिक परीक्षा के कट ऑफ मार्क्स पेश किये गये। न्यायालय ने लिफाफा खोल कर कहा कि इसमें गोपनीय दस्तावेज नहीं है। युगलपीठ ने एक कॉपी याचिकाकर्ताओं को प्रदान करने के निर्देश दिये है।

बंद लिफाफे में गोपनीय दस्तावेज न होने पर आवेदक को कापी प्रदान करने के निर्देश

हाईकोर्ट ने राज्य शासन को कहा कि याचिका में उठाए गए मुद्दे पर दो सप्ताह के भीतर जवाब पेश करें वरना 15 हजार रुपए की कॉस्ट लगाई जाएगी। आयोग की ओर से विरोधाभासी दलीलों को देखते हुए युगल पीठ ने कहा कि अगली सुनवाई के दौरान मामले के जानकार अधिकारी हाजिर रहें। मामले पर अगली सुनवाई 6 मई को होगी।

दरअसल भोपाल निवासी सुनीत यादव सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर एवं विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि मप्र लोक सेवा आयोग ने कुल 158 पदों की भर्ती के लिए 5 मार्च 2025 को प्रारंभिक परीक्षा परिणाम घोषित किया था। इसमें वर्गवार कट-ऑफ अंक जारी नहीं किये गये हैं। जबकि पूर्व की सभी परीक्षाओं में वर्गवार कट-ऑफ अंक जारी किया जाता रहा है। दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के विभिन्न फैसलों को बायपास करते हुए आयोग अनारक्षित पदों के विरुद्ध आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चयनित नहीं कर रहा है। यह आरोप भी लगाया गया कि सभी अनारक्षित पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित करके प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया गया है। आयोग ने इस त्रुटि को छिपाने के लिए 2025 के प्रारंभिक परीक्षा में कट-ऑफ मार्क्स भी जारी नहीं किये है। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

1.34 लाख लेकर भी नहीं की निर्माण सामग्री सप्लाई
डॉ. सुलखिया ने गोरा बाजार थाने में दर्ज करायी शिकायत

जबलपुर,देशबन्धु। बिलहरी निवासी डॉ. अमित सुलखिया से मंडला निवासी अनुपत ज्योतिषी ने दो साल पहले लोहा और अन्य निर्माण सामग्री सप्लाई के लिये एक लाख 34 हजार रुपये ले लिये। इसके बाद न तो सामग्री की सप्लाई की गई और न ही उनकी दी हुई राशि वापस की गई। जिसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत गोरा बाजार थाने में दर्ज करायी।

पुलिस ने बताया कि बिलहरी निवासी 35 वर्षीय डॉ.अमित सुलखिया के मित्र मयंक नामदेव के जरिए उनकी मुलाकात मंडला निवासी अनुपम ज्योतिषी से हुई थी। मयंक ने उन्हें बताया था कि अनुपम ज्योतिषी पंचायत का ठेकेदार एव ट्रेडर्स ईट, रेत गिरी लोहा का कारोबारी है। जिस पर विश्वास करते हुए डॉ. सुलखिया ने भवन निर्माण के लिये अनुपम ज्योतिष से लोहे एवं निर्माण सामग्री खरीदने की बातचीत कर लोहा खरीदने हेतु 1 मई 2023 से 4 जून 2023 तक कुल 1 लाख 34 हजार रूपये ऑनलाईन यूपीआई के माध्यम से दिये थे। पैसे लेने के बाद अनुपम ज्योतिषी द्वारा आज दिनांक तक लोहा नहीं दिया गया। इतना ही नहीं जब डॉ. सुलखिया ने फोन पर संपर्क किया तो अनुपम आज-कल की टालमटोली करता रहा। इसके बाद उसने डॉक्टर का फोन उठाना ही बंद कर दिया। पुलिस ने जांच उपरांत आरोपी अनुपम ज्योतिषी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पति ने दरवाजा तोड़कर पत्नी से की गाली-गलौज

जबलपुर,देशबन्धु। गढ़ा थाने में सैनिक सोसायटी निवासी 34 वर्षीय अर्चना झारिया ने शिकायत दर्ज करायी। जिसमें उसने बताया कि वह सब्जी बेचने का काम करती है। उसकी शादी बीस साल पहले बरेला पड़वार देवरी निवासी सुरेंद्र झारिया के साथ हुई थी। जिसके बाद वह पंद्रह साल तक अपने पति के साथ इंदिरा बस्ती गढ़ा में रही, जिससे उसके दो बच्चे है। उसका पति सुरेन्द्र उस पर शक करते हुए आए दिन मारपीट कर प्रताड़ति करता था। जिससे वह एक साले से अपने पति से अलग सैनिक सोसायटी में किराये से रह रहीं है। बीती रात उसका पति सुरेन्द्र उसके किराये वाले घर पर आया और लात मारकर दरवाजा तोड़कर गाली गलौज करते हुए धमकाकर चला गया। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

रुपयों की मांग कर आरोपियों ने तीन भाइयों पर किया हमला
गढ़ा बजरिया क्षेत्र की घटना

जबलपुर,देशबन्धु। गढ़ा थाना अंतर्गत छोटी बजरिया काजी मोहल्ले में शाहिद व उसके भाई राशिद शाह ने सुशील झारिया से शराब के लिये रुपयों की मांग करते हुए मारपीट कर दी। इतना ही नहीं जब सुशील के दो भाई प्रमोद और गणेश बीच बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने डंडे से उन पर भी हमला कर दिया। जिससे तीनों को चोटे आ गई। पीड़ति पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि छोटी बजरिया काजी मोहल्ला निवासी 41 वर्षीय सुशील झारिया बीती रात अपने घर के बाहर खड़ा था। उसी समय शाहिद शाह अपने भाई राशिद के साथ पहुंचा और शराब पीने के लिये सुशील से एक हजार रुपये मांगने लगा। सुशील ने रुपये देने से मना किया तो शाहिद व राशिद ने उसके साथ मारपीट शुरु कर दी। सुशील की चीख पुकार सुन उसके भाई प्रमोद व गणेश बीच बचाव करने पहुंचे तो आरोपी भाईयों ने उन पर भी डंडे से हमला कर दिया। जिससे तीनों भाईयों को चोटे आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

साली ने डंडे से जीजा का सिर फोड़ा
ग्वारीघाट क्षेत्र की घटना

जबलपुर,देशबन्धु। ग्वारीघाट लाल कुआं क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच चल रहीं कहासुनी के बीच साली पहुंची और उसने अपने जीजा के सिर पर डंडे से हमला कर दिया। युवक की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस को 35 वर्षीय सोनू बर्मन ने बताया कि बीती रात लगभग 11-30 बजे वह एवं उसकी पत्नी नीता बर्मन आपस में घरेलू बात को लेकर बात कर रहे थे। उसी समय उसकी पत्नी की बहन विनीता बर्मन ने अपनी बहन का पक्ष लेते हुए बोली कि तू रोज शराब पीकर रात में लड़ाई करता है, कहकर गाली गलौज करने लगी। उसने गालियां देने से मना किया तो डंडा से हमला कर सिर में चोट पहुँचा दी। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

इंद्राना बायपास में दुर्घटना
मोटर साइकिल सवार तीन व्यक्ति गंभीर

जबलपुर,देशबन्धु। पनागर थानान्तर्गत इंद्राना बाईपास में घटित दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार तीन व्यक्ति घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस घटना की पुष्टि पुलिस विभाग के अधिकारियों के द्वारा की गयी है। इस संबंध में संबंधित सीएसपी तथा थाना प्रभारी को नहीं थी। उनका कहना था कि घटना की सूचना पुलिस को प्राप्त नहीं हुई है।

9 महीने बाद भी नहीं जुड़ी हड्डी और टाइटेनियम प्लेट भी टूट गई

जबलपुर,देशबन्धु। कलेक्टर द्वारा प्लेट टूटने के गंभीर प्रकरण में पीजी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 1933 राइट टाउन के विरूद्ध अवैध रूप से अस्पताल संचालन तथा फायर एक्जिस्ट एवं फायर एनओसी की जांच कर कार्रवाई की मांग पीड़ित मरीज कन्हैया रामकृष्ण तिवारी द्वारा की गई। (ऑर्थो) डॉ विनोद जैन आपरेशन करने के योग्य नहीं हैं ये एसडीएम ऋषभ जैन ने भी स्वीकार किया ऑपरेशन केवल सर्जन ही कर सकता है। बायें पैर में डाली गई टाइटेनियम प्लेट नौ महीने बाद घटिया क्वालिटी की अमानक प्लेट होने के कारण टूट गई। और हड्डी भी नहीं जुड़ी ये जानलेवा लापरवाही घातक है धोखा है, और ऐसा कहकर एसडीएम साहब ने भी खेद जताया और इस मुददे पर शीघ्र ही डॉ अभिजीत मुखर्जी और डॉ विनोद जैन तथा अस्पताल पर जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। कन्हैया रामकृष्ण तिवारी, सतीश जाटव, सुमित यादव, पप्पू राव, वीरेन्द्र साहू, राधा तिवारी,रीना श्रीवास्तव, नीलू स्वामी, सोनू सतनामी, शुभांशु त्रिपाठी इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

परियट नदी में बना जन सहभागिता से 4 हजार बोरियों का बँधान

जल गंगा संवर्धन अभियान

पनागर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखण्ड पनागर, के द्वारा जल गंगा संवर्द्धन अभियान अंतर्गत प्रस्फुटन ग्राम सोनपुर में जल संरक्षण के लिए जन सहभागिता एवं श्रमदान, जन सहयोग से लगभग 4 हजार बोरियों का बोरी बँधान कार्य श्रमदान एवं जन सहभागिता से चलाए जा रहे।

अभियान में आज जन अभियान परिषद के सलाहकार श्री शिवनारायण पटेल, संभाग समन्वयक श्री रवि प्रसाद बर्मन, जिला समन्वयक प्रदीप तिवारी ने सहभागिता की। परिषद के विकासखण्ड समन्वयक पनागर के द्वारा बताया गया कि उक्त बोरी बंधान 22 मार्च विश्व जल दिवस से प्रारंभ करते हुऐ साप्ताहिक सामूहिक श्रमदान से आज लगभग 4 हजार बोरियों का बँधान बन चुका है आगे भी कार्य प्रयासरत है अभी नदी क्षेत्र में 400 मीटर दूर तक पांच से तीन फिट तक जल भराव हो चुका है। जो आज सामाजिक सहयोग से किये गये जल संरक्षण का अनुपम एवं अनुकरणीय कार्य किया गया है। आज श्रमदान के पूर्व आयोजित जन चौपाल एवं जल गोष्ठी में उपस्थित नव नियुक्त परिषद के सलाहकार श्री शिवनारायण पटेल ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं समुदाय की सहभागिता से जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किया गया। यह कार्य अनुकरणीय है, यह जीवन और संसार पंच महाभूतों से चलता है, जिसमें जल सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। इसको बचाने का प्रत्येक जतन हम सभी को मिलकर करना चाहिए। जल गोष्ठी को स्थानिये पार्षद श्रीमति रजनी साहू, संभाग समन्वयक एवं जिला समन्वयक ने भी संबोधित किया आज कार्यक्रम में भारत महरोलिया विकासखण्ड समन्वयक एवं स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र साहू, जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं, मेंटर्स, प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि, सामुदायिक नेतृत्व कार्यक्रम के समाज कार्य के छात्र छात्राओं की प्रमुख सहभागिता रही है।

शहपुरा तहसील दार को पंचायती संगठन ने वन विभाग की ज़मीन पर आपत्ति जताई

शहपुरा भिटोनी, देशबन्धु। आज दिनांक 15 4 2025 को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय सचिव विवेक अवस्थी जिला अध्यक्ष कमला प्रसाद पटेल प्रदेश प्रभारी ठाकुर जितेंद्र सिंह गौर के नेतृत्व में जल जंगल जमीन एवं चुटका वन विभाग की 37 सो हेक्टेयर ज़मीन जन जातियों केोदिये जाने का परियोजना के विरोध में तहसीलदार महोदय शाहपुरा भिटौनी को राष्ट्रपति के नाम पर ज्ञापन सोपा गया।

ज्ञापन सौंपने मेराहुल गांधी पंचायती राज संगठनके राष्ट्रीय सचिव विवेक अवस्थी ज़िलाध्यक्ष कमला पटेल जितुसिह ठाकुर ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है ओर वलाक कांग्रेस के कांग्रेस रामबाबू सिंह यश राज नहर ठाकुर रोहित सिंह युवा कांग्रेस एडवोकेट पंचम सिंह वंशकार समाज के तहसील अध्यक्ष सीताराम ठाकुर बलराम सिंह महंगावा शाहिद भाई जान आदि जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रिश्वत मांगने के आरोप में पटवारी निलंबित

● वीडियो हुआ था वायरल, इसके बाद की गई कार्रवाई

सतना, देशबन्धु। रिश्वत मांगने के मामले में आरोपी पटवारी शिवेन्द्र सिंह को एसडीएम एल आर जांगड़े ने मंगलवार को सस्पेंड कर दिया। दरअसल सोमवार को पटवारी का रिश्वत लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें वो किसान से पट्टा वितरण और ऋण पुस्तिका के लिए रुपए लेते दिखाई दे रहा था।

रिश्वत लेते कैमरे में कैद

सोमवार को कोठी तहसील के भंवर हल्का के पटवारी शिवेंद्र सिंह किसानों से पट्टा वितरण और ऋण पुस्तिका के लिए 15 हजार रुपए की मांग कर रहा था। पीड़ित किसान ने जिसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। जिसके बाद से राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया था।

एसडीएम ने जारी किया निलंबन आदेश

एसडीएम एल आर जांगड़े ने मंगलवार को कार्यालय पहुंचते ही पटवारी का निलंबन आदेश जारी कर दिया। निलंबन आदेश में कहा गया है कि पटवारी का यह कृत्य जिला प्रशासन और तहसील की छवि को धूमिल करने वाला है। राजस्व निरीक्षक वृत्त झाली, तहसील कोठी में तैनात पटवारी का यह कार्य मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उपनियम (1) और (3) का उल्लंघन है। प्रशासन ने इसे गंभीर कदाचरण की श्रेणी में रखा है।

सार-समाचार

हार्टफुलनेस संस्थान जबलपुर केंद्र से कुंडम में तीन दिन का ध्यान सत्र आयोजित

कुंडम, देशबन्धु। थाना कुंडम में हम लोगफव हार्टफुलनेस संस्थान जबलपुर केंद्र से कुंडम थाना में आए हुए हैं हमारा उद्देश्य यहां तीन दिन का ध्यान सत्र आयोजित करना है इस 3 दिन के सत्र के पूरा होने के बाद जो भी प्रतिभागी हैं उ न सब को यह सामर्थ मिल जाएगी कि वह जब भी ध्यान करें उनको प्राणाहुति मिलेगी यह संस्था सभी लोगों को निशुल्क ध्यान करना सिखाती है और इस संस्था का मुख्यालय यानी कि वर्ल्ड हेड क्वार्टर कन्हा शांतिवनम हैदराबाद में है जहां हमारे ग्लोबल गाइड श्री कमलेश डी पटेल, दाजी रहते हैं हम लोग चार प्रशिक्षक यहां पर आए जिनके नाम श्री आलोक श्रीवास्तव श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास्तव श्रीमती अलका श्रीवास्तव एवं मैं स्वयं के के श्रीवास्तव एवं समस्त पुलिस स्टाफ कुंडम और ग्रामीण जन उपस्थित इस कार्यक्रम में शामिल होकर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं

15 मई से सात दिवसीय पंचकल्याणक पनागर में

पनागर, देशबन्धु। आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर महाराज जी के परम शिष्य आचार्य श्री समय सागर महाराज जी के ससंघ सानिध्य में भगवान शांतिनाथ स्वामी की नगरी पनागर में 15 मइ से सात दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव होने जा रहा है श्री जैन प्रबंधकारनी सभा के साथ पनागर की संपूर्ण जैन समाज ने पूज्य गुरुवर से उक्त कार्यक्रम के लिए निवेदन किया था महाराज श्री ने स्वीकार करते हुए सभी लोगों को आशीर्वाद दिया उक्त समाचार प्राप्त होते ही जैन समाज एवं अन्य जेनेतर समाज में अभी हर्ष का वातावरण व्याप्त हो गया।

सिहोरा में सर्वोदय ब्राह्मण समाज द्वारा सदस्यता अभियान

सिहोरा, देशबन्धु। शीतल प्रसाद दुबे उपाध्यक्ष और महामंत्री जयप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में आज सर्वोदय ब्राह्मण समाज, सिहोरा द्वारा पालीवाल कॉलोनी में निवास कर रहे विप्र बंधुओं के घरों पर पहुंचकर सदस्यता राशि और समाज के लिए आर्थिक सहयोग एकत्र किया गया। इस कार्यक्रम में अर्जुन गर्ग और खितौला बाजार के सक्रिय सदस्य सुरेन्द्र मिश्रा, सतीश तिवारी, योगेन्द्र मिश्रा ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। यह जानकारी महामंत्री जयप्रकाश तिवारी द्वारा दी गई।

पोषण पखवाड़ा में अन्न प्राशन और शारीरिक माप संपन्न

गांधीग्राम, देशबन्धु। महिला बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार को गांधीग्राम स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 4 में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नवजात शिशुओं का अन्न प्राशन संस्कार रहा, जिसमें पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ बच्चों को ठोस आहार खिलाया गया।

इस अवसर पर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीता सिंह बघेल ने बच्चों के स्वस्थ विकास के महत्व पर प्रकाश डाला और माताओं को उचित पोषण संबंधी जानकारी प्रदान की। उन्होंने बच्चों के आहार में विविधता और पौष्टिक तत्वों को शामिल करने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की।

इसके अतिरिक्त, पोषण पखवाड़ा के तहत आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की शारीरिक माप भी की गई। आधुनिक मशीनों के माध्यम से बच्चों का वजन और लंबाई वास्तविक रूप से मापी गई, ताकि उनके विकास की नियमित निगरानी की जा सके। इस दौरान, कार्यकर्ता, सहायिका ने माताओं को बच्चों के विकास चार्ट के बारे में जानकारी दी और स्वस्थ विकास सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय की महिलाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया। उन्होंने महिला बाल विकास विभाग के इस पहल की सराहना की और बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीता सिंह बघेल ने बताया कि पोषण पखवाड़ा का उद्देश्य समुदाय में पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करते हैं और विभाग इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है।

यह कार्यक्रम गांधीग्राम और आसपास के क्षेत्रों में पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने और बच्चों के स्वस्थ विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

पनागर के मुख्य मार्ग में लगा भीषण जाम वाहनों की लगी लंबी कतारे, फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी जाम में फसी

पनागर, देशबन्धु। शासन, प्रशासन, पुलिस और यातायात विभाग के लाख दावों के बाद भी पनागर की यातायात व्यवस्था पटरी पर आने का नाम नहीं ले रही है और हालात यह है कि पनागर के मुख्य मार्गों पर जाम लगना आम हो गया है, इस जाम में सैकड़ो दो पहिया और चार पहिया वाहनों के साथ-साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ी फस गई, हालात ऐसे थे कि वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया।

जिससे लोगों को भरी गर्मी में दिक्कतों का सामना करना पड़ा, हैरानी की बात तो यह थी कि थाने से चंद कदमों की दूरी पर भीषण जाम लगने के बाद भी पुलिस नदारत थी, जिससे लोग जाम में फंसे रहे, बताया जा रहा है कि जाम लगने का कारण सड़क के आजू-बाजू लगने वाले फल और सब्जी की दुकान हैं, जो मुख्य मार्ग में अपनी दुकान सजा लेते हैं और जाम की स्थिति निर्मित करने का कारण बनते हैं, बताया जाता है कि इसकी शिकायत पनागर के रहवासियों ने कई बार शासन प्रशासन पुलिस से की लेकिन यह अधिकारी शिकायत सुनने के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं जिससे जाम के हालात निर्मित हो रहे हैं।

विद्युत कटौती से परेशान किसानों की बिजली विभाग ने करा दी पुलिस में शिकायत

पाटन देशबन्धु। पाटन ब्लॉक के सरोंद में स्थित बिजली विभाग के सब स्टेशन से अजीबों गरीब मामला निकलकर सामने आया है जहां बिजली कटौती से परेशान किसान गए तो थे रोजाना होने वाली विद्युत कटौती की शिकायत, लेकिन बिजली तो नही चालू की गई, उलटा बिजली विभाग के जिम्मेदारों ने किसानों के विरुद्ध नुनसर चौकी में शिकायत करके बताया कि किसान बिजली चालू कराने सब स्टेशन नहीं आए थे बल्कि बिजली बंद कराने आये थे। इस मामले को लेकर किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल दुर्गेश पटैल और जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटैल के नेतृत्व में नुनसर चौकी पहुंचे जहां पुलिस अधिकारियों से मिलकर बताया कि सब स्टेशन किसान बिजली चालू कराने गए थे। इसी संबंध में किसानों ने पूर्व में एक ज्ञापन चौकी प्रभारी को भी दिया है। जिसकी पावती किसानों के पास मौजूद है फिर बिजली विभाग के द्वारा किसानों की शिकायत किस लिए की गई है यह अपने आप में कई सवाल खड़े कर रहा है। वही चौकी प्रभारी ने आश्वासन दिया है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होगी और किसानों के साथ अन्याय नही होगा। किसान नेताओ ने कहा है यदि किसानों साथ अन्याय हुआ तो बिजली विभाग के विरुद्ध उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर किसान नेता दुर्गेश पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विवेक पटेल, नवीन पटेल राजकिशोर पटेल, जितेंद्र पटेल, सरपंच सतपाल पटेल, अश्विन पटेल, सचिन जायसवाल, रामराज पटैल, गोलू तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में किसान नुनसर चौकी पहुंचे थे।

सीएम राइज स्कूल में पदस्य प्राचार्य और शिक्षक समय पर नहीं पहुंच रहे स्कूल

पाटन देशबन्धु। प्रदेश सरकार के द्वारा प्रत्येक ब्लॉक एवं जिला में सीएम राइज स्कूल जैसी संस्था खोली है और शासन स्तर पर इन शासकीय स्कूल में समस्त सुविधाएं प्रदान की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएम राइज स्कूल में पदस्थ प्राचार्य अनुज सेन एवं उनका स्टाफ सुबह साढ़े 7 बजे स्कूल से नदारद मिले कोई भी शिक्षक स्कूल में नहीं मिला स्कूल प्रांगण में मात्र 3 बच्चियां ही मिली बताया जा रहा है कि सीएम राइज स्कूल में छात्र छात्राएं अध्ययन करती है बच्चे तो समय पर स्कूल पहुंच रहे हैं लेकिन उनको शिक्षा देने वाले टीचर और प्राचार्य स्कूल समय पर नहीं पहुंच रहे हैं। जिला कलेक्टर ने अपने आदेश में स्पष्ट बताया है कि ग्रीष्मकालीन कक्षाएं साढ़े 7 बजे हर हाल में लगना चाहिए और 12 बजे तक छात्रों की छुट्टी होना अनिवार्य है। इस आदेश को ठेंगा दिखाने में पाटन में पदस्य शिक्षक और प्राचार्य जिले में अब्बल है। अब देखना होगा जिला शिक्षा अधिकारी पाटन ब्लॉक में संचालित स्कूलों के औचक निरीक्षण पर कब तक निकलते है। या फिर फोन पर ही बातचीत करके इस गंभीर मामले को रफा दफा कर देगे।

जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी, विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किया जा रहा खिलवाड़

इनका कहना

जब इस संबंध में सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य से बात की गई तो उन्होंने बताया कि हम सभी 4 शिक्षक अनुज सेन, विक्की अजय, और अंजली की सप्लीमेंट्री परीक्षा जो 16 अप्रैल से शुरू हो रही है उसमें ड्यूटी लगी है। और पेपर वाली पेटी उठाने जाना है। इसलिए हम लोग आ गए और आज बच्चे भी कम ही स्कूल आए है।

अनुज सेन, प्राचार्य सीएम राइज स्कूल पाटन, जिला जबलपुर

सिंगोली में जैन साधु भगवंतों के साथ जो मारपीट की घटना हुई है, वह अत्यंत आघातजनक और भयावह है

शहपुरा भिटोनी, देशबन्धु। सिंगरोली में जैन साधु भगवंतों के साथ जो मारपीट की घटना हुई है, वह अत्यंत आघातजनक और भयावह है।

*घटना के फोटो देखकर आंखें भर आयीं। बुजुर्ग संतों को कितनी निर्दयता से पीटा गया है ! अहिंसक जीवन जीने वाले जैन साधु-संत तो सदैव स्व-पर कल्याण के लिये तत्पर रहते हैं। ऐसों के साथ हिंसक प्रवृत्तियां देखकर विचार आता है कि आगे जैन साध्वियों-सतियों के विहार कैसे होंगे इस आशय के विचार मध्य प्रदेश दिगंबर जैन परिषद की ओर से प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन कुमार जैन ने जारी एक बयान में व्यक्त करते हुए इस मामले की कड़ी निंदा की है।

आगे कहा कि लगता है कि अहिंसक और शांत रहते हुए भी यह समय चुप बैठने का नहीं है. समग्र जैन समाज ही नहीं, अच्छाइयों में आस्था रखने वाले सभी जाति-वर्ग के लोगों को आगे आकर ऐसी प्रवृतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद करनी चाहिये।

गत वर्ष भरूच के पास जैन साध्वियों के साथ मारपीट हुई थी. आज मध्यप्रदेश में संतों के साथ ऐसा हुआ. कल ऐसी घटना किसी और के साथ भी घट सकती है।

यह राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध और नानक का देश है की और सांस्कृतिक परंपराओं को कलंकित करने वाली घटना है इसे सहन नहीं किया जाएगा जब संत महंत आचार्य तपस्वी सुरक्षित नहीं है तब आम आदमी की सुरक्षा की कोई गुंजाइश ही नहीं रही। हिंदु राष्ट्र धर्म का डंका पीटने वाली सरकार के रहते यह घटना सभी समाज के लोगों की आंख खोलने वाली है ऐसी घटनाओं और कृत्यों का सभी को पूरी ताकत के साथ विरोध करना चाहिए और ऐसी हरकतों को

अंजाम देने वालों को सबक सिखाना चाहिए सभी संगठित बनकर जैन साधु-संतों की सुरक्षा का प्रबंध करना चाहिए। आगे कहा कि साधु-संत बचे तो ही धर्म, समाज और राष्ट्र बचेगा.घटना के फोटो देखकर आंखें भर आयीं। बुजुर्ग संतों को कितनी निर्दयता से पीटा गया है ! अहिंसक जीवन जीने वाले जैन साधु-संत तो सदैव स्व-पर कल्याण के लिये तत्पर रहते हैं। ऐसों के साथ हिंसक प्रवृत्तियां देखकर विचार आता है कि आगे जैन साध्वियों-सतियों के विहार कैसे होंगे इस आशय के विचार मध्य प्रदेश दिगंबर जैन परिषद की ओर से प्रदेश उपाध्यक्ष सुमन कुमार जैन ने जारी एक बयान में व्यक्त करते हुए इस मामले की कड़ी निंदा की है

आगे कहा कि लगता है कि अहिंसक और शांत रहते हुए भी यह समय चुप बैठने का नहीं है. समग्र जैन समाज ही नहीं, अच्छाइयों में आस्था रखने वाले सभी जाति-वर्ग के लोगों को आगे आकर ऐसी प्रवृतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद करनी चाहिये। गत वर्ष भरूच के पास जैन साध्वियों के साथ मारपीट हुई थी. आज मध्यप्रदेश में संतों के साथ ऐसा हुआ. कल ऐसी घटना किसी और के साथ भी घट सकती है ।

यह राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध और नानक का देश है की और सांस्कृतिक परंपराओं को कलंकित करने वाली घटना है इसे सहन नहीं किया जाएगा जब संत महंत आचार्य तपस्वी सुरक्षित नहीं है तब आम आदमी की सुरक्षा की कोई गुंजाइश ही नहीं रही

हिंदु राष्ट्र धर्म का डंका पीटने वाली सरकार के रहते यह घटना सभी समाज के लोगों की आंख खोलने वाली है ऐसी घटनाओं और कृत्यों का सभी को पूरी ताकत के साथ विरोध करना चाहिए और ऐसी हरकतों को अंजाम देने वालों को सबक सिखाना चाहिए सभी संगठित बनकर जैन साधु-संतों की सुरक्षा का प्रबंध करना चाहिए।

विद्यार्थियों का 15 दिवसीय इंटर्नशिप संपन्न होने पर प्रमाण पत्र वितरित

बरेला, देशबन्धु। व्यवसायिक ट्रेड कृषि का इंटर्नशिप संपन्न होने पर उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (ऊस्रत्रड्ढ)की रिसर्च हेड प्रोफेसर डॉ नैनीता बेरी द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए। बच्चों ने 15 दिन में फील्ड पर जो मेहनत की, रिकार्ड्स तैयार किये इसकी बहुत प्रशंसा की।

ब्यूटी एंड वेलनेस ट्रेड के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण उपरान्त सर्टिफिकेट डॉली ब्यूटी पार्लर की प्रबंधक श्रीमती डॉली सूर्यवंशी द्वारा प्रदान किये गए इंटर्नशिप में स्किन और हेयर केयर की न्यू थेरेपीज सीखकर बालिकायें अत्यंत प्रसन्न है. क्यूंकि ऐसे कोर्सेस हज़ारो रुपये खर्च कर सिखने पढ़ते है. सफलता पूर्वक इंटर्नशिप संपन्न कराने प्राचार्य श्रीमती आभा वानखेड़े ने दोनों ही संस्थानों का आभार व्यक्त किया।

पैसा हमसे पूरा लो, बिजली हमको पूरी दो: भारतीय किसान संघ

पनागर, देशबन्धु। विधुत पूर्व क्षेत्र पनागर में बिजली विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण किसान परेशान हैं। जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने में देरी हो रही है, जिससे किसानों की फसल खराब हो रही है।

अर्जुन पटेल, बरोदा निवासी के द्वारा शिकायत करने के 7 दिन बाद भी ट्रांसफार्म नहीं बदला गया।कमलेश पटेल, घुरौवा निवासी -के द्वारा शिकायत करने के 5 दिन बाद भी ट्रांसफार्म जला हुआ है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं के गई।

इसी प्रकार अशोक पटेल, भिडारी कला - 5 दिन से ट्रांसफार्म जला हुआ है इनके यह भी किसे 1 प्रकार के कोई कार्यवाही विद्युत विभाग के द्वारा नहीं के जा रही है प्रहलाद सिंह पटेल, प्रांत महामंत्री बिजली कर्मचारियों की लापरवाही पर चिंता व्यक्त की रामदास पटेल, जिला अध्यक्ष बिजली विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंग जितेंद्र पटेल, पनागर तहसील अध्यक्ष - जल्द ही जले ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की भारतीय किशन के द्वारा यदि विद्युत विभाग के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं के गई तो

भारतीय किसान संघ ने बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव करने और धरना आंदोलन करने की चेतावनी दी है, जिसकी जवाबदारी बिजली विभाग के वरिष्ठ कर्मचारियों की होगी। संघ ने बिजली विभाग से अपने काम में सुधार लाने की मांग की है।

किसानों ने विद्युत विभाग से मांग करते हुए कहा कि पैसा हमसे पूरा लो, बिजली हमको पूरी दो। इस मामले में बिजली विभाग को जल्द से जल्द कार्रवाई करनी चाहिए और किसानों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। बिजली विभाग की शिकायत के लिए आप 1912 पर संपर्क कर सकते हैं ख।

ईरान में मारे गए आठ पाकिस्तानी नागरिकों के परिजनों को शवों की वापसी का इंतजार

इस्लामाबाद, (आईएएनएस)। ईरान के मेहरिस्तान में आठ पाकिस्तानी नागरिकों की नृशंस हत्या के बाद इस्लामाबाद ने राजनयिक स्तर से जांच शुरू कर दी है। इस बीच पंजाब के बहावलपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले मृतकों के परिजनों ने सरकार से अपील की है कि उनके प्रियजनों के शवों को तुरंत वापस लाया जाए, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। यह घटना ईरान के मेहरिस्तान इलाके में हुई, जो पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा से लगभग 230 किलोमीटर दूर स्थित है। मृतकों के हाथ-पैर बंधे हुए मिले, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह एक सुनियोजित हत्या थी। बलोच अलगाववादी संगठन बलोच नेशनलिस्ट आर्मी (बीएनए) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन का कहना है कि पीड़ितों को पंजाब प्रांत से होने के कारण निशाना बनाया गया। सभी मृतक एक ही परिवार से थे और एक वर्कशॉप में कार मैकेनिक का काम करते थे। परिजनों का कहना है कि वे गहरे सदमे में हैं और जल्द से जल्द शवों की वापसी चाहते हैं।

अमेरिकी मिसाइलों से यमन की धरती खून से लाल, 45 दिन में 123 मौतें

तेलअवीव। डोनाल्ड ट्रंप यमन में हूतियों के खात्मे की कसम खा चुके हैं। यमन में स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट है कि मार्च महीने से अब तक अमेरिकी हवाई हमलों में मारे गए लोगों की संख्या 123 पार हो गई है।

दुनिया की महाशक्ति अमेरिका की मिसाइलें अब यमन में आम लोगों के सीने चीर रही हैं, अस्पतालों से कारखानों तक हर जगह मातम पसरा है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल शुरू होने के बाद से यमन में किए जा रहे हवाई हमलों ने अब तक कम से कम 123 लोगों की जान ले ली है, जिनमें अधिकांश आम नागरिक हैं। यमन की राजधानी सना से स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि इन हमलों में 247 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

रविवार को सना प्रांत के एक सिरेमिक कारखाने पर अमेरिकी मिसाइल हमला हुआ, जिसमें 6 लोगों की मौत और 30 घायल हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अमेरिका पर नागरिक ढांचे और औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

ट्रंप ने खाई है हूतियों के खात्मे की कसम

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि हूती विद्रोहियों को पूरी तरह से खत्म किया जाएगा और अमेरिका के दैनिक हवाई हमले जारी रहेंगे। अमेरिका का कहना है कि ये हमले हूती लड़ाकों को रेड सी और इजरायल पर हमलों से रोकने के लिए किए जा रहे हैं। हालांकि, हूती गुट का कहना है कि वे फिलिस्तीन के समर्थन में तब तक संघर्ष जारी रखेंगे जब तक इजरायल गाजा में युद्ध और नाकाबंदी को समाप्त नहीं करता। हूतियों ने दावा किया कि उन्होंने इज़रायल पर दो मिसाइलें दागीं और इज़रायली तट पर एक ड्रोन हमला भी किया। इससे यरुशलम और तेल अवीव में सायरन बजने लगे। हालांकि, इजरायली सेना ने कहा कि एक मिसाइल को इंटरसेप्ट कर लिया गया।

नाटो का हमला हुआ तो सबसे पहले खाक होंगे पोलैंड और बाल्टिक देश, रूस की खुली धमकी

मास्को। रूस ने अब पश्चिम देशों को खुली धमकी दी है। खुफिया विभाग के प्रमुख और पुतिन के खास सिपहसलार ने कहा कि अगर नाटो ने हमला किया तो सबसे पहले तबाही पोलैंड और बाल्टिक देशों में होगी। रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध के बीच व्लादिमीर पुतिन के खास सिपहसलार और रूस की विदेशी खुफिया एजेंसी के प्रमुख सर्गेई नारिश्किन ने पश्चिमी देशों को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यदि नाटो ने रूस या उसके करीबी सहयोगी बेलारूस पर कोई भी आक्रामक कार्रवाई की, तो सबसे पहले पोलैंड और बाल्टिक देश तबाह होंगे। यह बयान रशियन न्यूज़ एजेंसी ने उनके हवाले से जारी किया है। इस बयान से क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ने की आशंका है।

नारिश्किन ने क्या कहा?- उन्होंने कहा, अगर नाटोने रूस या बेलारूस के खिलाफ कोई भी सैन्य कार्रवाई की, तो इसका खामियाजा पूरे ह्लञ्जह्र को भुगतना पड़ेगा। लेकिन सबसे पहले तबाही पोलैंड और बाल्टिक देशों पर टूटेगी। नारिश्किन पुतिन के बेहद करीबी और रूसी खुफिया विभाग के सबसे ताकतवर चेहरों में से एक माने जाते हैं। उनके बयान साफ संकेत है कि रूस पश्चिमी गठबंधन के किसी भी संभावित हस्तक्षेप के लिए तैयार है और प्रतिरोध की नीति अपनाएगा।

पोलैंड और बाल्टिक देश निशाने पर क्यों?- पोलैंड और एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया जैसे बाल्टिक देश ह्लञ्जह्र के सदस्य हैं और रूस की पश्चिमी सीमा से सटे हुए हैं। हाल के वर्षों में इन देशों ने रूस के खिलाफ मुखर रुख अपनाया है और यूक्रेन को समर्थन देने में भी आगे रहे हैं। रूस इन्हें "नाटा की अग्रिम चौकियां' मानता है।

यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी हस्तक्षेप

रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते रूस और नाटो देशों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को आर्थिक, सैन्य और खुफिया मदद दे रहे हैं।

आज का इतिहास

1746- जैकोबेट राइजिंग 1745- कल्लोडेन की लड़ाई, ब्रिटिश मिट्टी पर आखिरी लड़ाई- क्यूम्बरलैंड के राजा के तहत रॉयलस्ट सैनिकों ने याकूब की सेना को हराया।
1780- म्यूनस्टर विश्वविद्यालय की, नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया, जर्मनी में स्थापना की गई।
1853- भारत में पहली रेल बम्बई (अब मुंबई) से ठाणे के बीच चली।
1889- अपने बेहतरीन अभिनय से दुनिया को हंसाने वाले चार्ली चैपलिन का जन्म।
1919- अमृतसर में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड में मरने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए महात्मा गांधी ने प्रार्थना सभा और उपवास की घोषणा की।
1945- एक सोवियत पनडुब्बी के कारण जर्मन शरणार्थी पोत डूब गया, जिससे 7000 लोग मारे गए।
1976- आठ वर्ष तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और 13 वर्षों तक लेबर पार्टी के नेता रहे, हैरल्ड विल्सन ने त्यागपत्र दिया।

सुडोकू 6884

3		2				8		
					7		2	
	1	6			8			9
					5		9	
5			1		4			7
	4		6					
1			9			3	7	
	3		7					
		4				1		5

: नियम :
1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

शी जिनपिंग ने अमेरिका की किस दुखती रग पर रख दिया हाथ? पहले कदम से ही क्यों बौखला उठे ट्रंप

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ताबड़तोड़ कदम उठा रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने अमेरिका के 145 फीसदी टैरिफ के जवाब में 125 फीसदी का शुल्क लगाया फिर जवाबी वीजा प्रतिबंध लगाया और अब वह इस जंग में पड़ोसी देशों को साथ लेने की मुहिम में जुट गए हैं। इसके तहत पहले कदम के तौर पर शी जिनपिंग दक्षिण-पूर्व एशिया के तीन पड़ोसी देशों वियतनाम, मलेशिया और कंबोडिया के पांच दिवसीय राजकीय दौरे पर निकल पड़े हैं। जिनपिंग के इस कदम से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बौखला उठे हैं। सोमवार को शी जिनपिग अपनी यात्रा के पहले पड़ाव के दौरान वियतनाम की राजधानी हनोई पहुंचे, जहां शी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बाद में जिनपिंग ने वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख टो लैम से मुलाकात की। दोनों देशों ने आपसी आर्थिक संबंधों को गहरा करने के लिए 45 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। चीनी राष्ट्रपति ने वियतनाम से अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ वॉर को 'एकतरफा बदमाशी' करार दिया और मिलकर उसका विरोध करने का आह्वान किया।

चीन-वियतनाम के मिलने से ट्रंप परेशान- उधर, दो पड़ोसियों के मिलने से अमेरिका परेशान हो उठा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शी के इस दांव को परेशान करने वाला कदम करार दिया है और कहा है कि चीन दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहा है। सोमवार को हनोई में चीनी राष्ट्रपति ने वियतनामी नेतृत्व के साथ व्यापार संबंधों पर चर्चा की, लेकिन ट्रंप का कहना है कि यह बैठक इस बात पर चर्चा करने के लिए हुई कि अमेरिका को किस प्रकार नुकसान पहुंचाया जाए। हालांकि, उन्होंने वाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, मैं चीन को दोष नहीं देता, मैं वियतनाम को भी दोष नहीं देता। यह एक शानदार बैठक थी। बैठक में यह पता लगाने की कोशिश की गई कि संयुक्त राज्य अमेरिका को कैसे नुकसान पहुँचाया जा सकता है?

शी जिनपिंग का क्या आह्वान- शी जिनपिंग की वियतनाम यात्रा दक्षिण-पूर्व एशियाई देश के नेता टो लैम द्वारा अपने बड़े पड़ोसी के साथ मजबूत व्यापारिक संबंधों का आग्रह करने के बाद हुई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शी के हवाले से कहा, चीन का मेगा बाजार हमेशा वियतनाम के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि चीन और वियतनाम को रणनीतिक रूप से अपने फोकस को मजबूत करना चाहिए और अमेरिका की एकतरफा टैरिफ ऐक्शन का विरोध करना चाहिए। अमेरिका ने वियतनाम पर भी 46 फीसदी का भारी भरकम टैक्स लगाया है। हालांकि, कई अन्य देशों के तरह वियतनाम ने भी अमेरिका से टैरिफ कम करने की गुहार लगाई है लेकिन इस बीच चीनी राष्ट्रपति के कदम ने भू-रणनीतिक बदलाव ला दिया है।

अमेरिका की दुखती रग क्या?- दरअसल, वियतानम एक प्रमुख औद्योगिक और असेंबली केंद्र है, जो अमेरिका के लिए जूते और कपड़े व ड्रेस से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक और रोजमर्रे के कई सामानों का महत्वपूर्ण स्रोत है। वियतनाम के सीमा शुल्क डेटा के अनुमानों के अनुसार, देश की कुल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 30 फीसदी अमेरिका को निर्यात होने वाले सामानों पर निर्भर है। वियनाम से अमेरिका निर्यात होने वाले सामानों में कई मसीनरी और उसके उपकरण, खिलौने और खेल के सामान, खाद्य पार्थों में काजू, बादाम, अखरोट, मछली और अन्य कृषि उपज भी शामिल हैं। 2022 में वियतनाम से अमेरिका निर्यात होने वाले सामानों का बाजार मूल्य 127.5 अरब डॉलर था। मौजूदा दौरे पर शी जिनपिंग ने वियतनाम के साथ 45 समझौतों पर दस्तखत किए है।

गाजा में खून-खराबे से तंग आ गई इजरायली फौज, नेतन्याहू पर फूट पड़ा गुस्सा, बगावत का ऐलान

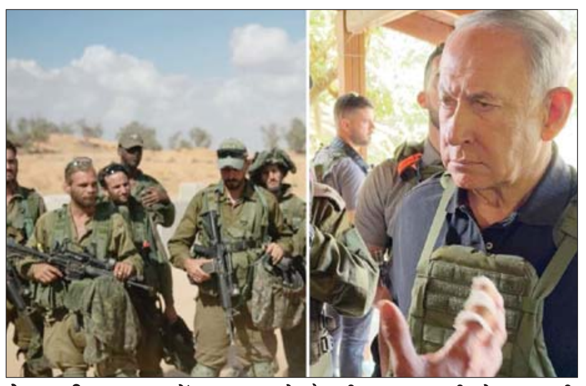

तेलअवीव। गाजा में खून-खराबे के बीच इजरायली सेना अपनी ही सरकार के खिलाफ बगावत पर उतर आई है। दरअसल, गाजा में लड़ रहे सैनिक छह महीने से जारी खून-खराबे और बंधकों की घर वापसी में हो रही देरी को लेकर नेतन्याहू सरकार से तंग आ चुके हैं।

एक चौंकाने वाली पहल में इजरायल की नामी गोलानी ब्रिगेड ने खुला पत्र जारी कर सरकार से कहा है, अब इस युद्ध को खत्म करो और अपने लोगों को घर वापस लाओ! उधर, अपने सैनिकों के इस कदम से बौखलाई नेतन्याहू सरकार ने सख्ती अपनाने की चेतावनी दी है।

पत्र लिखकर युद्ध रोकने की धमकी देने और सरकार को सलाह के लिए सैनिकों को नौकरी से बर्खास्त किया जा सकता है। अलजजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में विरोध की यह आग केवल गोलानी ब्रिगेड तक सीमित नहीं है। इससे पहले इजरायली एयरफोर्स के 1000 रिज़र्व पायलट, 200 मिलिट्री डॉक्टर, नौसेना और आर्मर्ड कोर के सैकड़ों अफसरों ने भी ऐसे ही पत्रों पर दस्तखत किए हैं। सेना के भीतर बढ़ती इस असहमति ने नेतन्याहू सरकार की नींद उड़ा दी है।

नेतन्याहू की चेतावनी- प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि जो भी सैनिक इस तरह की याचिकाओं पर हस्ताक्षर करेंगे, उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया जाएगा। लेकिन अब सवाल ये है कि जब खुद जंग लड़ने वाले ही शांति मांग रहे हैं, तो सरकार कब तक टालमटोल करती रहेगी? इधर, हमास ने भी संकेत दिए हैं कि वह नए संघर्षविराम प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, हालांकि उसने हथियार छोड़ने की किसी भी शर्त को सिरे से खारिज कर दिया है।

गाजा में भयावह हालात

गाज़ा के हालात बेहद भयावह हो चुके हैं। अब तक 50,983 फिलीस्तीनी मारे जा चुके हैं और 1,16,000 से ज़्यादा घायल हैं। वहीं, अक्टूबर 2023 में हमास के हमलों में 1,139 इज़राइली मारे गए थे और 200 से ज़्यादा लोग बंधक बना लिए गए थे। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो अब वेस्ट बैंक भी जल रहा है। सिर्फ जनवरी और फरवरी 2025 में यहां 44,000 से अधिक लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए, जिनमें से ज़्यादातर उत्तर के युद्ध प्रभावित इलाकों से हैं। हृ ने चेतावनी दी है—अगर वक्त रहते हालात नहीं बदले, तो वेस्ट बैंक भी अगला गाज़ा बन जाएगा।

क्यों जरूरी था बिल गेट्स से तलाक? मेलिंडा गेट्स ने अपने रिश्तों पर से उठाया परदा

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की पूर्व पत्नी मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने आखिरकार 2021 में हुए तलाक पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने हालिया बयान में बताया कि आखिर बिल गेट्स के साथ उनका तलाक क्यों इतना आवश्यक हो गया था। मेलिंडा ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प खुलासे भी किए। मेलिंडा ने ब्रिटेन के प्रतिष्ठित अखबार द टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि उनका यह तलाक जरूरी था, क्योंकि वह उस रिश्ते में अपने मूल्यों के साथ जी नहीं पा रही थीं। यह बयान बिल गेट्स की उस टिप्पणी के कुछ ही हफ्ते बाद आया है जिसमें उन्होंने अपने और मेलिंडा के तलाक को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती बताया था।

मेलिंडा ने बताया क्यों जरूरी था बिल गेट्स से तलाक- मेलिंडा ने साफ कहा, अगर आप अपने सबसे करीबी रिश्ते में अपने मूल्यों के साथ नहीं जी पा रहे हों, तो उस रिश्ते को छोड़ देना ही जरूरी होता है। हालांकि, उन्होंने बिल गेट्स के बयान पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया और कहा, मैं नहीं जानती कि उन्होंने वो बात किस अर्थ में कही थी, इसलिए मैं उस पर टिप्पणी नहीं कर सकती।

इंटरव्यू में मेलिंडा ने ये भी खुलासा किया कि तलाक का दौर उनके लिए बेहद भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कैसे एक समय ऐसा आया जब उन्हें पैनिक अटैक तक होने लगे थे। यह सब तब शुरू हुआ जब 2014 में एक दोपहर के खाने के दौरान उन्होंने पहली बार इस बेचैनी को महसूस किया। इसके बाद उन्होंने थेरेपी लेना शुरू किया, जिससे उन्हें राहत मिली। शुरू में उन्हें संदेह था, लेकिन फिर उन्होंने समझा कि थेरेपी का मतलब टूटना नहीं, बल्कि जटिल भावनाओं को समझना होता है। मेलिंडा ने कहा, हम दोनों के अब अलग जीवन हैं। और मैं अब बहुत खुश हूं। गौरतलब है कि बिल गेट्स ने इसी साल फरवरी में एनबीसी के एक शो में कहा था, बेशक तलाक एक अच्छी चीज नहीं थी, लेकिन हमारे तीन बेहतरीन बच्चे हैं। अगर मुझे ये पहले से पता भी होता कि यह रिश्ता नहीं टिकेगा, तब भी मैं इसे दोहराता। बिल और मेलिंडा के तीन बच्चे, फीबी (22), रॉरी (25) और जेनिफर (28) हैं, दोनों ने 27 साल साथ बिताए।

वर्ग पहेली 6884

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४					■	■	

बायें से दायें:-
१. मधुदैत्य का वध करने वाले श्रीकृष्ण, भौंरा
४. जिसका विरोध न हुआ हो, स्वच्छंद, श्रीकृष्ण के प्रपौत्र
६. लौटना, वापस आना
७. हालत, दशा, आनंद, मजा, रंग
८. झूठ, झूठी बात
१०. फौरन
११. नियम बनाने वाला, व्यवस्थापक, नियंता
१३. पृष्ठ या पन्ने के चारों ओर प्राय: सादा किनारा (उर्दू)
१४. कीमत
१५. चंदन
१७. दया, कृपा
१९. चेहरे पर का काला धब्बा,
२१. दर्शन करना, निहारना
२२. किसी दल या गिरोह का प्रधान
२४. मछुआरा

ऊपर से नीचे:-
१. फूलों का पराग
२. सूर्य पुत्री, यमुना
३. नया आया हुआ
४. बेहद
५. अपमानित (उर्दू)
९. रूढ़िवादी (उर्दू)
११. व्यर्थ, बेतार, फलरहित
१२. कामदेव
१३. स्थिति, दशा (उर्दू)
१४. कमल
१५. शिव
१६. नाम के अनुरूप
१८. रक्तपान करने वाला
१९. कछुआ
२०. उपाधि, खिताब
२३. दिनांक

वर्ग पहेली-6883

१ अ	प	२ हा	र	क	■	३ प	थ	४ क	र
भि	■	ज	■	५ स	म	क्ष	■	र्क	■
६ ला	ग	त	■	म	■	७ पा	ठ	शा	८ ला
षा	■	मं	■	९ सा	बि	त	■	■	क्षा
■	१० ब	द	११ ल	ना	■	■	१२ प्र	लो	भ
■	ल	■	क्ष	■	१३ आ	दि	त्य	■	व
१४ नि	वा	१५ र	ण	■	दे	■	१६ य	१७ व	न
के	■	स	■	१८ रो	श	१९ नी	■	त्य	■
२० त	बा	ही	■	च	■	२१ ति	जा	र	२२ त
न	■	२३ न	स	क	टा	■	■	■	र्क

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

राजनीति *डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के अस्तित्व पर मंडराने लगा खतरा*

गुलाम नबी आजाद ने अपनी पार्टी की सभी समितियां कीं भंग

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी (डीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने राज्य, प्रांतिय, जिला और ब्लाक समितियों सहित पार्टी की सभी इकाइयों को भंग कर दिया है, साथ ही प्रवक्ताओं के पैनल को भी भंग कर दिया है। इसके साथ ही पार्टी के अस्तित्व पर खतरा।

मंडराने लगा है। पार्टी की ओर से जारी एक आधिकारिक संचार में कहा गया है कि डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने प्रवक्ता सहित राज्य, प्रांतीय, जिला और ब्लाक समितियों सहित पार्टी की सभी इकाइयों को भंग कर दिया है।

इसमें आगे कहा गया है कि समितियों का उचित समय पर पुनर्गठन किया जाएगा। यह अध्यक्ष की स्वीकृति से जारी किया जाता है। यह आदेश अध्यक्ष के सचिव बशीर आरिफ द्वारा जारी किया गया है। इतना जरूर था कि इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की पार्टी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है क्योंकि बताया जा रहा है कि उनकी पार्टी के अधिकतर नेता पार्टी को छोड़ने जा रहे है।

■ समितियों का उचित समय पर होगा पुनर्गठन

पार्टी सूत्रों का कहना था कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद और केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का राजनीतिक सफर केंद्र शासित प्रदेश में अपने 'अंतिम पड़ाव' पर हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि वर्ष 2022 में कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेताओं ने फिर से बड़ी पुरानी पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक ताज मोहिउद्दीन के नेतृत्व में कई नेता अगले कुछ दिनों में फिर से कांग्रेस में शामिल होने वाले हैं।

ताज ने आजाद की पार्टी में शामिल होने के लिए अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। बाद में उन्होंने पिछले साल अगस्त में पार्टी से इस्तीफे की घोषणा की और फिर उड़ी निर्वाचन क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में 2024 का विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन असफल रहे। बदलते घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस में फिर से शामिल होने का इरादा रखने वाले अन्य नेताओं में जीएम सरूरी, देवसर से मुहम्मद अमीन भट, अशोक कुमार, गुलजार अहमद वानी और अन्य शामिल हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस सप्ताह जम्मू या नई दिल्ली में बड़े पैमाने पर फिर से शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस में फिर से शामिल होने की उम्मीद रखने वाले कई नेताओं ने पिछले साल ही डीपीएपी से इस्तीफा दे दिया था।

गौरतलब है कि इससे पहले यह खबर दी जा चुकी थी कि 2024 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद डीपीएपी अनिश्चित भविष्य का सामना कर रही है। पार्टी की गतिविधियां ठप्प हो गई हैं, और आजाद खुद जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य से असामान्य चुप्पी और अनुपस्थिति बनाए हुए हैं।

खेल जगत

जीत आत्मविश्वास को बढ़ावा देगी : धोनी

लखनऊ। चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार पांच मैचों से हार का सिलसिला खत्म किया और कई बार की तरह कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने शिवम दुबे की दमदार पारी के साथ प्लेयर ऑफ द मैच का प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट से जीत दर्ज की। सीएसके वर्तमान में आईपीएल 2025 अंक तालिका में सबसे नीचे है, जिसने रात में अपना दूसरा मैच जीता। धोनी ने स्वीकार किया कि चीजें कठिन रही हैं और उम्मीद है कि जीत आत्मविश्वास को बढ़ावा देगी। मैच जीतना अच्छा है। जब आप इस तरह का टूर्नामेंट खेलते हैं, तो आप मैच जीतना चाहते हैं। दुर्भाग्य से (पहले के) मैच किसी भी कारण से हमारे पक्ष में नहीं गए। इसके कई कारण हो सकते हैं। हमारे पक्ष में जीत होना अच्छा है। इससे पूरी टीम को आत्मविश्वास मिलता है और हमें उन क्षेत्रों में सुधार करने में मदद मिलती है, जिनमें हम सुधार करना चाहते हैं।

बेस्ट फिटनेस में न होने के बावजूद धोनी ने हिम्मत नहीं हारी : बांगर

लखनऊ, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर संजय बांगड़ ने चेन्नई सुपर किंग्स की पांच मैचों की हार का सिलसिला खत्म होने के बाद एम.एस. धोनी की फिटनेस और उनके मैच खत्म करने की क्षमता पर बात की। उन्होंने कहा कि धोनी भले ही अपनी पूरी फिटनेस में नहीं थे, लेकिन फिर भी उन्होंने हिम्मत दिखाई और टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। मैच में जब रचिन रवींद्र और डेब्यू कर रहे शेख राशिद ने चेन्नई को 167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत दी, तभी लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिन गेंदबाजों ने मैच में वापसी की। लेकिन धोनी ने 11 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर, और शिवम दुबे के 37 गेंदों में नाबाद 43 रन के साथ, मैच को फिर से चेन्नई के पक्ष में कर दिया और टीम ने पांच विकेट से जीत दर्ज की। बांगड़ ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि धोनी पूरी तरह फिट नहीं थे। आखिरी ओवरों में जब वह विकेट के पीछे गेंद पकड़ रहे थे, तब वह हल्के से लड़खड़ा रहे थे। लेकिन फिर भी उन्होंने पूरी कोशिश की और शानदार बल्लेबाजी की। विकेटों के बीच दौड़ते समय वह थोड़े संघर्ष

आईपीएल 2025

धोनी पूरी तरह फिट नहीं थे। आखिरी ओवरों में जब वह विकेट के पीछे गेंद पकड़ रहे थे, तब वह हल्के से लड़खड़ा रहे थे। लेकिन फिर भी उन्होंने पूरी कोशिश की और शानदार बल्लेबाजी की : संजय बांगड़

कर रहे थे, लेकिन फिर भी शांत दिमाग से खेलते रहे और एक मजबूत साझेदारी की। जैसे-जैसे मैच नजदीक आता है, विरोधी टीम से गलती की संभावना बढ़ जाती है। यही धोनी की खासियत है कि वह आखिरी समय में मौका ढूंढ ही लेते हैं और मैच को शानदार तरीके से खत्म करते हैं। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने भी धोनी की मौजूदगी की अहमियत पर बात करते हुए कहा कि मैदान पर धोनी का होना बहुत बड़ी बात है, खासकर मैच के अंतिम ओवरों में। आज ऊपर के बल्लेबाजों ने उन्हें एक ऐसा लक्ष्य दिया जो हासिल करना मुमकिन था। इससे पहले के मैचों में निचले क्रम को बहुत कठिन लक्ष्य मिल रहे थे। हर ओवर में 14-15 रन चाहिए होते थे, जो हर बार मुमकिन नहीं होता। लेकिन आज का लक्ष्य आसान था, और जब ऐसा होता है, तो धोनी ज्यादातर बार मैच जिता ही देते हैं। आरोन ने यह भी कहा कि लखनऊ के गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में एक ही तरह की गेंदबाजी की। सिर्फ वाइड लाइन डाली, न तो बाउंसर फेंकी और न ही ऑफ स्टंप के बाहर धीमी गेंद आजमाई। रवि बिश्नोई को एक और ओवर न देना भी उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ। पांच लगातार हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने आखिरकार जीत का रास्ता पाया। अब सात मैचों में उनके पास दो जीत हैं। अगला मुकाबला 20 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ होगा। संजय बांगड़ ने कहा कि यह जीत बिल्कुल आसान नहीं थी क्योंकि चेन्नई के बल्लेबाजों

ऋतुराज गायकवाड़ की जगह 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे

चेन्नई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई के 17-वर्षीय सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को अपने चोटिल कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह टीम में शामिल किया है। उन्हें उनके बेस प्राइस 30 लाख रूपये के बराबर राशि मिलेगी। म्हात्रे ने अभी तक टी20 क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है, लेकिन उनके नाम दो प्रथम श्रेणी और दो लिस्ट ए शतक हैं। वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं और उनके नाम चार लिस्ट ए पारियों में सात विकेट भी हैं। सीएसके के गेंदबाजी सलाहकार एरिक सिमंस ने बताया, वह चेन्नई में ट्रायल के लिए आए थे और नेट्स में हमारे साथ जुड़े थे।

इन युवा खिलाड़ियों को खेलते देखना एक सुखद एहसास है। वे निडर होकर क्रिकेट खेलते हैं। सीएसके भी कुछ इसी तरह की क्रिकेट खेलती है और हम खिलाड़ियों को खुलकर और आक्रामकता से खेलने की आजादी देते हैं। उनका नेट्स अच्छा गया था और वहां उपस्थित हमारे स्टाफ के लोग उनसे बहुत प्रभावित हुए थे। उनको दल में शामिल करके हम बहुत उत्साहित हैं। एशिया कप 2024 के दौरान म्हात्रे ने इंडिया अंडर-19 टीम में भी जगह बनाई थी। इसके बाद ईरानी कप के लिए वह मुंबई की सीनियर टीम में चुने गए। तबसे वह प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए मैचों में मुंबई के नियमित सदस्य हैं। चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा भी आईपीएल 2025 से बाहर हो गए हैं और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने उनकी जगह कर्नाटक के युवा बल्लेबाज आर स्मरण (21) को 30 लाख रूपये में शामिल किया है। स्मरण ने 2024-25 विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान सात पारियों में 100 से ऊपर के स्ट्राइक रेट और 72 की औसत से सात पारियों में 433 रन बनाए थे।

दिल्ली स्पिन ट्रैक पर पटरी पर लौटना चाहेगी

- दिल्ली को जीतना है तो केएल राहुल व नायर को बड़ी पारियां खेलनी होंगी
- कुलदीप व विपराज से दिल्ली को स्पिन का जाल बुनने की आस
- राजस्थान को हार से बचना है तो आर्चर व तुषार को सूझबूझ से गेंदबाजी करनी होगी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (देशबन्धु)। करुण नायर की 40 गेंदों पर पांच छक्कों और 12 चौकों की मदद से 89 रन की तूफानी पारी और निचले क्रम में आशुतोष शर्मा सहित मैच के अंतिम पूर्व ओवर की आखिरी तीन गेंदों में अपने अंतिम तीन बल्लेबाजों के रन आउट होने के चलते शुरू के लगातार चार मैच जीतने के बाद दिल्ली कैपिटल्स की एक ओवर के बाकी रहते जीत के लिए 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस से यहां अरुण जेटली स्टेडियम में पांच मैचों में बीते रविवार को आईपीएल 2025 में 12 रन से पहली हार बेशक नींद से जगाने वाली साबित होगी। दिल्ली कैपिटल्स शुरू के चार मैचों में अपने दूसरे घरेलू विशाखापत्तनम के मैदान पर लखनऊ सुपर जायंटस को एक विकेट से, दूसरे में वहीं एसआरएच को सात विकेट से, तीसरे सीएसके को उसके घर चेन्नई में 25 रन से और फिर आरसीबी को उसके घर बेंगलुरु मे छह विकेट से हराने के बाद मुंबई के हाथों हारने के बावजूद पांच मैचों से चार जीत के साथ आठ अंकों के साथ अंक तालिका में छह मैचों में चार जीत हासिल करने वाली गुजरात टाइटंस से कमतर नेट रन रेट के चलते समान अंकों के बावजूद दूसरे स्थान पर है।

भारत के ऑलराउंडर अक्षर पटेल की अगुवाई में दिल्ली कैपिटल्स अपने घर में अब बुधवार को इसी मैदान पर अपने पिछले दो मैचों में गुजरात टाइटंस से 58 और आरसीबी से अपने घर में नौ विकेट से हारने वाली राजस्थान रॉयल्स को बुधवार को हरा जीत की राह पर लौटने के साथ शीर्ष पर पहुंचने की पुरजोर कोशिश करेगी। दिल्ली कैपिटल्स को जीत की राह पर लौटना तो अनुभवी केएल राहुल के साथ शीर्ष क्रम में करुण नायर को बड़ी पारियां खेलनी ही होंगी ही शीर्ष क्रम में जैक फ्रेजर मैकगर्क और अभिषेक पोरेल के साथ मध्यक्रम में कप्तान अक्षर पटेल, ट्रस्टन स्टब्ज और आशुतोष शर्मा को मुंबई में पिछले मैच में हड़बड़ी में की गई गड़बड़ी से बचना होगा।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पूरे आत्मविश्वास से उतरना होगा : संजू सैमसन

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि धीमी पर टॉस हारकर 170 रन वाकई अच्छा स्कोर था। पावरप्ले में बल्लेबाजी करनी मुश्किल थी। हम जानते थे कि साल्ट औार विराट कोहली जमकर जवाबी हमला बोलेंगे। आरसीबी ने पावरप्ले में ही मैच जीत लिया। जहां बात टपकाए कैचों की है हमने भी कैच टपकाए और आरसीबी ने भी। आरसीबी ने बेहतर बल्लेबाजी की और इसका श्रेय उसे देना होगा। यह जरूर कहूंगा कि आरसीबी को टॉस जीतने का लाभ मिला। मैं इस मैच को को 19वें और 20वें ओवर तक ले जाना पसंद करता। सच तो हमने गलतियां की। हम आरसीबी के मैच में मिली हार को भुला कर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अगले मैच में खेलने उतरना होगा।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच को भुला आगे बढ़ने की जरूरत : अक्षर

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि हमने मुंबई इंडियंस के खिलाफ बीच के ओवरों में पिछले मैच में गलत शॉट खेल कर बेवजह विकेट गंवाएं। हम मुंबई इंडियंस से अपना पिछला मैच इसी मैदान पर एक ओवर के बाकी रहते 12 रन से हारे। यह हर बार मुमकिन नहीं है कि आपके निचले क्रम के बल्लेबाज आपको हमेशा रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बचाए। कोई दिन ऐसा होता है जब आप गलत शॉट खेलकर आउट होते हैं और इसीलिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में मिली हार की बाबत मैं बहुत ज्यादा सोचना नहीं चाहता। मेरा मानना है जीत के लिए 206 रन का लक्ष्य रात में ओस के चलते हासिल करना खासा बड़ा था। हमने यदि मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों के सभी कैच लपक लिए होते तो हम उसे इससे कम स्कोर रोक सकते थे। मुझे तीनों स्पिनरों की गेंदबाजी से आत्मविश्वास मिलता है और इनमें से दो पावरप्ले में गेंदबाजी कर सकते हैं। कुलदीप यादव इस सीजन में अविश्वसनीय गेंदबाजी कर रहे हैं।

श्रेयस अय्यर को मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया

दुबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है, जो भारत के रन स्कोरिंग चार्ट में सबसे ऊपर है और उन्होंने ऐतिहासिक आईसीसी मेन्स चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की जीत के अंतिम चरण में अहम भूमिका निभायी थी। अय्यर ने न्यूजीलैंड की जोड़ी जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पछाड़कर यह सम्मान जीता। यह सम्मान आईसीसी की मासिक पुरस्कार श्रृंखला में भारतीय खिलाड़ियों की लगातार जीत का प्रतीक है, जिसमें फरवरी में शुभमन गिल ने भी यही सम्मान जीता था। अय्यर ने कहा कि मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान अविश्वसनीय रूप से विशेष है, खासकर उस महीने में जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती - एक ऐसा पल जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। इतने बड़े मंच पर भारत की सफलता में योगदान देने में सक्षम होना कुछ ऐसा है जिसका हर क्रिकेटर सपना देखता है। मैं अपने साथियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ के प्रति उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं।

मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं : अय्यर

सार संक्षेप

संस्थानिक फुटबालः फाइनल रेलवे और खाद्य निगम के बीच

नई दिल्ली। गोलकीपर तुषार चोपड़ा के दमदार प्रदर्शन, आशुतोष थपलियाल के दर्शनीय गोल और कोच रवि राणा की सूझ बूझ से पूर्व विजेता भारतीय खाद्य निगम उत्तर क्षेत्र ने युवा खिलाड़ियों से सजी कस्टम एन्ड सेंट्रल एक्साइज को 1-0 से हरा कर डीएसए संस्थानिक लीग के फाइनल में स्थान बनाया । डा. अम्बेडकर स्टेडियम मैदान पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में उत्तर रेलवे ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) को पुनीत पाल के इकलौते गोल से हरा कर खिताबी भिड़ंत का हक पाया। खाद्य निगम और रेलवे के बीच फाइनल 21 अप्रैल को प्रातः 9 बजे खेला जाएगा। दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों में अनुभव के सामने युवा खिलाडियों का प्रदर्शन हल्का रहा। फर्क सिर्फ इतना है कि रेलवे जैसे तैसे जीत गई लेकिन कस्टम पर पचास पार के खिलाड़ियों से सजी खाद्य निगम भारी पड़ी। गोली तुषार और रक्षा पंक्ति के खिलाड़ियों मिलिंद, बेखम, जोगिंदर रावत, योगेश और ललित ने कस्टम के युवा फारवर्ड और खासकर महिप अधिकारी, सायक, मनीष और शौर्य को आजादी नहीं लेने दी। बाकी का काम विजेता टीम के गोली तुषार ने पूरा कर दिखाया। ईएसआईसी के वेटरन खिलाड़ियों ने सूझ बूझ से संघर्ष किया लेकिन शानदार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर गौरव रावत और रक्षापंक्ति के बीच तालमेल में हल्की सी चूक के कारण रेलवे को विजयी गोल मिल गया।

ऑस्ट्रिया ने महिला आइस हॉकी विश्व चैम्पियनशिप में चीन को हराया

शेन्ज़ेन। आईआईएचएफ महिला विश्व चैम्पियनशिप 2025 पहले चरण में ग्रुप ए के दूसरे दौर में ऑस्ट्रिया ने चीर को 3-0 से हराया। ऑस्ट्रिया ने सोमवार को खेले गये इस मुकाबले में नौवें मिनट में अपना पहला गोल किया। यह गोल ऑस्ट्रिया की कप्तान अन्ना मेक्सनर ने किया। इसके बाद अंजा ट्रूमर ने 28वें मिनट में गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले दौर में स्लोवाकिया ने चीन को 4-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले सोमवार को स्लोवाकिया ने फ्रांस को 4-1 से हराया, जबकि डेनमार्क ने नीदरलैंड को 6-3 से हराया। चीन का बुधवार को नीदरलैंड के साथ निर्णायक मुकाबला होगा, जबकि डेनमार्क फ्रांस से भिड़ेगा और स्लोवाकिया ऑस्ट्रिया से भिड़ेगा।

चांगवोन सितंबर में 2026 विश्व शूटिंग पैरा स्पोर्ट चैपिम्यनशिप की मेजबानी करेगा

- शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड्स का 10वां संस्करण, जिसमें 50 से अधिक देशों के लगभग 300 एथलीट भाग लेंगे

बॉन, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। चांगवोन, दक्षिण कोरिया 3 से 14 सितंबर तक 2026 विश्व शूटिंग पैरा स्पोर्ट चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। यह लॉस एंजेलिस 2028 पैरालंपिक खेलों के लिए एक सीधा योग्यता कार्यक्रम होगा, जिसमें कोटा आवंटन होगा। शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड्स का 10वां संस्करण, जिसमें 50 से अधिक देशों के लगभग 300 एथलीट भाग लेंगे, संयुक्त प्रतियोगिता कार्यक्रम में पैरा ट्रैप और द्वन्द्व (दृष्टि बाधित) दोनों इवेंट की सुविधा देने वाला चौथा होगा। यह कोरिया में चेओनाजू 2018 के बाद दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप आयोजित होने का भी प्रतीक होगा। चांगवोन इंटरनेशनल शूटिंग रेंज ने पिछले चार वर्षों (2022-2025) से विश्व शूटिंग पैरा स्पोर्ट विश्व कप की मेजबानी की है। इस स्थल पर पहले 2018 में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप और 2023 में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप जूनियर आयोजित की गई थी।

भारत अगस्त में सफेद गेंद की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा

ढाका, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत 17 से 31 अगस्त तक मीरपुर और चटगांव में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सफेद गेंद की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा, जैसा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को कार्यक्रम की घोषणा की। भारतीय टीम 17 अगस्त को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाली वनडे सीरीज के पहले मैच से पूर्व 13 अगस्त को ढाका पहुंचेगी। तीसरा और अंतिम वनडे चटगांव में खेला जाएगा, जहां 26 अगस्त को तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच भी खेला जाएगा।

दूसरे और तीसरे टी20 के लिए मैच मीरपुर में ही खेले जाएंगे।यह 2014 के बाद से भारत का बांग्लादेश का पहला सफेद गेंद वाला दौरा होगा। इसके अलावा, टी20 सीरीज पहली बार होगी जब बांग्लादेश अपने घर में द्विपक्षीय सीरीज में भारत की मेजबानी करेगा। दोनों टीमों के बीच सबसे हालिया टी20 सीरीज 2024 में हुई थी, जब बांग्लादेश ने भारत का दौरा किया था और मेजबान टीम ने 3-0 से आसान जीत हासिल की थी। आगामी सीरीज़ के बारे में बात करते हुए, बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक की मेजबानी करने पर अपनी खुशी व्यक्त की।

कंधे की चोट के कारण जम्पा आईपीएल से हुए बाहर

हैदराबाद, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खेल रहे लेग स्पिनर एडम जम्पा कंधे की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शेष मैचों से बाहर हो गये है। जम्पा को यह चोट एसआरएच और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गये मैच में गेंदबाजी के समय कंधे में कुछ दर्द हुआ। वे अगले चार मैचों में नहीं खेले और चिकित्सा सलाह के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस चले गए। जम्पा ने टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेला और दो बहुत ही उच्च स्कोरिंग खेलों में 48 रन देकर एक और 46 रन देकर एक विकेट लिया। ऐसा माना जा रहा है कि यह उसी समस्या की पुनरावृत्ति है जो उन्हें 2023 एकदिवसीय विश्वकप से पहले हुई थी। ऐसा माना जा रहा था कि जम्पा समस्या के निदान और थोड़े आराम के बाद आईपीएल में वापस आ सकते हैं, लेकिन एसआरएच ने उनकी जगह कर्नाटक के बल्लेबाज आर स्मरण को टीम में शामिल करने का फैसला किया।

मैथ्यूज, निगार और प्रेंडरगैस्ट ने महिला रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई

- वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज इस सूची में सबसे आगे हैं
- मैथ्यूज ने नाबाद शतक जड़ा और अपने पहले तीन मैचों में 10 विकेट चटकाए

दुबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए चल रहे क्वाालीफायर के माध्यम से दौड़ तेज हो गई है, कई बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को नवीनतम आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में महत्वपूर्ण छलांग के साथ पुरस्कृत किया गया है - जो बड़े मंच पर उनके मैच जीतने वाले योगदान

का प्रमाण है। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज इस सूची में सबसे आगे हैं, जो वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर के पास मौजूद नंबर 1 ऑलराउंडर स्थान के लिए मजबूत दावा पेश करती रहती हैं। मैथ्यूज पाकिस्तान में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने नाबाद शतक जड़ा और अपने पहले तीन मैचों में 10 विकेट चटकाए। उनकी ऑल-राउंड प्रतिभा ने उन्हें 432 रेटिंग पॉइंट तक पहुंचा दिया है, जिससे दक्षिण अफ्रीका की मारिजान कैप (444) और गार्डनर (470) के बीच का अंतर कम हो गया है, और वह इंग्लैंड की नैट साइवर-ब्रंट (375) से आगे निकल गई हैं, जो चौथे स्थान पर हैं। गेंद के साथ उनके प्रदर्शन ने उन्हें दो पायदान ऊपर उठाकर वनडे बॉलिंग रैंकिंग में संयुक्त सातवें स्थान पर पहुंचा दिया है, जहां वह अब ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग के साथ 642 अंकों के साथ बराबरी पर हैं। वेस्टइंडीज में उनके अभियान को पाकिस्तान की राबेया खान और कप्तान फातिमा सना ने और बढ़ावा दिया है, जिन्होंने भी ऊपर की ओर कदम बढ़ाया है - राबेया सात पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं और सना 15 पायदान ऊपर चढ़कर 32वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इस बीच, आयरलैंड की ओरला प्रेंडरगैस्ट क्वालीफायर में सबसे होनहार ऑलराउंडरों में से एक बनकर उभरी हैं। चार विकेट और लगातार बल्लेबाजी योगदान के साथ - पाकिस्तान के खिलाफ 37 और बांग्लादेश के खिलाफ 41 - प्रेंडरगैस्ट ने करियर के सर्वोच्च 193 अंकों के साथ ऑलराउंडर रैंकिंग में आठ पायदान चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

जॉर्जिया वोल ने जीता आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

दुबई, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले वर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को मार्च महीने के लिए आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' खिताब से नवाजा गया हैं। वोल ने हमवतन एनाबेल सदरलैंड और अमेरिका की चेतना प्रसाद को पछाड़ कर यह पुरस्कार जीता है। 21 वर्षीय वोल ने मार्च में व्हाइट फर्न्स पर ऑस्ट्रेलिया की 3-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वोल ने दूसरे छोर पर अनुभवी बेथ मूनी के साथ मिलकर आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की। वोल ने पहले मैच में 31 गेंदों पर 50 रन, दूसरे टी-20 में 20 गेंदों पर 36 रन और अंतिम मैच में 57 गेंदों पर 75 रन बनाये थे। यह लगातार चौथी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने यह मासिक पुरस्कार जीता है। दिसंबर 2024 में एनाबेल सदरलैंड ने, उसके बाद जनवरी में बेथ मूनी और फरवरी में एलन किंग यह पुरस्कार जीता। मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने पर वोल ने कहा कि यह पुरस्कार जीतना निश्चित रूप से मेरे और टीम के लिए एक अविश्वसनीय है।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	गुजरात टाइटंस	6	4	2	8	+1.081
2-	दिल्ली कैपिटल	5	4	1	8	+0.899
3-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	8	+0.672
4-	लखनऊ सुपर जायंट्स	7	4	3	8	+0.086
5-	कोलकाता नाइट राइडर	6	3	3	6	-0.803
6-	पंजाब किंग्स	5	3	2	6	+0.065
7-	मुंबई इंडियंस	6	2	4	4	-0.104
8-	राजस्थान रॉयल्स	6	2	4	4	-0.838
9-	सनराइजर्स हैदराबाद	6	2	4	4	-1.245
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	7	2	5	4	-1.276

SENSEX	BSE	76734.89 ▲ 1577.63	NSE	23328.55 ▲ 500.00	MCX	Gold 93252 ▼ 00	silver 94586 ▼ 284

अर्थ जगत

चांदी की कीमत 2,500 रुपए बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 50 रुपए बढ़कर 96,450 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 50 रुपए गिरकर 96,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 50 रुपए बढ़कर 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इस बीच, ताजा औद्योगिक मांग के कारण चांदी की कीमत 2,500 रुपए बढ़कर 97,500 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई।

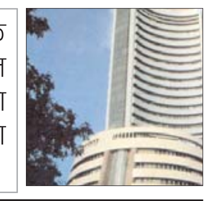

थोक महंगाई 6 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे से अच्छी खबर आई है। मार्च में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति घटकर 2.05 प्रतिशत रह गई, जो छह महीने का सबसे निचला स्तर है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इस बात की जानकारी दी गई है। खबर के मुताबिक, सब्जियों, आलू और दूसरे खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के चलते थोक महंगाई में बड़ी राहत मिली है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 2.38 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल मार्च में यह 0.26 प्रतिशत थी।

खाद्य मुद्रास्फीति मार्च में घटकर 1.57 प्रतिशत- उद्योग मंत्रालय का कहना है कि बीते महीने महंगाई की पॉजिटिव दर के पीछे की मुख्य वजह उत्पादों, अन्य विनिर्माण, खाद्य वस्तुओं, बिजली और कपड़ा विनिर्माण आदि की बढ़ती कीमतें हैं। मंत्रालय ने कहा कि सितंबर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.91 प्रतिशत थी - जो मार्च में दर्ज 2.05 प्रतिशत से कम है। इसके अलावा, ताजा आंकड़ों के मुताबिक, थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों में कहा गया है कि खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी में 3.38 प्रतिशत से घटकर मार्च में 1.57 प्रतिशत हो गई, जबकि सब्जियों में भारी गिरावट देखी गई।

आलू-प्याज ने दी बड़ी राहत- मार्च 2025 के दौरान सब्जियों में 15.88 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि फरवरी में यह 5.80 प्रतिशत थी। आलू की मुद्रास्फीति, जो फरवरी 2024 से डबल डिजिट में बढ़ रही थी, मार्च 2025 में गिर गई। मार्च 2025 में आलू की मुद्रास्फीति 6.77 प्रतिशत थी। प्याज की मुद्रास्फीति फरवरी में 48.05 प्रतिशत से घटकर मार्च में 26.65 प्रतिशत हो गई। हालांकि यह भी देखा गया कि मार्च में बने प्रोडक्ट्स में 3.07 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली, जबकि फरवरी में यह 2.86 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली में भी मार्च में 0.20 प्रतिशत का इजाफा देखा गया, जबकि फरवरी में यह 0.71 प्रतिशत रहा।

खुदरा महंगाई 6 वर्ष के निचले स्तर पर

खुदरा मुद्रास्फीति भी मार्च 2025 में मामूली रूप से घटकर करीब छह साल के निचले स्तर 3.34 प्रतिशत पर आ गई। इससे पहले अगस्त, 2019 में यह 3.28 प्रतिशत के स्तर पर रही थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 3.61 प्रतिशत पर और पिछले साल मार्च में 4.85 प्रतिशत पर रही थी। खाद्य मुद्रास्फीति मार्च में 2.69 प्रतिशत रही, जबकि फरवरी में यह 3.75 प्रतिशत और मार्च, 2024 में 8.52 प्रतिशत थी।

वित्त वर्ष 26 में 4 प्रतिशत रहेगी खुदरा महंगाई- आरबीआई

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में खुदरा महंगाई औसतन 4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, बशर्ते मॉनसून सामान्य रहे।

पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में महंगाई 3.6 प्रतिशत
दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 3.9 प्रतिशत
तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 3.8 प्रतिशत
चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में थोड़ी बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो सकती है।

शेयर बाजार ने फिर भरी ऊंची उड़ान, सेंसेक्स 1578 अंक उछला

निफ्टी 23,300 के पार, निवेशकों ने कमाए 10 लाख करोड़

मुम्बई। टैरिफ को लेकर अमेरिका के नरम रवैये के बाद से बाजार में रिकवरी जारी है। मंगलवार को भी बीएसई सेंसेक्स कारोबार के आखिर में 1577.63 अंक की जोरदार उछाल के बाद 76,734.89 के लेवल पर बंद हुआ। इसी तरह, निफ्टी 50 भी 500 अंक उछलने के बाद 23,328.55 पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी भी धमाकेदार 1377.15 अंक की तेजी के साथ आखिर में 52,379.50 के लेवल पर बंद हुआ। आज की इस बढ़त के साथ ही निवेशकों ने एक दिन में करीब 10 लाख करोड़ रुपये कमाए।

ये शेयर चमके- आज के कारोबार में बीएसई के सभी क्षेत्रीय सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। बीएसई रियल्टी, ऑटो, कैपिटल गुड्स और इंडस्ट्रियल्स में 5 प्रतिशत तक की उछाल दर्ज की गई। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक सबसे आगे रहा। इसमें 6.84 प्रतिशत की तेजी आई। टाटा मोटर्स में 4.50 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। लार्सन एंड टूब्रो, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एचसीएल टेक भी बढ़त दर्ज करने वालों में शामिल रहे। आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर ही पिछड़े रहे।

मार्केट एक्सपर्ट ने कही ये बात- लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक सतीश चंद्र अलूरी ने कहा कि ताजा टैरिफ एडजस्टमेंट से पता चलता है कि व्हाइट हाउस अमेरिकी उपभोक्ताओं और व्यापक अर्थव्यवस्था पर दबाव को पहचान रहा है। एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,519.03 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.52 प्रतिशत गिरकर 64.54 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने का कहना है कि वह ऑटो इंडस्ट्रीज को पहले लगाए गए टैरिफ से अस्थायी रूप से छूट दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं को अपने टैरिफ से अस्थायी रूप से छूट दे रहे हैं। ट्रंप ने यह भी सुझाव दिया कि वह पहले से लागू ऑटोमोबाइल के लिए 25 प्रतिशत शुल्क पर छूट दे सकते हैं, जिससे ऑटो शेयरों में तेज उछाल आया।

एयरटेल ने ब्लिंकिट के साथ की साझेदारी, ग्राहकों को सिर्फ 10 मिनट में घर पर मिल सकेंगे सिम कार्ड

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने आज एक अग्रणी कदम उठाते हुए अपने ग्राहकों को दस मिनट के भीतर सिम कार्ड की डिलीवरी के लिए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की।

किसी टेलीकॉम कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली अपनी तरह की यह पहली सेवा अब तक देश के 16 शहरों में शुरू हो चुकी हैं। आने वाले समय में इस सेवा के अंतर्गत अन्य शहरों तथा कस्बों को जोड़ने की योजना है। यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह ग्राहकों को ?49 के मामूली सुविधा शुल्क पर केवल 10 मिनट में उनके घर पर सिम कार्ड प्राप्त करने की सुविधा देती है। सिम कार्ड की डिलीवरी के बाद, ग्राहक आधार-आधारित केवाईसी प्रमाणीकरण के माध्यम से एक सरल एक्टिवेशन प्रक्रिया द्वारा नंबर को चालू कर सकते हैं। ग्राहकों के पास पोस्टपेड और प्रीपेड दोनों योजनाओं में से चुनने या एयरटेल नेटवर्क में पोर्ट करने के लिए एमएनपी ट्रिगर करने का विकल्प होगा। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, ग्राहक ऑनलाइन लिंक पर जाकर सहज एक्टिवेशन अनुभव के लिए एक्टिवेशन वीडियो भी देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसे सभी एक्टिवेशन के लिए, एयरटेल ग्राहकों के पास एयरटेल थैंक्स ऐप के माध्यम से सहायता केंद्र तक पहुँचने का विकल्प है , यदि उन्हें किसी भी तरह की सहायता की आवश्यकता हो।

कच्चा तेल 70 डॉलर के नीचे, फिर भी नहीं घट रहे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। भारत में आयात किए जाने वाले कच्चे तेल की कीमतों में बीते पांच वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल भारत को कच्चे तेल के आयात पर औसतन 70 डॉलर प्रति बैरल से भी कम खर्च करना पड़ रहा है। यह पहली बार है जब 2021 के बाद देश को कच्चे तेल के लिए इतना कम भुगतान करना पड़ रहा है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 65 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे चली गई। बावजूद इसके पेट्रोल-डीजल के दाम तेल कम्पनियां नहीं घटा रही हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह गिरावट कुछ और समय तक बनी रही, तो इससे आम लोगों को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिल सकती है।

पिछले साल के मुकाबले 22 प्रतिशत सस्ता हुआ क्रूड ऑयल- एक रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को भारत ने कच्चा तेल 69.39 डॉलर प्रति बैरल की औसत दर पर आयात किया, जो कि पिछले साल अप्रैल में 89.44 डॉलर प्रति बैरल था यानी एक साल में करीब 22 प्रतिशत की कमी आई है।

आगे और सस्ती हो सकती है कीमत- तेल कंपनियों और सेक्टर के विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर आर्थिक सुस्ती और ट्रेड वॉर की वजह से मांग घट रही है। इससे आने वाले हफ्तों में क्रूड की कीमतों में और गिरावट देखी जा सकती है।

भारत अपने कुल जरूरत का 87 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल आयात करता है और रिफाइनिंग के कुल खर्च का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा कच्चे तेल पर निर्भर करता है।

सरकार का रुख और कीमतों में संभावित राहत- केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 7 अप्रैल को बताया था कि तेल कंपनियों ने 45 दिनों का स्टॉक 75 डॉलर प्रति बैरल की दर से खरीदा है लेकिन जैसे ही कीमतें 60-65 डॉलर प्रति बैरल तक आएंगी, तेल कंपनियों के पास पेट्रोल-डीजल सस्ता करने का विकल्प रहेगा।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	85. 77
एक यूरो	97. 46
एक ब्रिटिश पाउंड	112 . 85
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	54. 89
एक जापानी येन	0. 60

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.
864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085
जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 108 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 124 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-132 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -66 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 180 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 92900 चांदी -98200

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 92900 चांदी -98200

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 8000-9000, मीडियम बोल्ड 11000-12000, फाइन 130000-13500, एक्स्ट्रा बोल्ड 13500-14000, चना दाल एवरेज 7600-7800 चना दाल मार्का 7800-8000, मसूर दाल एवरेज 7500-7700, मसूर दाल फाइन 7800-8000, उड़द छिलका 8000-8500, फाइन 8500-9500, उड़द धुली 10000-11000, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 10000- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3600, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4500-4800,एचएमटी-5200-5500 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5600-5800, फाइन 6000-6300, बासमती कनकी चालू 3200-3600, बासमती कनकी मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4500, मोगरा- 4300-5200, दुबार- 5200-5800, तिबार- 6500-6800, बासमती 8500-1000, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4400-4500, फाइन 5400-5500, मुरमुरा- 5500-6000, फाइन- 7000-8000 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5980, 10 एम एम 5860,12 एम एम, 5800 एवं 16 एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

बैंक ऑफ इंडिया ने होम लोन और एफडी पर घटाई ब्याज दरें

नई दिल्ली। बैंक ऑफ इंडिया ने अपने ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। बैंक ने होम लोन की ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती की है, जिससे अब नई ब्याज दर 7.90 प्रतिशत सालाना हो गई है। यह नई दरें 15 अप्रैल 2025 से लागू हो गई हैं।

यह कटौती सीआई बीआईएल स्कोर पर आधारित है और नए व मौजूदा दोनों ग्राहकों पर लागू होगी। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक के हाल ही में रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट घटाकर 6 प्रतिशत करने के बाद उठाया गया है। आरबीआई के इस फैसले के बाद कई बैंकों ने अपने कर्ज और जमा दरों में बदलाव किया है।

लोन प्रोडक्ट पर दी राहत- बैंक ऑफ इंडिया ने सिर्फ होम लोन ही नहीं, बल्कि अपने कई रिटेल लोन प्रोडक्ट जैसे कार लोन, पर्सनल लोन, प्रॉपर्टी के खिलाफ लोन, एजुकेशन लोन और स्टार रिर्वस मार्डगेज लोन की ब्याज दरों में भी 25 बेसिस पॉइंट की कटौती की है। बैंक का कहना है कि बाजार की अनुकूल परिस्थितियों का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने और कर्ज को और अधिक किफायती बनाने के लिए यह फैसला लिया गया है।

एफडी की दरों में भी बदलाव- बैंक ने एफडी की ब्याज दरों में भी बदलाव किया है, जो 3 करोड़ रुपये से कम और 3 करोड़ रुपये से 10 करोड़ रुपये तक की जमाओं पर लागू होंगे।

3 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर नई ब्याज दरें- 91 से 179 दिन- 4.25 प्रतिशत,180 दिन से 1 साल से कम- 5.75 प्रतिशत,1 साल- 7.05 प्रतिशत ,1 साल से 2 साल तक- 6.75 प्रतिशत ,3 करोड़ से 10 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर नई दरें । **91 से 179 दिन- 5.75 प्रतिशत,180 से 210 दिन-** 6.25 प्रतिशत ,211 दिन से 1 साल से कम- 6.50 प्रतिशत,1 साल- 7.05 प्रतिशत,1 साल से 2 साल से कम- 6.70 प्रतिशत

400 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम बंद- बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी खास 400-दिनों की एफडी योजना को भी वापस ले लिया है, जिस पर पहले 7.30 प्रतिशत तक ब्याज मिलता था। यह स्कीम 15 अप्रैल 2025 से बंद कर दी गई है। इस कटौती की राह पर पहले ही एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई जैसे बड़े बैंक भी एफडी पर ब्याज दरों को कम कर चुके हैं। अब बैंक ऑफ इंडिया भी उन्हीं की कतार में आ गया है, जिससे ग्राहकों को कर्ज सस्ता मिलेगा, लेकिन जमा पर रिटर्न थोड़ा कम होगा।

बर्जर पेंट्स ने लॉन्च की 'गर्मी गॉन, ठंडक ऑन' पहल

भोपाल। बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, जो देश की दूसरी सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ रही पेंट कंपनी है, ने अपने नए होम कूलिंग पेंट्स लॉन्च किए हैं। इनमें वेदरकोट एंटी डस्ट कूल, रूफ कूल एंड सील और टैंक कूल पेंट्स शामिल हैं। कंपनी ने गर्मी और तापमान में लगातार बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए ये पेंट्स बनाए हैं।

लोगों को घर को ठंडा रखने के लिए अच्छे और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों की जरूरत है। ये पेंट्स घर को ठंडा रखने में मदद करते हैं और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना आरामदायक माहौल प्रदान करते हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव बेहद गंभीर हो रहे हैं। इससे शहरों में अर्बन हीट आइलैंड की समस्या बढ़ रही है, जहाँ ज्यादा आबादी, कंक्रीट की इमारतें और कम पेड़-पौधों की वजह से तापमान बहुत ज्यादा रहता है। इसके कारण लोग घर को ठंडा रखने के लिए एयर कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे बिजली की खपत और बिल दोनों ही तेजी से बढ़ रहे हैं। साथ ही, बिजली की ज्यादा माँग से न सिर्फ पॉवर ग्रिड पर दबाव पड़ता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ता है, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है।बढ़ते तापमान से निपटने के लिए घर को ठंडा रखने वाले ड्यूरेबल प्रोडक्ट्स बहुत जरूरी हो गए हैं, खासकर उन इलाकों में जहाँ गर्मी ज्यादा पड़ती है और लोग अलग-अलग घरों में रहते हैं। बर्जर पेंट्स ने भारतीय घरों को ठंडा रखने के लिए एक आसान, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक अपनाई है। अपनी होम कूलिंग पेंट्स रेंज 'वेदरकोट एंटी डस्ट कूल, रूफ कूल एंड सील और टैंक कूल' के जरिए कंपनी ने ऐसे पेंट्स बनाए हैं।

अमेरिका के साथ 2025 के अंत तक व्यापार समझौता होने की उम्मीद

नई दिल्ली। इंडिया और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते की मुख्य बातों (टर्म्स ऑफ रेफरेंस) को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इस बारे में पहले दौर की बातचीत जल्द शुरू होगी। कॉमर्स मिनिस्ट्री में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने 15 अप्रैल को यह जानकारी दी।

मई में शुरू होगी बातचीत

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर पहले दौर की बातचीत मई में शुरू होगी। अतिरिक्त सचिव एल सत्य श्रीनिवास ने कहा कि चीन ने अमेरिकी गुड्स पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया है। इससे अमेरिकी एग्रीकल्चर गुड्स का आयात इंडिया में बढ़ सकता है।

10 फीसदी बेसलाइन टैरिफ के असर का विश्लेषण करेगी सरकार- कॉमर्स सेक्रेटरी सुनील बर्थवाल ने कहा कि सरकार ने अभी अमेरिका को एक्सपोर्ट्स पर 10 फीसदी बेसलाइन टैरिफ और कुछ खास सेक्टर्स पर लगाए गए अलग टैरिफ के संभावित असर का विश्लेषण नहीं किया है। उन्होंने कहा, ट्रेड पर अमेरिकी टैरिफ का कितना असर पड़ेगा, इसका पता लगाने के लिए हमें यह समझना पड़ेगा कि क्या रेसिप्रोकल टैरिफ में किसी तरह की छूट मिलने जा रही है और दूसरे देश अमेरिका से किस तरह की ट्रेड डील करते हैं।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते से दोनों देशों को फायदा- उन्होंने कहा कि इस साल के आखिर में अगर समझौता हो जाता है तो यह भारत और अमेरिका दोनों के लिए अच्छा होगा। कॉमर्स सेक्रेटरी ने कहा कि इस बीच इंडिया का अमेरिका को एक्सपोर्ट्स बढ़कर वित्त वर्ष 25 में 820 अरब डॉलर पहुंच गया। पहली बार इंडिया से अमेरिका को एक्सपोर्ट इस स्तर पर पहुंचा है।

भारत का कुल आयात 915 अरब डॉलर

भारत का कुल इंपोर्ट 915.19 अरब डॉलर रहा। इस तरह वित्त वर्ष 25 में ट्रेड डेफिसिट 20 फीसदी से ज्यादा रहा। सर्विसेज का एक्सपोर्ट्स बढ़कर 383.51 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले यह 341.06 अरब डॉलर था। इससे पता चलता है कि इंडिया का एक्सपोर्ट्स बढ़ रहा है। अगर इंडिया और अमेरिका में व्यापार समझौता इस साल के अंत तक हो जाता है तो यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा।

देशबन्धु ग्राहक सेवा

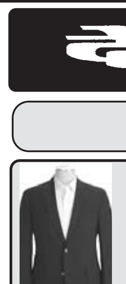

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

फ्लैट बेचना है
गोलबाजार, जबलपुर में 742 वर्गफुट का 2 BHK बालकनी सहित फ्लैट दूसरी मंजिल पर बिक्री हेतु उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
एडवोकेट रविशंकर पटेल
फोन नंबर-
9827087838

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

साइबर अपराधियों से पुलिस कर्मियों की मिलीभगत!

जबलपुर, देशबन्धु। शहर के साथ ही प्रदेश में साइबर अपराधियों की धरपकड़ में वैसी तेजी नहीं दिखाई दे रही हैं जैसी पुलिस अन्य मामलों में अपराधियों की धरपकड़ में दिखाती हैं। भोपाल में एक प्रकरण सामने आने के बाद पुलिस और साइबर ठगों की मिलीभगत के आरोप भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में बढ़ते साइबर अपराधों और इसके अनुपात में अत्यधिक कम गिरफ्तारियों और आधे से भी कम रिकवरी इन आरोपों को और भी मजबूती दे रही है कि क्या साइबर अपराधियों की वास्तव में पुलिस अधिकारियों या कर्मियों से कोई मिलीभगत होती हैं।

विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक पहले तो साइबर ठगों के ठिकानों का पता लगाना नौसिखिया पुलिस अधिकारियों के स्तर के ऊपर की बात होती हैं और किसी तरह वे ठिकानें का पता भी लगा लें तो मौके पर उनके सामने फेंके जाने वाला नजराना इतना होता हैं कि वे जितना साल भर इलाके के सटोरियों, जुआंरियों और अन्य अपराधियों से भी नहीं कमा पाते लिहाजा नजराने के सामने नीयत डोल जाना कोई बड़ी बात नहीं हैं। इधर नजरानों के चक्कर में दस्तावेजों में फरारी डाल दी जाती हैं और उधर रोज अन्य निर्दोष साइबर ठगों का निशाना बन जाते हैं। भोपाल का प्रकरण सामने आने के बाद सूत्रों की मानें तो ऐसे पुलिस अधिकारियों की कुंडली खंगाली जा रही हैं जो साइबर ठगों के मामले में विवेचना अधिकारी थे।

इसलिए लग रहे मिलीभगत के आरोप

हाल हीं में साइबर अपराधियों और पुलिस के बीच मिलीभगत के मामले सामने आए हैं। जिसका हालिया भोपाल में सामने आया जहां पुलिस और साइबर अपराधियों के बीच गठजोड़ का खुलासा हुआ। इस मामले में एक एएसआई के घर से 5 लाख रुपये नकद और साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाला लैपटॉप बरामद हुआ। एएसआई पवन रघुवंशी को गिरफ्तार कर लिया गया और 8 अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। मिलीभगत के कारणों में पहली वजह रिश्वत दूसरी वजह जानकारी का आदान-प्रदान और तीसरी वजह साइबर अपराधियों को संरक्षण बताया जा रहा हैं।

चौंका रहे हैं आंकड़े

शीतकालीन सत्र के साइबर फ्रॉड के चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। बताया गया कि साल 2024 में डिजिटल अरेस्ट के 26 मामले सामने आए और ठगों ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के नाम पर लोगों से 12.60 करोड़ रुपये की ठगी की। 2024 में साइबर अपराध में शामिल 38 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए सदन में सवालों के जवाब में सरकार ने बताया कि साइबर ठगी में साल 2024 में अब तक 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से अधिकतर आरोपी राजस्थान, बिहार, गुजरात, केरल और जम्मू-कश्मीर से हैं। बताया गया कि साल 2023- 2024 में साइबर फ्रॉड में प्रदेश के लोगों को 150 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। 2023 में साइबर फ्राड के 444, तो साल 2024 में 521 मामले दर्ज हुए। 2023 में मध्य प्रदेश में साइबर फ्रॉड से जुड़े 444 मामले दर्ज हुए, जिनमें 44.26 करोड़ का नुकसान हुआ, जबकि साल 2024 में मामलों की संख्या बढ़कर 521 हो गई, यानी प्रदेश में साइबर हमलों की तादाद में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और नुकसान बढ़कर 93.60 करोड़ तक पहुंच गया, जो 111 फीसद की वृद्धि दर्शाती है।

2023 में कुल रिकवरी 8.71 करोड़ रुपए, 2024 में उसकी आधी हुई। साल 2023 में साइबर ठगी के शिकार हुए कुल 8.71 करोड़ (20 फीसद) की रिकवरी हुई थी, जबकि 2024 में अब तक 8.54 करोड़ (9 फीसद) की ही रिकवरी हो पाई है। इन मामलों में इंदौर सबसे अधिक प्रभावित शहर है, जहां 2023 में 184 मामले और 2024 में 141 मामले दर्ज हुए. राजधानी भोपाल में 2023 में 53 मामले और 2024 में 77 मामले दर्ज हुए। इनके बाद तीसरे नंबर पर जबलपुर रहा।

यह सामने आ रहे परिणाम

साइबर अपराधियों और पुलिस के बीच मिलीभगत के कारण पीड़ितों को न्याय पाने में कठिनाई होती है। कई मामलों में, पुलिस पीड़ितों की शिकायतें दर्ज नहीं करती है या उनकी सुनवाई नहीं करती है। जैसे कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक व्यक्ति के खाते से 94,882 रुपये निकाल लिए गए लेकिन पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर ही मामला दर्ज किया। पुलिस विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही हैं ताकि साइबर अपराधियों और पुलिस के बीच मिलीभगत के मामलों को रोका जा सके।

शहडोल में हाथियों के उत्पात से फसल चौपट

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात बढ़ता जा रहा है, जिससे चंदोला गांव के किसानों की गेहूं की फसल को व्यापक नुकसान हुआ है। वन विभाग ने इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गांव में मुनादी करवाई गई है, ताकि स्थानीय निवासियों को इस बारे में जागरूक किया जा सके।

एसडीओ रेशम सिंह धुर्वे ने बताया कि हमारी तीन टीमें इस क्षेत्र में हाथियों की निगरानी के लिए सक्रिय हैं। पिछले कुछ महीनों से हाथियों का एक झुंड यहां विचरण कर रहा है, जिसकी संख्या डेढ़ दर्जन से अधिक है। हमने मंगलवार को सुबह कई गांव में मुनादी करवाई है ताकि किसान सतर्क रह सकें। पिछले कुछ समय से चंदोला गांव और आसपास के इलाकों में हाथियों के कारण किसानों में चिंता बढ़ गई है। हाल ही में, हाथियों ने कई खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को बर्बाद कर दिया, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज जबलपुर आकर मण्डला जायेंगे

जबलपुर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ट्रांजिट विजिट पर बुधवार 16 अप्रैल की दोपहर 12.35 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा डुमना एयरपोर्ट जबलपुर आगमन होगा। मुख्यमंत्री डुमना एयरपोर्ट से दोपहर 12.40 बजे हेलीकाप्टर द्वारा मंडला प्रस्थान करेंगे। डॉ. यादव मंडला जिले के टिकरवारा में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर 3.55 बजे मंडला से हेलीकाप्टर द्वारा वापस डुमना एयरपोर्ट आएंगे तथा यहां से शाम 4 बजे वायुयान द्वारा नीमच प्रस्थान करेंगे।

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 132
मुर्गा मीडियम - रु. 124
मुर्गा बड़ा - रु. 908
मुर्गा जम्बो - रु. 908
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 104
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 120
छोटा ब्रॉयलर - रु. 128
मोबाइल नं. 9300692405